{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 18 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 04 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 264
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

PMG हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	76,808.48
निफ्टी	-	23,989.15
सोना	-	1,60,062
चांदी	-	2,65,000
डॉलर	-	94.46

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

बस-ट्रक की टक्कर, 6 की मौत,31 घायल

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा में कोटांबी स्टेडियम के पास बुधवार सुबह एक स्लीपर बस और ट्रक की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई। 31 लोग घायल हैं। मृतकों में एक 9 साल का बच्चा भी शामिल है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बालाजी ट्रैवल्स की लग्जरी बस राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत जा रही थी। वडोदरा में बस सडक किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई यात्री बस में फंस गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और वडोदरा फायर विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। सभी घायलों को एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारण इलाके में लंबा जाम लग गया।

साधारण हवाई यात्रियों को अब नहीं मिलेगा मुफ्त भोजन

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने घरेलू उड़ानों में यात्रियों के लिए नया 'बेसिक फेयर' विकल्प शुरू किया है। इस श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को उड़ान के दौरान मुफ्त भोजन नहीं मिलेगा। कंपनी के अनुसार यह सुविधा फिलहाल कुछ चुनिंदा घरेलू रूटों पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू की गई है। बेसिक फेयर उन यात्रियों के लिए है जो कम किराए में यात्रा करना चाहते हैं और अतिरिक्त सुविधाओं की आवश्यकता नहीं रखते। हालांकि, यात्रियों को 15 किलो चेक-इन बैगेज और 7 किलो केबिन बैगेज की अनुमति रहेगी। चाय-कॉफी जैसी पेय सेवाएं उपलब्ध रहेंगी, लेकिन मुफ्त भोजन शामिल नहीं होगा।

केंद्रीय सूचना आयोग का आदेश, यूपीएससी भर्ती परीक्षा को सार्वजनिक करे

नई दिल्ली । केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को भर्ती परीक्षाओं की मेरिट सूची सार्वजनिक करने की सलाह देते हुए पारदर्शिता बढ़ाने पर जोर दिया है। आयोग ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की जानकारी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि अभ्यर्थियों को सूचना के अधिकार (आरटीआई) का सहारा कम लेना पड़े।

10 साल का बच्चा 16 किमी दौड़ कर पहुंचा स्कूल

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर में चौथी कक्षा के 10 वर्षीय छात्र अरविंद राठौड़ ने स्कूल के पहले दिन 16 किलोमीटर दौड़कर पहुंचकर सभी को हैरान कर दिया। अरविंद 'माझा घर' शेल्टर होम से अपने स्कूल तक लगातार दौड़ते हुए पहुंचा। उसका उद्देश्य बच्चों को फिटनेस, अनुशासन और आत्मविश्वास का संदेश देना था।

कुछ ना कहना

उद्धव की शिवसेना में संभावित टूट, शरद पवार हुए सतर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में फिर बड़े बदलाव की आहट सुनाई दे रही है। अटकलें तेज हैं कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) में दूसरी बड़ी फूट पड़ सकती है, जिसमें 6 से 7 सांसद पार्टी का दामन छोड़ सकते हैं। इन घटनाक्रमों ने अनुभवी नेता शरद पवार को चिंतित किया है, जो अपनी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के सांसदों को एकजुट रखने के प्रयासों में जुटे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि शरद पवार ने आने वाले दिनों में अपनी पार्टी के सांसदों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है, हालांकि इस पर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

शरद पवार की यह सतर्कता यूं ही नहीं है, बल्कि उनकी अपनी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी हाल ही में इसी तरह की टूट का सामना कर चुकी है। जुलाई 2023 में, पवार के भतीजे अजित पवार के नेतृत्व में एक बड़े धड़े ने अलग राह पकड़ ली थी। इस विभाजन के बाद, अजित पवार के गुट को ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के रूप में मान्यता मिली और घड़ी का चुनाव चिह्न सौंपा गया। वहीं, शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) नाम और तुतारी का नया चुनाव चिह्न मिला।

हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में, राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने नौ सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि अजित पवार की पार्टी को केवल एक सीट मिली। हालांकि, बाद के विधानसभा चुनावों में राकांपा (शरदचंद्र पवार) का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा, जिसमें उन्हें 10 विधायक मिले, जबकि अजित पवार के गुट ने 42 विधायकों के साथ अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इस बीच, कुछ समय से राकांपा (शरदचंद्र पवार) के कांग्रेस में विलय या दोनों राकांपा गुटों के एकजुट होने की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। हालांकि, अजित पवार के निधन के बाद एकजुटता की अटकलों पर विराम लग गया, और शरद पवार ने स्वयं कांग्रेस में विलय के प्रस्तावों से इंकार किया। पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले ने भी स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी या कांग्रेस की ओर से ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया है। उन्होंने कहा, न किसी ने हमसे संपर्क किया है और न ही हमें कोई प्रस्ताव दिया है। इसी तरह हमने भी किसी से संपर्क नहीं किया है और न ही किसी को कोई प्रस्ताव दिया है। सुले ने कहा कि उन्हें, पार्टी प्रमुख शरद पवार को, या अन्य वरिष्ठ नेताओं को इसतरह के किसी प्रस्ताव की कोई जानकारी नहीं है। महाराष्ट्र की राजनीति में उठापटक का यह दौर जारी है, जिस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

यूबीटी के 6 सांसदों के एकनाथ शिंदे गुट में शामिल होने की अटकलों के बीच संजय राउत ने सांसदों को खरीदने का लगाया आरोप, किया दावा-

हर सांसद को दिए जा रहे 15 करोड़ एडवांस

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार फिर से उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) को बड़ा झटका लगने की खबरें सामने आ रही है। पिछले कुछ दिनों से ऐसी चर्चा है कि यूबीटी के सात लोकसभा सांसद पाला बदल सकते हैं। ये सांसद एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नेताओं के संपर्क में हैं और जल्द ही शिंदे दोबारा से उद्धव गुट पर सर्जिकल स्ट्राइक कर सकते हैं। इसे ऑपरेशन टाइगर नाम दिया गया है। इस बीच यूबीटी के सांसद संजय राउत का बयान सामने आया है, जिसमें एक बड़ा दावा किया जा रहा है।

संजय राउत का कहना है कि महाराष्ट्र के सांसदों को पाला बदलने के लिए 15-15 करोड़ रुपए ऑफर किए जा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा 'अपना सपना मनी मनी! महाराष्ट्र के सांसदों को खरीदने के लिए हर एक को 15-15 करोड़ रुपए एडवांस दिए जा रहे हैं। यह जानकारी चौंकाने वाली और घिनौनी है!। सांसद ने इस पोस्ट को बीजेपी नेता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फणडवीस को टैग भी किया है।

राउत के दावे से पाला बदलने की अटकले तेज

खास बात ये है कि संजय राउत लगातार इस बात का खंडन कर रहे थे कि पार्टी के सभी सांसद एकजुट हैं और कोई कहीं नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा था कि हम ऑपरेशन वुल्फ करेंगे। उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन टाइगर महज एक अफवाह है। लेकिन अब राउत की इस पोस्ट से साफ जाहिर हो रहा है कि राज्य में कुछ बड़ा खेला होने वाला है। पार्टी भले ही एकजुटता की बात करे लेकिन हकीकत कुछ और ही है।

उद्धव के सांसद दिल्ली में मौजूद

इस बीच खबर है कि शिवसेना प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुंबई से दिल्ली पहुंच गए हैं।ऑपरेशन टाइगर की चर्चाओं के बीच शिंदे का दिल्ली दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इधर उद्धव गुट के भी कुछ सांसद दिल्ली में दिल्ली पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे शिरडी से दिल्ली आए हैं। बताया जा रहा है कि कल ही उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र का दौरा किया था और संगमनेर में आयोजित सप्ताह कार्यक्रम में भी मौजूद रहे थे। हालांकि अचानक दिल्ली रवाना होने के बाद उनके दौरे को लेकर कई तरह की राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही हैं।

6 सांसदों के अलग गुट बनाने की चर्चा

वहीं शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के तीन सांसद अनिल देसाई,संजय राउत और अरविंद सावंत भी दिल्ली पहुंचे हैं। खबर है कि आज तीनों सांसद मीडिया से बात करेंगे। वहीं उद्धव ठाकरे के सांसद नागेश आस्तिकार भी दिल्ली आ गए हैं। वहीं परभणी सांसद संजय उर्फ बंधु जाधव और यवतमाल वाशिम सांसद संजय देशमुख के भी दिल्ली आने की खबर है। सूत्रों के मुताबिक यूबीटी के 9 में से 6 सांसद अलग गुट बनाएंगे। खबर हैं कि ये सांसद एकनाथ शिंदे की पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

नीट अभ्यर्थियों की मौतें भ्रष्ट व्यवस्था का परिणाम

कोटा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बुधवार को छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कोटा पहुंचे। दोपहर करीब 3ः30 बजे चार्टर विमान से कोटा एयरपोर्ट पहुंचने पर उनका स्वागत राजस्थान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने किया। इस दौरान गोविंद सिंह डोटासरा, अशोक गहलोत और सचिन पायलट समेत कई नेता मौजूद रहे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एयरपोर्ट पहुंचे थे। जैसे ही वे एयरपोर्ट लाउंज से बाहर निकले और अपने वाहन की ओर बढ़े, कार्यकर्ता उनके करीब पहुंचने लगे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और कार्यकर्ताओं को पीछे हटाया गया। भारी भीड़ के कारण राहुल गांधी के काफिले को एयरपोर्ट से बाहर निकालने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ी।

एयरपोर्ट से राहुल गांधी स्टेशन रोड स्थित एक निजी होटल पहुंचे, जहां उन्होंने चुनिंदा छात्रों से मुलाकात और चर्चा की। इसके बाद उनका मुख्य कार्यक्रम दशहरा मैदान में आयोजित 'छात्रों की गूंज' संवाद कार्यक्रम है। आयोजकों के अनुसार इस कार्यक्रम में केवल छात्रों को प्रवेश दिया गया है, जबकि राजनीतिक कार्यकर्ताओं को शामिल नहीं किया जाएगा।

कोटा पहुंचने से पहले राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने हाल ही में नीट पुनर्परीक्षा के दबाव में कथित रूप से जान गंवाने वाले दो छात्रों—उमेश और रिया—का उल्लेख करते हुए कहा कि ये मौतें केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि एक ‟टूटी हुई और भ्रष्ट व्यवस्था” का परिणाम हैं। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक, कुप्रबंधन और अनियमितताओं के बावजूद छात्रों के हितों की पर्याप्त रक्षा नहीं की गई। उन्होंने कहा कि युवाओं के सपनों को बचाने और शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष की आवश्यकता है।

नागपुर धर्मांतरण मामला : फरार मौलाना की तलाश जारी, छिंदवाड़ा से खाली हाथ लौटी पुलिस

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में भारतीय वायुसेना के जवान की 24 वर्षीय पत्नी के साथ हुए धर्मांतरण और अत्याचार के मामले में तीसरा आरोपी मौलाना अब भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। मौलना को गिरफ्तार करने मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के तामिया गई नागपुर पुलिस की टीम खाली हाथ लौट आई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मौलाना की गिरफ्तारी और धर्मांतरण का वीडियो बनाने वाली महिला के बयान से मामले की सच्चाई सामने आने की उम्मीद है। पुलिस इस महिला का बयान भी जल्द दर्ज करेगी, जो पूछताछ के लिए बुलाने पर उपस्थित नहीं हुई थी।

पीड़िता की शिकायत के अनुसार, वायुसेना जवान की पत्नी, जो प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करती है, को फरवरी 2024 में उसके पुराने सहपाठी अय्याज ने प्लॉट खरीदने के बहाने संपर्क किया था। इसके बाद महिला को वर्धा रोड के एक होटल में नशीला जूस पिलाकर दुष्कर्म किया और आपत्तिजनक वीडियो व तस्वीरें बना ली गईं। इन्हीं वीडियो के आधार पर अय्याज लंबे समय तक उसका यौन शोषण करता रहा और ब्लैकमेल करके लाखों रुपये भी ऐंठ लिए।

आरोप है कि उस पर लगातार मुस्लिम धर्म अपनाने का दबाव डाला और कई धार्मिक प्रक्रियाएं व अनुष्ठान भी करवाए गए। इस दौरान एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी महिला के साथ कलमा पढ़ते और फूंक मारते दिख रहा है। 31 मई को नागपुर के कलमेश्वर इलाके में ले जाकर आमीन शेख और मौलाना से मिलवाया गया, जहां सुनसान जगह पर कुछ अनुष्ठानों के बाद उसके धर्म परिवर्तन का दावा किया गया।

यह मामला तब उजागर हुआ जब पीड़िता के पति ड्यूटी से घर लौटे और पत्नी ने उन्हें पूरी घटना बता दी। इसके बाद सोनगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने दुष्कर्म, जबरन वसूली, धर्मांतरण के प्रयास और महाराष्ट्र अंधश्रद्धा एवं काला जादू प्रतिषेध कानून की धाराओं के तहत अय्याज ताज मदर और अमीन शेख को गिरफ्तार किया है, जबकि मौलाना की तलाश जारी है।

ट्रंप से मुलाकात में प्रधानमंत्री मोदी ने उठाया भारतीय नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के रिश्तों के बीच हाल के दिनों में पैदा हुए तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई मुलाकात में भारतीय नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। फ्रांस में आयोजित शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और समुद्री कर्मचारियों के संरक्षण पर विशेष जोर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के कारण न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है, बल्कि कई निर्दोष लोगों की जान भी गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों की भी मौत हुई है और समुद्री व्यापार से जुड़े नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना पूरी दुनिया की साझा जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री ने सुरक्षित समुद्री मार्गों और निर्बाध व्यापार की आवश्यकता पर बल दिया।

यह मुद्दा ऐसे समय में उठा है जब हाल ही में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में तीन भारतीय नाविकों की मौत को लेकर भारत में राजनीतिक और कूटनीतिक चर्चा तेज रही है। विपक्षी दल भी इस मामले को लेकर सरकार से जवाब मांग रहे हैं।

लीना पॉलोस की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली सरकार को नोटिस

नई दिल्ली, । देश के चर्चित ठगी मामलों में से एक, 200 करोड़ के सुकेश चंद्रशेखर वसूली मामले में, आरोपी लीना मारिया पॉलोस को सुप्रीम कोर्ट से आंशिक राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने उनकी जमानत याचिका पर दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर 27 जुलाई तक जवाब देने को कहा है। यह घटनाक्रम तब आया है जब यह मामला फिर सुर्खियों में है और कानूनी दांव-पेच जारी हैं।

पॉलोस, जो कथित ठग सुकेश की पत्नी हैं, ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है जिसमें उनकी जमानत याचिका खारिज की गई थी। सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय बेंच, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम.पंचोली शामिल हैं, ने मामले को सुनवाई के लिए स्वीकार कर दिल्ली सरकार से अपना पक्ष रखने को कहा है। यह मामला कथित तौर पर संगठित अपराध और अवैध धन के बड़े नेटवर्क से जुड़ा है, इसके तहत सुकेश पर कई प्रभावशाली लोगों को निशाना बनाकर करोड़ों की ठगी करने का आरोप है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 5 मई को पॉलोस की जमानत याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया था कि मामले की गंभीरता और उपलब्ध साक्ष्यों को देखकर उन्हें जमानत नहीं मिल सकती है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम) के तहत केस दर्ज किया है, जो इस मामले को और भी गंभीर बनाता है। हालांकि, उल्लेखनीय है कि उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन मामले में पहले ही जमानत मिल चुकी है, लेकिन मकोका से जुड़े मामलों में अभी तक राहत नहीं मिली थी।

अब सुप्रीम कोर्ट में 27 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई बेहद अहम है। अदालत दिल्ली सरकार का जवाब सुनने के बाद यह तय करेगी कि लीना मारिया पॉलोस को मकोका मामले में जमानत दी जाए या नहीं, जिससे इस बहुचर्चित ठगी मामले में एक नया मोड़ आ सकता है।

नीट मामले के असली दोषी बच निकले, 15 करोड़ यूजर्स को मिली सजा

-नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा से पहले सरकार ने 22 जून तक टेलीग्राम पर लगाया है अस्थायी प्रतिबंध

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले परीक्षा संबंधी फर्जी सूचनाओं और कथित नकल गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा टेलीग्राम पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को लेकर विवाद गहरा गया है। टेलीग्राम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पावेल ड्यूरोव ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा है कि कुछ लोगों की गलत हरकतों की सजा करोड़ों वैध उपयोगकर्ताओं को भुगतनी पड़ रही है।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सिफारिश पर 21 जून को होने वाली नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा को देखते हुए टेलीग्राम की सेवाओं को 22 जून तक अस्थायी रूप से निलंबित करने का निर्णय लिया है। इसके बाद गूगल ने अपने प्ले स्टोर से टेलीग्राम ऐप हटा दिया है, जबकि एप्पल द्वारा भी इसी प्रकार का कदम उठाए जाने की संभावना जताई जा रही है।

करोड़ों निर्दोष यूजर्स प्रभावित

सीईओ पावेल ड्यूरोव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, कि प्रश्नपत्र लीक या गोपनीय सामग्री साझा करने वाले कुछ लोगों के कारण पूरे प्लेटफॉर्म को बंद करना उचित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भारत में टेलीग्राम के 15 करोड़ से अधिक सामान्य और वैध उपयोगकर्ता हैं, जो इस फैसले से प्रभावित हुए हैं, जबकि वास्तविक दोषी वे लोग हैं जिन्होंने परीक्षा से जुड़ी सामग्री का दुरुपयोग किया।

प्रतिबंध से नहीं रुकी लीक की गतिविधियां

ड्यूरोव के अनुसार, टेलीग्राम पर रोक लगाने से कथित प्रश्नपत्र लीक या गलत सूचना फैलाने वाली गतिविधियां समाप्त नहीं हुई हैं। उनका कहना है कि ऐसे लोग केवल दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने तर्क दिया कि समस्या की जड़ तक पहुंचने के बजाय पूरे मंच को बंद करना प्रभावी समाधान नहीं माना जा सकता। उन्होंने यह भी बताया कि टेलीग्राम ने परीक्षा सामग्री लीक और फर्जीवाड़े से जुड़े सैकड़ों चैनलों को हटाने की कार्रवाई की है। साथ ही प्लेटफॉर्म पर संदेशों में संशोधन की पहचान को और स्पष्ट बनाने के लिए ‟एडिटेड” टैग को मजबूत करने पर काम किया जा रहा है, ताकि बाद में संदेशों में बदलाव कर भ्रामक दावे करने जैसी गतिविधियों को रोका जा सके।

बंगाल में टीएमसी के पूर्व मंत्री उदयन गुहा गिरफ्तार, पुरानी सियासी अटकलें तेज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा एक्शन देखने को मिला, जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व मंत्री उदयन गुहा को कूचबिहार जिले से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने हालांकि अभी तक उनकी गिरफ्तारी की वजह सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन घटना ने पिछले साल की बड़ी राजनीतिक बहस को फिर से हवा दे दी है। दरअसल, बीते साल सितंबर में बंगाल विधानसभा में विपक्ष के तत्कालीन नेता सुवेंदु अधिकारी ने राज्य पुलिस पर आरोप लगाया था कि वे गुहा को एक मामले में बचाने की कोशिश कर रहे हैं। यह मामला कूचबिहार जिले में अधिकारी के काफिले पर हुए कथित हमले से जुड़ा था। विपक्ष के तत्कालीन नेता अधिकारी ने रिट याचिका के जरिए कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि पुलिस ने उनकी शिकायत को नजरअंदाज किया, जिसमें गुहा को मुख्य आरोपी बताया था, और इसके बजाय अपनी ही एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की जिसमें मंत्री का नाम शामिल नहीं था। अधिकारी ने तब दावा किया था कि उनकी शिकायत किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा करती है। इस पर जस्टिस अनिरुद्ध रॉय की बेंच ने सुनवाई कर उत्तरी बंगाल के आईजी से स्पष्टीकरण मांगा था कि पुलिस ने अधिकारी की शिकायत पर एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की और क्या पुलिस की स्वत: संज्ञान वाली और अधिकारी की एफआईआर एक ही थीं।

तख्तापलट के बाद भरवेली पंचायत को मिली नई सरपंच

श्रीमती उर्मिला मालेश चुनी गई निर्विरोध सरपंच,कहा विकाश कार्य होंगी पहली प्राथमिकता

पद ग्रहण करने बाद गांव में निकाली रैली, फटाखे फोड़कर बांटी मिठाई

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जनपद पंचायत बालाघाट अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भरवेली में सरपंच पद को लेकर चले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद आखिरकार पंचायत को नया नेतृत्व मिल गया है। बुधवार को आयोजित विशेष सम्मेलन में श्रीमती उर्मिला मालेश को सर्वसम्मति से ग्राम पंचायत भरवेली का नया सरपंच निर्वाचित घोषित किया गया। खास बात यह रही कि सरपंच पद के लिए केवल उर्मिला मालेश का ही नाम सामने आया,जिस पर पंचायत के सभी 20 पंचों ने सहमति जताई और उन्हें निर्विरोध सरपंच चुन लिया गया।निर्वाचन की यह पूरी प्रक्रिया जनपद पंचायत समन्वयक अधिकारी श्रीवास्तरी नेतृत्व में संपन्न हुई। इस दौरान पीसीओ और सचिव दिलीप मोहबे सहित पंचायत के अन्य कर्मचारी भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

18-1 से सरपंच गीता अनिल बिसेन की गई थी कुर्सी

ज्ञात हो कि 4 जून को हुए अविश्वास प्रस्ताव में तत्कालीन सरपंच गीता अनिल बिसेन को पद से हटा दिया गया था। अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 18 वोट पड़े थे, जबकि गीता बिसेन को केवल अपना ही वोट मिला था। इसके बाद से पंचायत में नए सरपंच के चयन को लेकर चर्चाओं का दौर जारी था। अंततः सभी पंचों ने एकमत होकर उर्मिला मालेश के नाम पर सहमति जताई।

अविश्वास प्रस्ताव के बाद बदला पंचायत का नेतृत्व

ज्ञात हो कि भरवेली पंचायत में बीते कुछ समय से सरपंच और पंचों के बीच मतभेद की स्थिति बनी हुई थी। इसी के चलते 4 जून को अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, जिसमें तत्कालीन सरपंच गीता बिसेन बहुमत साबित नहीं कर सकीं और उन्हें पद से हटना पड़ा। इसके बाद रिक्त हुए पद पर नए सरपंच के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू की गई, जिसका समापन उर्मिला मालेश के निर्विरोध निर्वाचन के साथ हुआ।अब ग्रामीणों की निगाहें नई पंचायत नेतृत्व पर टिकी हैं और उम्मीद की जा रही है कि पंचायत में रुके हुए विकास कार्यों को गति मिलेगी तथा जनहित के मुद्दों का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

विजय रैली में दिखा उत्सव जैसा माहौल

सरपंच पद पर निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा होते ही भरवेली में उत्सव जैसा माहौल बन गया। पंचायत भवन के बाहर समर्थकों ने आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।इसके बाद नवनिर्वाचित सरपंच उर्मिला मालेश के नेतृत्व में गांव में विजय रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण, पंच एवं समर्थक शामिल हुए।रैली के दौरान लोगों ने नई सरपंच के समर्थन में नारे लगाए और पंचायत में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई।

विकास कार्यों को मिलेगी गति- उर्मिला मालेश

निर्विरोध सरपंच चुने जाने के बाद उर्मिला मालेश ने पंचायत के सभी पंचों और ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। गांव के अधूरे विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।उन्होंने कहा कि पंचायत में सभी पंचों को साथ लेकर विकास की नई दिशा तय की जाएगी और ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से किया जाएगा।

मायल प्रबन्धक से हो चुकी है चर्चा, मिलेगा भरपूर सहयोग-अमीन खान

वार्ड नं 10 पंच अमीन खान ने बताया कि हमारी प्राथमिकता विकाश कार्यो की है।बरसात को देखते हुए साफ सफाई, पानी निकासी की व्यवस्था बनाई जाएगी।अभी हमारा पूरा फोकस व्यवस्थाओं को बनाने में है।विकाश कार्यो के लिए मायल प्रबन्धक से बात हो चुकी है।उन्होंने विकाश कार्यो के लिए भरपूर सहयोग देने की बात कही है।

पूर्व कार्यकाल का होगा हिसाब-किताब- मालती शाहू

नवनिर्वाचित सरपंच के समर्थन में मौजूद पंच मालती शाहू ने बताया कि पंचायत में हुए कार्यों और खर्चों की पूरी समीक्षा की जाएगी। पूर्व सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन के कार्यकाल में हुए प्रत्येक कार्य का लेखा-जोखा जांच कर प्रत्येक काम का हिसाब लिया जाएगा। यदि कहीं भी अनियमितता व भृष्टाचार पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को अवगत कराया जाएगा।उन्होंने आगे बताया कि पंचायत की जनता ने बदलाव के लिए जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरना नई टीम की जिम्मेदारी है।

सभी 20 पंच,सरपंच है,1 साल के भीतर बदलेगी भरवेली की तस्वीर-राजेश बाहेश्वर

उपसरपंच राजेश बाहेश्वर ने बताया कि आज नई सरपंच का चुनाव कर लिया गया है, सभी 20 पंचों ने श्रीमती उर्मिला मालिश को अपना समर्थन दिया है सभी वार्डो का संपूर्ण विकास किया जाएगा जो मूलभूत सुविधाओं से ग्रामीण वंचित थे उन्हें मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जाएगी। अब एक सरपंच नहीं बल्कि सभी 20 पंच, इस गांव के सरपंच हैं गांव का संपूर्ण विकास होगा और 1 वर्ष के भीतर भरवेली की तस्वीर बदली हुई नजर आएगी।

सांसद भारती पारधी 18 जून को सिवनी जिले के प्रवास पर रहेंगी

जिला स्तरीय बैठकों एवं विभिन्न कार्यक्रमों में लेंगी भाग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 18 जून 2026 को सिवनी जिले के प्रवास पर रहेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे प्रातः

8:30 बजे सिवनी के लिए प्रस्थान करेंगी। इसके बाद दिनभर विभिन्न शासकीय बैठकों एवं सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होंगी। निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार सांसद श्रीमती पारधी प्रातः 10 बजे जिला पंचायत कार्यालय सिवनी में आयोजित जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में भाग लेंगी। इसके पश्चात दोपहर 2:00 बजे जिला पंचायत कार्यालय सिवनी में जल एवं स्वच्छता मिशन (छछुस्रू) की बैठक में शामिल होंगी। सांसद श्रीमती पारधी दोपहर 03 बजे सिवनी के ग्रैंड अरोहा लॉन, लुगरवाड़ा में पवन दिवाकर के पारिवारिक कार्यक्रम में सहभागिता करेंगी। इसके बाद दोपहर 3:30 बजे समृद्धि लॉन, सिवनी में भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला उइके के पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होंगी। सांसद श्रीमती पारधी शाम 5:00 बजे नैतरा (लालबर्रा) में कुमार राइस इंडस्ट्रीज के उष्णा प्लांट के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगी।

दुकान खाली कराने के विवाद में छोटे भाई ने जीजा के साथ बड़े भाई से की मारपीट- जान से मारने की दी धमकी

जीजा साले के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी में दुकान खाली कराने को लेकर हुए पारिवारिक विवाद में छोटे भाई ने अपने जीजा के साथ मिलकर बड़े भाई से मारपीट कर दी। मारपीट में घायल श्याम रतन पिता कलीराम लिल्हारे 32 वर्ष ग्राम सावरी निवासी का इलाज खैरलांजी के अस्पताल में किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्याम रतन लिल्हारे ग्राम सावरी का निवासी है। खैरलांजी में उसकी बेकरी की दुकान है। इसी दुकान को लेकर श्याम रतन का अपने छोटे भाई रूपरतन लिल्हारे से लंबे समय से विवाद चल रहा है। रूपरतन दुकान खाली करवाना चाहता है।15 जून की रात करीब 9 बजे श्याम रतन अपनी दुकान पर काम कर रहा था। तभी उसका छोटा भाई रूपरतन और जीजा मनोहर शिवहरे निवासी खैरलांजी दुकान पर पहुंचे। दोनों ने दुकान पर अपना हक जताते हुए श्याम रतन को दुकान खाली करने को कहा। मना करने पर दोनों ने अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया। जब श्याम रतन ने गालियां देने से मना किया तो रूपरतन और मनोहर ने आवेश में आकर उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी। श्याम रतन की आंख, पीठ और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं।झगड़ा होते देख रामकुमार नगपुरे और छोटू नगपुरे मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। आरोप है कि जाते-जाते दोनों आरोपियों ने श्याम रतन को दुकान खाली न करने पर जान से मारने की धमकी भी दे दी। मारपीट के बाद घायल श्याम रतन ने खैरलांजी थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने पहले श्याम रतन का खैरलांजी अस्पताल में इलाज और मेडिकल कराया। इसके बाद रूपरतन पिता कलीराम लिल्हारे, ग्राम सावरी, और मनोहर पिता फेकन लाल शिवहरे, ग्राम खैरलांजी, के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर एक राय होकर अश्लील गालियां देने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। खैरलांजी पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0023/ड-154/2026-27
मौजा नयाटोला, रा.नि.मं. खमरिया

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेन्द्र पटले पिता ठाकुरप्रसाद पटले जाति पंवार, निवासी ग्राम नयाटोला, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा नयाटोला, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने दादाजी गेंदलाल पिता जीवनलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 02.10.2006 मृत्यु स्थल ग्राम नयाटोला के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 24.06.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 18.06.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

गर्रा ओवरब्रिज लोकार्पण पर विधायक अनुभा मुंजारे का हमला, लगाया प्रोटोकॉल उल्लंघन और राजनीतिक साजिश का आरोप

कहा- जानबूझकर ऐसी तिथि चुनी गई कि मैं शामिल न हो सकूं, फुटपाथ निर्माण नहीं होने पर भी उठाए सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में हाल ही में हुए गर्रा रेलवे ओवरब्रिज के लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर भाजपा जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ओवरब्रिज के लोकार्पण की तिथि जानबूझकर इस प्रकार निर्धारित की गई थी कि वे कार्यक्रम में उपस्थित न हो सकें। विधायक अनुभा मुंजारे ने बताया कि इस संबंध में

उन्होंने जिले के प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से भी चर्चा की थी। उनके अनुसार प्रभारी मंत्री ने उन्हें बताया कि कार्यक्रम की तिथि निर्धारण को लेकर उन्हें भी पूर्व जानकारी नहीं थी। विधायक ने आरोप लगाया कि जिले के जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा कर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। प्रेस वार्ता के दौरान विधायक ने ओवरब्रिज निर्माण की अधूरे कार्यों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी को पूरे ओवरब्रिज पर पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए फुटपाथ का निर्माण करना था, लेकिन यह कार्य पूर्ण नहीं किया गया। उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि इससे पैदल चलने वाले लोगों को भविष्य में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। विधायक ने कहा कि जनता की सुविधा से जुड़े इस मुद्दे को वे विधानसभा में भी उठाएंगी और निर्माण कार्य से संबंधित सभी तथ्यों को सरकार के समक्ष रखेंगी। हाल ही में लोकार्पित किए गए गर्रा रेलवे ओवरब्रिज को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले ओवरब्रिज के नामकरण को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चाएं और विवाद सामने आए थे, वहीं अब लोकार्पण कार्यक्रम में स्थानीय विधायक को आमंत्रित नहीं किए जाने का मुद्दा भी गरमा गया है। 17 जून को बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता आयोजित कर जिला प्रशासन और भाजपा जनप्रतिनिधियों पर गंभीर आरोप लगाए। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि लोकार्पण कार्यक्रम की तिथि जानबूझकर इस प्रकार निर्धारित की गई, ताकि वे उसमें शामिल न हो सकें। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान वह पार्टी के पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के चलते जिले से बाहर थीं। उनका आरोप है कि भाजपा नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने सुनियोजित तरीके से उन्हें कार्यक्रम से अलग रखने की कोशिश की, जो लोकतांत्रिक परंपराओं और जनप्रतिनिधियों के अधिकारों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते उन्हें कार्यक्रम की जानकारी और उचित आमंत्रण मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने इस पूरे मामले को राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताते हुए कहा कि यह केवल उनका नहीं, बल्कि बालाघाट की जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि के सम्मान का भी प्रश्न है। प्रेस वार्ता के दौरान विधायक मुंजारे ने बताया कि इस विषय को लेकर उन्होंने जिले के प्रभारी मंत्री एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से भी चर्चा की थी। उनके अनुसार प्रभारी मंत्री ने स्वयं कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि स्थानीय विधायक को कार्यक्रम से अलग रखा गया है। विधायक ने दावा किया कि इससे स्पष्ट होता है कि कुछ स्थानीय स्तर पर निर्णय लेकर उन्हें कार्यक्रम से दूर रखने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि स्वीकृत ड्राइंग और डिजाइन के अनुसार पुल पर फुटपाथ का निर्माण अंतिम छोर तक किया जाना था, लेकिन निर्माण एजेंसी द्वारा निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में गंभीर लापरवाही बरती गई है और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों तथा तकनीकी कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि लोकार्पण से पहले उनकी प्रशासनिक अधिकारियों और संबंधित एसडीएम से चर्चा हुई थी। उस दौरान उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि जब तक निर्माण कार्य पूरी तरह पूर्ण नहीं हो जाता, तब तक लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाना चाहिए। इसके बावजूद अधूरे कार्य के बीच कार्यक्रम आयोजित कर दिया गया, जिससे यह संदेह और गहरा हो जाता है कि जल्दबाजी में राजनीतिक लाभ लेने के उद्देश्य से लोकार्पण किया गया। विधायक ने आरोप लगाया कि यदि पुल का कार्य पूरी तरह पूरा नहीं हुआ था तो जनता की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए पहले निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का श्रेय लेने की होड़ में गुणवत्ता और सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। प्रेस वार्ता में विधायक अनुभा मुंजारे ने जिला प्रशासन और स्थानीय भाजपा जनप्रतिनिधियों को पूरे घटनाक्रम के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह सब कुछ योजनाबद्ध तरीके से किया गया है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल का पालन होना चाहिए और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। गर्रा ओवरब्रिज के लोकार्पण को लेकर उठे इन आरोपों के बाद राजनीतिक माहौल एक बार फिर गर्मा गया है।

किरनापुर में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति स्थापना हेतु किया गया भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। छत्रपति कुनबी समाज किरनापुर, के तत्वाधान में निर्धारित कार्यक्रम अनुसार आज 17 जून 2026 को राजमाता

जीजाबाई की पुण्यतिथि के अवसर पर नवीन गुजरी चौक किरनापुर में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति स्थापना का भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए आयोजन समिति के सचिव अरविंद कोरे ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच धर्मकला भाई जे पी रामटेके, उपसरपंच रोशनी उपाध्याय, ललिता बाई, जयप्रकाश रामटेके,अंकुश पचभैया,उमेश भूते, रेखा भूते की गरीमामय उपस्थिति रही।भूमिपूजन कार्यक्रम में छत्रपति कुनबी समाज, किरनापुर से सर्व श्री दुलीराम हुकरे, डा. नन्हे बहेकार, काशीराम रावते, सुखदेव भंडारकर, डुलेश बोहरे, संदीप भूते, अनिल हाथीमारे, ज्ञानीराम बोहरे, नवप्रकाश हुकरे, चिंटू बोहरे, नितेश बोहरे ,ओमकार कुथे, सखाराम भूते, सुलोचना हाथीमारे,सरिता जोशी, शशिकला हुकरे, अमीता ठकरे सहित बड़ी संख्या में गणमान्य जनों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

कार्यालय सहायक संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश

जिला कार्यालय बालाघाट (म.प्र.)
क्रमांक BTCLP11062625797/ दिनांक / 17/JUN/2026

क्र./2036 | दिनांक 17/JUN/2026

म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 29(3) सहपठित म.प्र. भूमि विकास नियम, 2012 के नियम 14(3) के अधीन दी गई अनुज्ञा में उपातंरण की दशा में आपत्तियों आमंत्रित करने हेतु

जनसामान्य की जानकारी हेतु एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/मेसर्स (RAJA BAFNA)-SHRI RAJA BAFNA S/O SHRI YOGESH BAFNA द्वारा नीचे दिये गये अभिन्यास में उपांतरण हेतु आवेदन किया है:-

(क) **परियोजना का नाम:**-AKSHAT HEALTH CARE

(ख) अवस्थिति (अवस्थिति/ग्राम का नाम एवं खसरा क्रमांक):- पूर्व स्वीकृत ग्राम Balaghat (m) तहसील Balaghat व जिला Balaghat की भूमि सर्वे क्रमांक / खसरा क्रमांक 143/1/2 कुल रकबा 0.1475 हेक्टेयर भूमि पर COMMERCIAL , NURSING HOME विकास हेतु अनुमोदित अभिन्यास में संशोधित अभिन्यास का अनुमोदन चाहा गया है।

(ग) **विकास का प्रयोजन:**-COMMERCIAL , NURSING HOME

(घ) **स्वीकृति क्रमांक** BTCLP15102435047 दिनांक 2024-11-23

पूर्व स्वीकृत अभिन्यास में यदि उपांतरण किया जाता है, तो उससे परियोजना से जुड़े व्यक्ति/संस्था के हित प्रभावित होने की संभावना है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति,उपांतरणों से संबंधित अपनी आपत्ति या सुझाव,इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में अथवा https://alpass.mp.gov.in/Web/Objection.aspx?RefApp=21FfTt08NB2036 पर प्रस्तुत कर सकेगा। पूर्व स्वीकृत अभिन्यास के ब्यौरे तथा प्रस्तावित उपांतरित अभिन्यास का निरीक्षण हितबतद्ध व्यक्ति द्वारा, उपरोक्त कार्यालय में कार्यालयीन समय के दौरान अथवा website https://alpass.mp.gov.in/Web/uLogin.aspx पर किया जा सकता है।

सहायक संचालक
नगर तथा ग्राम निवेश
जिला बालाघाट(म.प्र.)

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई . की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

आवश्यकता है
एकार्ड मोटर्स, महिन्द्रा शोरूम बालाघाट में सेल्स कंसल्टेंट के पदों के लिये आवश्यकता है
सैलरी-अनुभव एवं योग्यतानुसार
इच्छुक व्यक्ति जानकारी व साक्षात्कार (इंटरव्यू) के लिए संपर्क करें
मो.9425818191
8518888607

आवश्यकता है
एन.जी.ओ. में स्वास्थ्य एवं सामाजिक कार्य तथा होम वैलनेस सेंटर सर्वे कार्य करने हेतु बालाघाट, सिवनी, मण्डला तथा छिंदवाड़ा जिलों में कार्य करने हेतु युवक/युवतियों की आवश्यकता है
पात्रता- BSW/MSW
मासिक वेतन- 9000/-मो. रिचार्ज
संपर्क-श्रीधाम वैलनेस फाउंडेशन समिति (रजि.)
सहयोगी संस्था-अनुश्री सेवा संस्थान
मोबाईल नम्बर-9752109010
9340299285
हमारा पता-
कार्यालय-श्रीधाम हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च
भटेरा रोड़ बालाघाट (म.प्र.)481001

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

राजा भोज के नाम पर ओबीसी लाभ लेने वालों के जाति प्रमाण-पत्रों की हो जांच- किशोर समरीते

राजा भोज के सम्मान के साथ स्थानीय महापुरुषों को भी याद करे बालाघाट, केंद्र व राज्य सरकार को संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भेजा पत्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर समरीते ने केंद्र सरकार के पिछड़ा वर्ग मंत्रालय एवं मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव को पत्र प्रेषित कर राजा भोज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उनके सामाजिक वर्ग और बालाघाट क्षेत्र से उनके संबंधों को लेकर जांच एवं स्पष्टीकरण की मांग की है। श्री समरीते ने अपने पत्र में कहा है कि ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार राजा भोज मालवा क्षेत्र के परमार वंश के शासक थे तथा उनका संबंध क्षत्रिय वर्ण से था। उन्होंने कहा कि राजा भोज का संबंध न तो सीपी एंड बरार क्षेत्र से था और न ही विदर्भ क्षेत्र से। ऐसे में राजा भोज की विरासत के आधार पर पिछड़ा वर्ग की पहचान स्थापित करने अथवा शासकीय लाभ प्राप्त करने के दावों की वैधानिक समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि बालाघाट जिले सहित प्रदेश के उन सभी मामलों की जांच कराई जाए, जहां राजा भोज को अपना आदर्श बताने वाले व्यक्तियों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। यदि किसी स्तर पर ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत दावे कर लाभ लिया जा रहा हो तो संबंधित जाति प्रमाण-पत्रों की विधिसम्मत जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। श्री समरीते ने कहा कि परमार वंश के अनेक राजपूत परिवार बालाघाट जिले में निवासरत हैं, जिन्हें किसी प्रकार की पिछड़ा वर्ग संबंधी सुविधा प्राप्त नहीं होती। इसलिए इस विषय में उत्पन्न भ्रम और विवाद का समाधान तथ्यों एवं अभिलेखों के आधार पर किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राजा भोज भारत के महान, न्यायप्रिय एवं लोककल्याणकारी शासकों में से एक थे और उनका सम्मान पूरे देश को करना चाहिए। किंतु बालाघाट जिले के इतिहास और विकास में योगदान देने वाले स्थानीय महापुरुषों को भी समान सम्मान मिलना चाहिए। श्री समरीते ने कहा कि बालाघाट क्षेत्र के विकास में दानवीर दीवान बहादुर मुलना का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, लेकिन समय के साथ उनके कार्यों को भुला दिया गया है। इसी प्रकार रामबाबू नगपुरे ने मोतीतालाब सहित अनेक संपत्तियां समाजहित में दान की थीं, किंतु उनके योगदान को भी अपेक्षित पहचान नहीं मिल सकी है। उन्होंने कहा कि बालाघाट के लोगों को राजा भोज का सम्मान अवश्य करना चाहिए, क्योंकि वे भारतीय इतिहास के महान शासकों में से एक थे। लेकिन साथ ही जिले के उन महापुरुषों को भी याद रखा जाना चाहिए जिन्होंने सीधे तौर पर बालाघाट के विकास, समाजसेवा और जनकल्याण में अपना योगदान दिया। विशेष रूप से दानवीर दीवान बहादुर मुलना एवं रामबाबू नगपुरे जैसे व्यक्तित्वों के कार्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है, ताकि स्थानीय इतिहास और समाज के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ सके।

वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए मैकेनिक नगर पर संकट, विधायक अनुभा मुंजारे बोलीं- गरीबों की रोजी-रोटी नहीं छिनने देंगे

ट्रीटमेंट प्लांट विस्तार से आधे मैकेनिक नगर पर मंडराया विस्थापन का खतरा, नोटिस वितरण पर भड़की विधायक

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने शहर के मैकेनिक नगर का निरीक्षण कर वहां के मैकेनिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने नगर पालिका द्वारा प्रस्तावित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए मैकेनिक नगर की जमीन लिए जाने की प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए प्रशासन और नगर पालिका की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए। विधायक ने बताया कि मैकेनिक नगर के कई मैकेनिकों ने उनसे शिकायत की थी कि नगर पालिका समता तालाब के लिए वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कर रही है, जिसके लिए मैकेनिक नगर की बड़ी हिस्से की जमीन अधिग्रहित करने और वहां वर्षों से व्यवसाय कर रहे लोगों को हटाने की बात कही जा रही है। शिकायत मिलने के बाद उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि मैकेनिक नगर में वर्षों पहले तत्कालीन कलेक्टर द्वारा मैकेनिकों को व्यवस्थित रूप से जमीन आवंटित की गई थी, ताकि वे अपना रोजगार संचालित कर सकें। उन्होंने कहा कि जब प्रशासन स्वयं जमीन आवंटित कर चुका है तो अब उन्हीं लोगों को शासकीय भूमि पर अतिक्रमणकारी बताकर नोटिस जारी करना उचित नहीं है।

शहर के समता तालाब के समीप प्रस्तावित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर अब नया विवाद खड़ा हो गया है। नगर पालिका द्वारा रैन बसेरा के सामने कोने में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कराया जा रहा है, जिसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी पूरी की जा चुकी है। हालांकि निर्माण के दौरान भूमि संबंधी बाधाएं सामने आने लगी हैं। बताया जा रहा है कि जिस भूमि पर प्लांट का विस्तार प्रस्तावित है, उसमें वन विभाग की भूमि भी शामिल है। वन विभाग द्वारा अपनी भूमि बताते हुए एनओसी देने से इंकार किए जाने के बाद अब नगर पालिका ने प्लांट का विस्तार मैकेनिक नगर की ओर करने की तैयारी शुरू कर दी है। नगर पालिका की इस योजना से मैकेनिक नगर में वर्षों से व्यवसाय कर रहे मैकेनिकों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रस्तावित विस्तार के कारण मैकेनिक नगर का बड़ा हिस्सा प्रभावित होगा और आधे से अधिक दुकानों के विस्थापन की स्थिति बन सकती है। पहले नगर पालिका द्वारा निरीक्षण के दौरान केवल दो से चार दुकानों को हटाने की बात कही गई थी, लेकिन बाद में पूरे क्षेत्र को चिन्हित किए जाने से मैकेनिक व्यवसायियों में आक्रोश फैल गया। इसी समस्या को लेकर मैकेनिक नगर के व्यवसायी बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे से मिले और उन्हें पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद विधायक 17 जून को अपने समर्थकों के साथ मैकेनिक नगर पहुंचीं और मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मैकेनिक व्यवसायियों ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व तत्कालीन कलेक्टर दीपक आर्य द्वारा कालीपुतली क्षेत्र की सड़क किनारे संचालित दुकानों को हटाकर उन्हें व्यवस्थित रूप से मैकेनिक नगर में बसाया गया था। उस समय व्यवसायियों को भूमि आवंटित कर स्थायी रूप से काम करने की व्यवस्था दी गई थी। व्यवसायियों का कहना है कि अब नगर पालिका उन्हीं दुकानों को हटाने की तैयारी कर रही है, जिससे उनके सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। इस पर विधायक अनुभा मुंजारे ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि जिन लोगों को प्रशासन ने स्वयं बसाया और भूमि आवंटित की, उन्हें आज अतिक्रमणकारी बताना पूरी तरह अनुचित है। विधायक ने कहा कि एक ओर मेहनतकश मैकेनिक अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए ईमानदारी से व्यवसाय कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें उजाड़ने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि भूमि का आवंटन प्रशासन द्वारा किया गया था तो फिर नगर पालिका किस आधार पर उन्हें अतिक्रमणकारी घोषित कर रही है। निरीक्षण के कुछ समय बाद ही नगर पालिका द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का हवाला देते हुए नोटिस वितरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई। बताया जा रहा है कि अवकाश के दिन एक दिन पुरानी तारीख वाले नोटिस व्यवसायियों को बांटे गए, जिससे विवाद और गहरा गया। नोटिस मिलने के बाद विधायक अनुभा मुंजारे ने नाराजगी जताई और मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उइके से दूरभाष पर चर्चा कर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। विधायक ने मैकेनिक व्यवसायियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे किसी भी स्थिति में अपनी दुकानें खाली न करें। उन्होंने कहा कि वह पूरी मजबूती के साथ मैकेनिक भाइयों के साथ खड़ी हैं और उनके रोजगार पर संकट नहीं आने देंगी। विधायक ने नगर पालिका की कार्रवाई को गरीबों के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि शहर में कई स्थानों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण मौजूद हैं, लेकिन कार्रवाई केवल गरीब और मेहनतकश लोगों पर की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमणों को नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि रोजी-रोटी कमाने वाले छोटे व्यवसायियों को हटाने की कोशिश की जा रही है। विधायक ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मैकेनिक नगर के व्यवसायियों को जबरन हटाने का प्रयास किया गया तो वह स्वयं उनके साथ धरने पर बैठेंगी और आंदोलन का नेतृत्व करेंगी।

3 वर्षीय मासूम के लिए देवदूत बने हेड कांस्टेबल मधुसूदन हरिनखेडे, सीपीआर देकर बचाई जान

वाटर पार्क के वाटर कूलर से लगा करंट, बेसुध हो गया था बच्चा, 15 मिनट की मशक्कत के बाद लौटी सांसें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसी भी पुलिसकर्मी की असली पहचान केवल अपराधियों पर कार्रवाई करने और कानून व्यवस्था संभालने से नहीं होती, बल्कि संकट की घड़ी में आम लोगों की मदद करने की उसकी तत्परता से भी होती है। बालाघाट जिला पुलिस बल में पदस्थ हेड कांस्टेबल मधुसूदन हरिनखेडे ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि पुलिस केवल सुरक्षा का ही नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का भी पर्याय है। अपने अवकाश के समय परिवार और मित्रों के साथ घूमने पहुंचे हेड कांस्टेबल मधुसूदन ने जिस तरह सूझबूझ, धैर्य और प्रशिक्षण का परिचय देते हुए एक 3 वर्षीय मासूम की जान बचाई, उसकी चर्चा अब पूरे जिले में हो रही है। घटना 16 जून की दोपहर की है। जिला मुख्यालय से लगभग 8 से 10 किलोमीटर दूर स्थित प्रसिद्ध केरा वाटर पार्क में रोजाना की तरह बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे हुए थे। बालाघाट ही नहीं, बल्कि पड़ोसी राज्यों महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से भी लोग यहां मनोरंजन के लिए आते हैं। इसी क्रम में महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के सालेकसा निवासी युवराज दशहरे भी अपने परिवार और 3 वर्षीय पुत्र के साथ वाटर पार्क घूमने पहुंचे थे। परिवार अभी वाटर पार्क के प्रवेश द्वार के पास ही था कि तभी खेलते-खेलते मासूम बच्चा वहां रखे वाटर कूलर के पास पहुंच गया। जैसे ही उसने वाटर कूलर को छूने की कोशिश की, उसे तेज करंट का झटका लगा। करंट का प्रभाव इतना गंभीर था कि बच्चा कुछ ही क्षणों में बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ा। अचानक हुई इस घटना से बच्चे के माता-पिता घबरा गए। आसपास मौजूद लोगों की भीड़ तो जमा हो गई, लेकिन किसी को समझ नहीं आ रहा था कि ऐसी स्थिति में तत्काल क्या किया जाए। मौके पर मौजूद लोग बच्चे को देखकर परेशान थे। कोई पानी छिड़कने की सलाह दे रहा था तो कोई अस्पताल ले जाने की बात कर रहा था, लेकिन बच्चे की हालत लगातार गंभीर बनी हुई थी। इसी बीच वहां मौजूद बालाघाट जिला पुलिस बल के हेड कांस्टेबल मधुसूदन हरिनखेडे ने स्थिति को समझा और बिना एक पल गंवाए बच्चे के पास पहुंचे। उन्होंने बच्चे की नाड़ी और सांसों की स्थिति का परीक्षण किया और तत्काल सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) देना शुरू कर दिया। हेड कांस्टेबल मधुसूदन ने लगभग 10 से 15 मिनट तक लगातार सीपीआर दिया। इस दौरान उन्होंने बच्चे के माता-पिता और आसपास मौजूद लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील की। उन्होंने सभी को भरोसा दिलाया कि घबराने की बजाय संयम रखना जरूरी है। लोगों ने भी उनकी बात मानी और उन्हें बिना किसी व्यवधान के अपना कार्य करने दिया। लगातार प्रयासों के बाद आखिरकार वह क्षण आया, जिसका सभी को इंतजार था। बच्चे के शरीर में हलचल हुई और उसे होश आने लगा। मासूम के होश में आते ही उसके माता-पिता की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली और हेड कांस्टेबल मधुसूदन हरिनखेडे के प्रति आभार व्यक्त किया। कई लोगों ने बालाघाट पुलिस और पुलिस अधीक्षक के समर्थन में जिंदाबाद के नारे भी लगाए। घटना के बाद वाटर पार्क प्रबंधन ने भी अपनी जिम्मेदारी स्वीकार की। प्रबंधन ने माना कि मानवीय भूल के कारण वाटर कूलर में करंट आ गया था, जिससे यह हादसा हुआ। उन्होंने तत्काल मदद के लिए आगे आते हुए बच्चे और उसके परिवार को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया। साथ ही हेड कांस्टेबल मधुसूदन हरिनखेडे द्वारा किए गए सराहनीय कार्य की प्रशंसा की और घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराए। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि हादसे के बाद वहां बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए थे। सभी मदद करना चाहते थे, लेकिन उस समय क्या करना चाहिए, यह किसी को समझ नहीं आ रहा था। ऐसे में केवल हेड कांस्टेबल मधुसूदन हरिनखेडे ने अपने प्रशिक्षण और अनुभव का उपयोग करते हुए स्थिति को संभाला और बच्चे को नया जीवन देने में सफल रहे। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि उस समय मधुसूदन हरिनखेडे वहां मौजूद नहीं होते, तो परिणाम बेहद दुखद हो सकते थे। लोगों ने कहा कि वह उस दिन मासूम बच्चे के लिए किसी देवदूत से कम नहीं थे। सबसे खास बात यह रही कि हेड कांस्टेबल मधुसूदन उस समय ड्यूटी पर नहीं थे। वे अपने मित्रों के साथ वाटर पार्क घूमने पहुंचे थे, लेकिन जैसे ही उन्होंने एक बच्चे को जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष करते देखा, उनके भीतर का पुलिसकर्मी और प्रशिक्षित रक्षक तुरंत जाग गया। उन्होंने बिना किसी औपचारिकता या पहचान की परवाह किए सीधे बच्चे की जान बचाने में जुट गए। बच्चे के पिता युवराज दशहरे ने भावुक होकर कहा कि उनके परिवार के लिए मधुसूदन हरिनखेडे किसी देवदूत से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब उनके बेटे को करंट लगा और वह बेसुध हो गया, तब पूरा परिवार सदमे में था। किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या किया जाए। ऐसे समय में मधुसूदन हरिनखेडे ने जिस तरह बच्चे को सीपीआर दिया और उसकी जान बचाई, उस उपकार को उनका परिवार जीवनभर नहीं भूल पाएगा। जब इस पूरे घटनाक्रम के बारे में हेड कांस्टेबल मधुसूदन हरिनखेडे से चर्चा की गई तो उन्होंने बेहद विनम्रता से कहा कि उन्होंने कोई विशेष कार्य नहीं किया है। उनके अनुसार उस समय उनकी पहली प्राथमिकता बच्चे के जीवन की रक्षा करना था। उन्होंने वही किया, जो पुलिस प्रशिक्षण के दौरान उन्हें सिखाया गया था। उनका कहना था कि यदि उनके प्रयासों से एक मासूम की जान बची है तो इससे बड़ी खुशी उनके लिए और कोई नहीं हो सकती।

कार्य मुक्त शिक्षकों से कॉपी जांचने का दबाव, व्यवसायिक शिक्षकों ने खोला मोर्चा

सर्विस ब्रेक, वेतन कटौती और अस्थायी नियुक्ति से नाराज वीटी शिक्षक बोले पहले बहाल करें, फिर कराए काम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्कूलों में विद्यार्थियों के कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित व्यवसायिक पाठ्यक्रमों की व्यवस्था इन दिनों जिले में एक नए विवाद के कारण चर्चा में है। बार-बार दिए जाने वाले सर्विस ब्रेक और कार्यमुक्ति की प्रक्रिया से नाराज व्यवसायिक शिक्षक (वीटी) अब खुलकर विरोध पर उतर आए हैं। शिक्षकों का कहना है कि एक ओर उन्हें सेवा से कार्यमुक्त कर दिया गया है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं से व्यवसायिक पाठ्यक्रम की पूरक परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कराने का दबाव बनाया जा रहा है। ऐसे में उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उन्हें लिखित रूप से बहाल नहीं किया जाता, तब तक वे उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य नहीं करेंगे। इस पूरे घटनाक्रम ने शिक्षा विभाग के सामने भी एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि यदि व्यवसायिक शिक्षक मूल्यांकन कार्य से इंकार कर देते हैं तो पूरक परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन आखिर कौन करेगा और परीक्षा परिणाम समय पर कैसे घोषित किए जाएंगे। वर्ष 2015 से प्रदेश के शासकीय स्कूलों में आईटी, सिक्योरिटी, ब्यूटी एंड वेलनेस, हेल्थ केयर, फिजिकल एजुकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर सहित विभिन्न व्यवसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन विषयों के अध्ययन-अध्यापन के लिए बीटेक, एमटेक और विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में पीजी डिप्लोमा प्राप्त युवाओं को ठेका कंपनी के माध्यम से नियुक्त किया गया था। इन शिक्षकों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी और व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य में कौशल आधारित क्षेत्रों में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। व्यवसायिक शिक्षकों का आरोप है कि वर्ष 2020 तक उनकी सेवाएं नियमित रूप से जारी रहीं, लेकिन वर्ष 2021 के बाद से हर साल उन्हें सर्विस ब्रेक के नाम पर कार्यमुक्त किया जाने लगा। कभी 10 दिन, कभी 20 दिन तो कभी कई महीनों तक उन्हें बिना काम और बिना वेतन के रखा जाता है। शिक्षकों का कहना है कि यह प्रक्रिया आज भी जारी है और 1 जून 2026 से एक बार फिर उन्हें कार्यमुक्त कर दिया गया है। शिक्षकों का कहना है कि जब वे वर्तमान में सेवा में ही नहीं हैं, तो फिर उनसे पूरक परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करवाना किस नियम और अधिकार के तहत उचित माना जा सकता है। उनका तर्क है कि यदि विभाग को मूल्यांकन कार्य करवाना है तो पहले उन्हें विधिवत लिखित आदेश जारी कर पुन: कार्य पर लिया जाए, ताकि वे वैधानिक रूप से जिम्मेदारी निभा सकें। व्यवसायिक शिक्षक तरुण बिसेन ने बताया कि कार्यमुक्ति के बाद किसी भी शासकीय कार्य को करना नियमसम्मत नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि शासन और प्रशासन मूल्यांकन कार्य करवाना चाहता है तो पहले कार्यमुक्ति आदेश निरस्त कर उन्हें सेवा में बहाल करे। अन्यथा वे किसी भी स्थिति में उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन नहीं करेंगे। वहीं शिक्षिका शारदा सोनेकर ने बताया कि व्यवसायिक शिक्षकों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर विद्यार्थियों को कौशल विकास से जोड़ने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं विद्यार्थियों को पढ़ाने वाले शिक्षकों का मानदेय कम कर दिया गया। वर्ष 2023 में मानदेय बढ़ाकर 22 हजार रुपये किया गया था, लेकिन महज तीन महीने बाद जनवरी 2024 से इसे घटाकर पुन: 20 हजार रुपये कर दिया गया। बढ़ती महंगाई के बीच वेतन कटौती से शिक्षकों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। जिला व्यवसायिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रकाश ठाकरे ने बताया कि अन्य राज्यों में व्यवसायिक शिक्षकों को बेहतर मानदेय और पूरे वर्ष नियमित सेवाएं प्रदान की जाती हैं। लेकिन मध्यप्रदेश में शिक्षकों को सर्विस ब्रेक के नाम पर कभी भी केवल व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से कार्यमुक्त कर दिया जाता है। उन्होंने इसे शिक्षकों के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो व्यवसायिक शिक्षक प्रदेशव्यापी आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक आत्मदाह जैसे कठोर कदम उठाने से भी पीछे नहीं हटेंगे। व्यवसायिक शिक्षकों का कहना है कि बार-बार मिलने वाले सर्विस ब्रेक से न केवल उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है, बल्कि विद्यार्थियों की पढ़ाई और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। उनका मानना है कि यदि सरकार वास्तव में कौशल आधारित शिक्षा को मजबूत बनाना चाहती है तो सबसे पहले व्यवसायिक शिक्षकों की सेवाओं को स्थायित्व प्रदान करना होगा।

रामपायली थाना क्षेत्र में खेत की बाड़ी तोड़ने के विवाद में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से मारपीट

दो महिला सहित तीन आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम नवेगांव तीन में खेत में बाड़ी लगाने के विवाद को लेकर एक महिला के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला सामने आया है। हमले में घायल 45 वर्षीय सुनीता पति नीलकमल दमाहे को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रामपायली पुलिस ने इस मामले में दो महिलाओं सहित तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवेगांव तीन निवासी सुनीता दमाहे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। उन्होंने अपने खेत में फसल सुरक्षा के लिए बाड़ी लगाई थी। 15 जून को दोपहर करीब 4:30 बजे खेत के पड़ोसी सुलोचना पटले, चम्मालाल पटले और डिलेश्वरी पटले सुनीता द्वारा लगाई गई बाड़ी को तोड़ रहे थे। सुनीता ने मौके पर पहुंचकर तीनों को बाड़ी तोड़ने से मना किया और पूछा कि तुम लोगों ने मेरे खेत की बाड़ी क्यों तोड़ दी सुनीता के यह कहते ही तीनों आवेश में आ गए। आरोप है कि तीनों ने सुनीता के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और फिर उसे जमीन पर पटककर हाथ-मुक्कों से पीटने लगे। मारपीट के दौरान आरोपियों ने सुनीता को बाड़ी हटाने से मना करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। हमले में सुनीता के सिर और चेहरे पर चोटें आई थी। बीच-बचाव के बाद घायल सुनीता अपने पति नीलकमल और बेटे प्रशांत दमाहे के साथ रामपायली थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने पहले सुनीता का स्थानीय अस्पताल में इलाज और मुलाहिजा कराये। इसके बाद परिजन उसे जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जहां उसका इलाज चल रहा है। रामपायली थाना पुलिस ने आरोपी सुलोचना पति सुखदेव पटले, चम्मालाल पिता नारायण पटले और डिलेश्वरी पिता सुखदेव पटले, सभी निवासी नवेगांव तीन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों पर एक राय होकर अश्लील गालियां देने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

सर्राटी नदी पुल के शेष भाग में सुरक्षा की दृष्टि से रेलिंग नही होने से दुर्घटना होने की बनी संभावना

नदी किनारे कचरे का अंबार, तेज हवाओं से दूषित होगा पानी, सफाई व सुरक्षा दीवार लगाने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के समीप से गुजरने वाली सर्राटी नदी इन दिनों प्रशासनिक उपेक्षा के चलते बदहाली और भारी खतरे का केंद्र बन चुकी है। बालाघाट रोड स्थित सर्राटी नदी पुल के अंतिम छोर पर सुरक्षा रेलिंग न होने से जहां हर पल भीषण सड़क हादसे का डर बना हुआ है। वहीं नदी में फेंके जा रहे कचरे से जल प्रदूषण का संकट भी गहरा गया है। नदी में पानी बहने पर कूड़ा-करकट एवं गंदगी पानी में जाने से पानी दुषित होगा। साथ ही सर्राटी नदी पुल की सीमा के बार दोनों साईड रेलिंग नही है एवं सड़क किनारे खुला एरिया होने से हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। अगर एक साइड से तेज गति से चौपहिया वाहन गुजरता है तो उस समय दुसरे साइड से आने वाले वाहन अनियंत्रित होकर सीधे पुल के नीचे सर्राटी नदी में जायेगी जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे राहगीर एवं ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने प्रशासन से इस गंभीर समस्या का तत्काल निराकरण करने की मांग की है।

मोड़ पर 30 फीट गहरी खाई, रेलिंग न होने से खतरा

आपकों बता दे कि सर्राटी नदी पर पुल का विगत वर्ष पूर्व निर्माण किया गया है और सर्राटी नदी पुल की सीमा तक तो सुरक्षा रेलिंग लगाई गई है, लेकिन उसके आगे दोनों ओर का बड़ा हिस्सा पूरी तरह खुला हुआ है। पंचायत भवन मानपुर एवं लालबर्रा की ओर से जाने पर बालाजी आईटीआई के सामने पुल तक सड़क किनारे सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं हैं। वहीं पुल के समीप सड़क पर तीव्र मोड़ (टर्निंग) है। इसके ठीक नीचे करीब 20 से 30 फीट गहरी खाई है। यदि विपरीत दिशा से कोई तेज रफ्तार चौपहिया वाहन आता है, तो सामने वाला वाहन अनियंत्रित होकर सीधे नदी या खाई में गिर सकता है। पूर्व में भी यहां इस तरह के हादसे हो चुके हैं, इसके बावजूद विभाग का कोई ध्यान नही है। साथ ही सुरक्षा में चूक के साथ-साथ यहां पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। लालबर्रा मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी (ला.) स्थित सर्राटी जलाशय से निकलने वाली यह नदी वैनगंगा में जाकर मिलती है। परंतु लालबर्रा और मानपुर के स्थानीय व्यापारियों द्वारा अपनी दुकानों का कूड़ा-कचरा देर रात या अलसुबह नदी के समीप सड़क किनारे फेंका जा रहा है। वर्तमान में यहां कचरे का ढेर लग चुका है। तेज आंधी-तूफान चलने पर यह कूड़ा-करकट उड़कर सीधे नदी में जा रहा है। आगामी बरसात के दिनों में यह गंदगी बहकर पानी को पूरी तरह दूषित कर देगी। इसके अलावा सड़क पर उड़ते कचरे के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जिम्मेदारों की चुप्पी से ग्रामीणों में आक्रोश, की सख्त कार्यवाही की मांग

हैरानी की बात यह है कि इस संवेदनशील मामले पर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अब तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है, जिससे स्थानीय जनता में आक्रोश व्याप्त है। राहगीरों, ग्रामीणों ने प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि सर्राटी पुल के दोनों ओर बचे हुए असुरक्षित व खुले स्थानों पर मजबूत रेलिंग लगाये, सड़क किनारे और नदी क्षेत्र में जमे कचरे की जल्द सफाई करवाने के साथ ही प्रतिबंधित क्षेत्रों में कचरा फेंकने वाले दुकानदारों व असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

पुल के समीप फेंका जा रहा कचरा - रोहित

रोहित साखला ने बताया कि लालबर्रा से बालाघाट मार्ग यह एक व्यस्तम मार्ग है और सर्राटी नदी के ऊपर बने पुल से रोजाना छोटे बड़े सभी वहां तेजी से गुजरते हैं और इस पुल की सीमा के बाद दोनों ओर सुरक्षा की दृष्टि से रेलिंग नहीं लगी हुई है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई हैं। अगर वाहन अनियंत्रित होता है तो वे सीधे खाई में जायेगा जिससे बड़ा हादसा घटित हो सकता है, पूर्व में हादसे हो चुके है। श्री साखला ने बताया कि पुल के समीप कचरा भी फेंका जाता है जिससे गंदगी हो रही हैं, प्रशासन से मांग है कि गंदगी की सफाई करवाये एवं पुल के दोनों ओर रेलिंग बनाये।

रेलिंग नही होने से आवागमन में हो रही परेशानी - भाऊराम

कांग्रेस कमेटी जिला सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि सर्राटी नदी पुल की सीमा के बाद रेलिंग नही होने से हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है और आवागमन में परेशानी हो रही है क्योंकि मोड़ाई है और तेज गति से वाहन गुजरते समय बालाजी आईटीआई के सामने रोड़ किनारे मोड़ होने से दुर से तेज गति से सामने से आने वाले वाहन दिखाई नही देते है और अचानक सामने आने पर दुसरे साइड से जाने वालों के वाहन अनियंत्रित होकर सीधे खाई में गिर सकते है। श्री गाड़ेश्वर ने बताया कि नदी व सड़क किनारे कुड़ा-करकट फैंका जा रहा है, जिससे गंदगी का अंबार लगा हुआ है और नदी में पानी बहने पर गंदगी के कारण पानी भी दूषित हो सकता है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि बारिश के पहले कचरों की सफाई और सुरक्षा की दृष्टि से रेलिंग का निर्माण करवाये ताकि दुर्घटनाएं घटित न हो सके।

विवेक ज्योति स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

वृक्षारोपण के साथ नये शैक्षणिक सत्र का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के पांढरवानी मार्ग स्थित विवेक ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालबर्रा में मंगलवार को नये शैक्षणिक सत्र

का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें नये व पुराने छात्र-छात्राओं का अत्यंत उत्साह और आत्मीयता के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि एवं विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती नैनन पटले के द्वारा ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान उपस्थित शिक्षकों और बच्चों ने माँ वीणा वादिनी की वंदना कर नये सत्र में बेहतर शिक्षा और उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं प्रवेशोत्सव के अवसर पर नवप्रवेशी बच्चों का तिलकवंदन का स्वागत किया गया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

लंबे अवकाश के बाद स्कूल लौटे बच्चों के चेहरों पर एक अलग ही रौनक और खुशी देखी गई। जिसके बाद स्कूल परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूल प्राचार्या श्रीमती नैनन पटले ने कहा कि जिस तरह एक पौधे को सींचकर बड़ा पेड़ बनाया जाता है, उसी तरह शिक्षक बच्चों के भविष्य को शिक्षा रूपी जल से सींचते हैं। प्रत्येक छात्र को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों ने ब%चों को पूरी लगन और अनुशासन के साथ अध्ययन करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर शिक्षक पूरनलाल पटले, बी. एल. चौहान, एस. एल. कटरे, भूपेन्द्र सोनवाने, कोमल ठाकरे, श्रीमती ममता हरिनखेड़े, श्रीमती लता राजूरकर, श्रीमती अनिता गोंदुड़े सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उमस ने बढ़ाई परेशानी, जून का आधा महीना बीता, बारिश न होने से थमा कृषि कार्य

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में मानसून की बेरूखी और भीषण उमस ने आम जनजीवन को बेहाल कर दिया है। जून का आधा महीना बीत जाने के बाद भी क्षेत्र में झमाझम बारिश नहीं हुई है, जिसके कारण तापमान में भारी उतार-चढ़ाव के साथ उमस का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही तो बनी रहती है, लेकिन ठंडी हवाओं के अभाव में लोग पसीने से तर-बतर हो रहे हैं। इस चिलचिलाती उमस ने न केवल आम नागरिकों का जीना मुहाल कर दिया है, बल्कि सबसे बड़ा संकट अन्नदाता पर आन खड़ा हुआ है। पूर्व में हुई बारिश के बाद किसानों ने धान बीज बोने का कार्य प्रारंभ कर दिये थे और अधिकांश किसानों की बोनी हो चुकी है लेकिन बारिश नही होने से बीज के अंकुर नही निकल पा रहे है। अगर जल्द बारिश नही हुई तो जिन किसानों के पास सिंचाई का साधन नही है, बारिश से खेती करते है ऐसे किसानों की बीज खराब हो सकती है। जिससे उन्हे आर्थिक संकट से जुझना पड़ेगा। वहीं जिन किसानों ने बीज नही बोये है ऐसे किसान अ'छी बारिश होने इंतजार कर रहे है किन्तु जून माह का आधा माह बीत जाने के बाद भी मानसून की दस्तक नही हो पाई है। जिससे किसान चिंतित नजर आ रहे है, जबकि हर वर्ष जून माह प्रारंभ होने के साथ ही 15 जून के पहले ही प्री मानसून की दस्तक के साथ ही तेज बारिश हो जाती थी किन्तु इस

वर्ष जून माह के प्रथम सप्ताह में एक दो दिन बारिश हुई उसके बाद से बारिश नही हो रही है और सुबह बदलीनुमा मौसम बना रहता है उसके बाद दोपहर में तेज धुप के साथ ही भीषण गर्मी पड़ रही है जिससे सभी परेशान है। साथ ही किसान एवं क्षेत्रीयजन भी बारिश का इंतजार कर रहे है ताकि मौसम में ठंडक घुल सके जिससे उमस भरी गर्मी से राहत मिल सके और बारिश नही होने से जिन किसानों का कृषि कार्य रूक चुका है वह सुचारू रूप से प्रारंभ हो सके।

सूखे पड़े खेत, किसान परेशान

हर वर्ष जून के प्रथम सप्ताह तक ग्रामीण अंचल में मानसून दस्तक दे देता था, जिसके बाद किसान खरीफ फसलों की बुआई और धान के थरे (नर्सरी) डालने के काम में जोर-शोर से जुट जाते थे। लेकिन इस बार स्थितियां बिल्कुल विपरीत हैं। बारिश न होने के कारण खेतों की मिट्टी सूखी पड़ी है और कठोर हो चुकी है। जिन किसानों ने सिंचाई के अन्य साधनों के भरोसे बीज बो दिये है वे बारिश नही होने से परेशान है। खेतों में पानी नही होने से बीज (रोपा) तैयार नही हो पायेगा जिससे उन्हे खेतों में रोपाई करने में परेशानी होगी। वहीं क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों से मिल रही जानकारी के अनुसार बारिश के इंतजार में बीज बोने सहित अन्य कृषि कार्य पूरी तरह से थम गये किसान हर दिन आसमान की ओर टकटकी लगाये बैठे हैं। जून का आधा महीना निकल चुका है, लेकिन बादलों के सिर्फ घेरे बन रहे हैं, बरस नहीं रहे। अगर अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई, तो खरीफ की फसल का पूरा चक्र पिछड़ जायेगा, जिससे लागत और नुकसान दोनों बढ़ने की आशंका है। वहीं एक तरफ जहां प्रकृति परीक्षा ले रही है, वहीं दूसरी ओर उमस भरे इस मौसम में ग्रामीण अंचल के कई हिस्सों में अघोषित बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी को दोगुना कर दिया है। दोपहर के समय पंखे और कूलर भी फेल साबित हो रहे हैं। घरों के अंदर दमघोंटू माहौल बन रहा है, जिससे लोग शाम के वक्त राहत की तलाश में खुले मैदानों की ओर रूख कर रहे हैं। क्षेत्रीय किसानों ने इंद्रदेव से प्रार्थना की है कि क्षेत्र में अच्छी बारिश करवाये ताकि किसान अपने कृषि कार्य में युध्द स्तर से जुट सके।

विधायक अनुभा मुंजारे के प्रयासों से वैनगंगा मुख्य नहर एवं संबंधित माइनरों के मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए 30.72 लाख रूपये की मिली स्वीकृति

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा क्षेत्र के किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा नहर तंत्र को सुदृढ़ बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। विभाग द्वारा बालाघाट जिले की वैनगंगा मुख्य नहर एवं उससे संबंधित फीडर कैनाल तथा विभिन्न माइनरों में स्थित क्षतिग्रस्त क्रॉस ड्रेनेज (सीडी) संरचनाओं के मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए 30 लाख 72 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति 11 जून 2026 को जारी की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वैनगंगा मुख्य नहर के चैन क्रमांक 1094 से निष्पादित फीडर कैनाल के चैन क्रमांक 70, 102 एवं 193 पर स्थित सीडी संरचनाओं का मरम्मत कार्य किया जायेगा। इसके साथ ही फीडर कैनाल के चैन क्रमांक 202 पर स्थित क्षतिग्रस्त सीडी का पूर्ण पुनर्निर्माण किया जायेगा, पाथरी माइनर के चैन क्रमांक 25 तथा बेहरई वितरक की छोरा माइनर के चैन क्रमांक 39 पर स्थित सीडी संरचनाओं का भी पुनर्निर्माण प्रस्तावित है। वहीं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार इन संरचनाओं की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण लंबे समय से आवश्यक था। समय के साथ इन सीडी संरचनाओं में क्षति आने के कारण जल प्रवाह प्रभावित हो रहा था, जिससे नहरों के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाने में कठिनाइयां उत्पन्न हो रही थीं। किसानों द्वारा भी लगातार इन कार्यों की मांग की जा रही थी। शासन द्वारा स्वीकृति मिलने के बाद अब इन कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जायेगा। क्षेत्र के किसानों ने शासन के इस निर्णय का स्वागत करते हुए बालाघाट विधायक श्रीमती

अनुभा मुंजारे का आभार व्यक्त किया है। वहीं वैनगंगा मुख्य नहर एवं संबंधित माइनरों के मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए 30.72 लाख रूपये की स्वीकृति मिलने के बाद उक्त राशि से नहर का मरम्मत एवं पुननिर्माण कार्य करवाया जायेगा। जिससे विशेष रूप से खरीफ एवं रबी सीजन के दौरान नहरों के सुचारू संचालन से हजारों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की संभावना है। वहीं लालबर्रा क्षेत्र के सरपंच, जनपद प्रतिनिधि, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने भी इस स्वीकृति को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। उनका कहना है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार कृषि है और सिंचाई सुविधाओं का सुदृढ़ होना किसानों की समृध्दि से सीधे जुड़ा हुआ है। शासन द्वारा स्वीकृत यह राशि न केवल नहर प्रणाली को मजबूत बनायेगी, बल्कि भविष्य में जल प्रबंधन को भी अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिध्द होगी। बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया है। साथ ही विभागीय स्तर पर आवश्यक प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति प्रदान कर किसानों की समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा के प्रति भी आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि उनके प्रशासनिक नेतृत्व एवं सतत निगरानी के कारण विभागीय योजनाओं को गति मिल रही है। वहीं स्थानीय नागरिकों एवं किसानों ने आशा व्यक्त की है कि कार्यों का क्रियान्वयन गुणवत्ता के साथ और समयबध्द तरीके से किया जायेगा। जिससे आगामी सिंचाई सत्र में इसका लाभ सीधे किसानों तक पहुंच सके। शासन की इस पहल से क्षेत्र में कृषि विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

बेहरई में सीसी सड़क का निर्माण कार्य हुआ प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई के धारसाईटोला में बुधवार को सीसी रोड़ बनने का कार्य प्रारंभ किया गया। सीसी सड़क बनने से आवागमन में सुविधा होगी। विगत दिनों बालाघाट विधायक श्रीमती अंनुभा मुंजारे के द्वारा बेहरई धारसाई टोला के चौक से लेकर चंद्रकिशोर ठाकरे के घर तक 120 मीटर सीमेंट कांक्रीट रोड का भूमिपूजन किया था। जो विधायक निधि से 5 लाख रूपये लागत से बनेगी। वहीं सीसी सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है और सड़क के बन जाने से बरसात के दिनों में किसानों एवं ग्रामिणो को आवागमन करने में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर भोजलाल पटले ब्लाक किसान कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, दिलीप टेम्भरे पूर्व सरपंच, सरपंच प्रतिनिधि, चंद्रकिशोर ठाकरे, नंदकिशोर पटले, लेखचंद ठाकरे, तिजूलाल ठाकरे, ईमरतलाल बिसेन, पन्नालाल पटले सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पिकअप और बाइक की टक्कर से युवक की मौके पर मौत, पत्नी और दो मासूम बच्चे गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम एकोड़ी के पुस्सुटोला से उमरटोला मार्ग पर १६ जून की देर रात एक बेहद दर्दनाक और हृदयविदारक सड़क हादसा सामने आया है। एक तेज रफ्तार बोलेरो पिकअप और मोटरसाइकिल के बीच हुई सीधी और जबरदस्त भिड़ंत में बाइक चालक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उसकी पत्नी और दो मासूम बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला मुख्यालय के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां वे उपचार लाभ ले रहे हैं।

साड़ू भाई के घर जन्मदिन समारोह मनाकर रात में लौट रहा था सरवन पटले

जन्मदिन मनाकर लौट रहा था सरवन पटले का परिवार

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम वारा वार्ड नंबर १९ शिवधाम मोहल्ला का निवासी सरवन पटले ३५ वर्ष पेशे से प्लंबर का काम करथा था और मेहनत.मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। १६ जून को सरवन पटले अपने रिश्ते के साड़ू भाई के घर ग्राम उमरटोला में आयोजित एक जन्मदिन कार्यक्रम में शामिल होने गया था। इस पारिवारिक समारोह में उसकी पत्नी ललिता पटले, पुत्र मयूर और पुत्री आरजू भी साथ गए थे। खुशी के माहौल में शामिल होने के बाद रात करीब ११ बजे सरवन अपनी पत्नी और दोनों बच्चों को मोटरसाइकिल पर बैठाकर वापस अपने घर वारा के शिवधाम लौट रहा था। पारिवारिक कार्यक्रम की खुशियां उस समय मातम में बदल गई जब पुस्सुटोला से उमरटोला मार्ग पर सामने से आ रही बोलेरो पिकअप क्रमांक एम पी ५० जी २२३९ ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। रफ्तार तेज होने के कारण दोनों वाहनों के बीच भिड़ंत इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल और पिकअप के परखच्चे उड़ गए। इस जबरदस्त टक्कर के कारण सरवन पटले को गंभीर चोटें आई और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं उसकी पत्नी ललिता, बेटा मयूर और बेटी आरजू तड़पते हुए सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की तेज आवाज सुनकर आस पड़ोस के लोग तुरंत मौके पर दौड़े। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना वारासिवनी पुलिस और संजीवनी १०८ एम्बुलेंस को दी। इसी बीच सड़क हादसे की खबर मिलते ही जनपद सदस्य जितेंद्र उर्फ जीतू राजपूत भी बिना वक्त गंवाए मौके पर पहुंच गए। घायलों की बेहद गंभीर हालत और अत्यधिक खून बहता देख जनपद सदस्य जीतू राजपूत ने तत्परता दिखाई और घायलों को तुरंत जिला चिकित्सालय बालाघाट पहुंचाया। वहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों की टीम ने घायल महिला और दोनों बच्चों का प्राथमिक उपचार किया।

पुलिस ने शव का कराया पोस्टमार्टम जांच शुरू

अस्पताल प्रशासन की तहरीर पर बालाघाट कोतवाली पुलिस तुरंत अस्पताल पहुंची। पुलिस ने मृतक सरवन पटले के शव को कब्जे में लेकर सुरक्षित पोस्टमार्टम गृह के फ्रीजर में रखवाया। १७ जून को पुलिस के द्वारा आवश्यक पंचनामा की कार्यवाही पूरी करने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। चूंकि मामला वारासिवनी थाना क्षेत्र का है इसलिए बालाघाट पुलिस ने मर्ग डायरी अग्रिम जांच और उचित वैधानिक कार्यवाही के लिए थाना वारासिवनी को प्रेषित कर दी है। इस भीषण हादसे ने हंसते खेलते परिवार को उजाड़ कर रख दिया है। वर्तमान में गंभीर रूप से घायल ललिता पटले और उनके दोनों मासूम बच्चों का इलाज बालाघाट के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार तीनों की स्थिति अब भी काफ ी नाजुक और चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नाले में गिरे बछड़े को वार्ड वासियों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित निकाला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर एक स्थित अमृत नगर और मिश्रा नगर के बीच १७ जून की दोपहर एक बड़ा हादसा होने से टल गया। यहाँ एक गहरे नाले में अचानक एक गाय का बछड़ा गिर गया जिसे स्थानीय नागरिकों की सूझबूझ और कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में आवारा मवेशियों की सुरक्षा और खुले परिसरों के कारण उत्पन्न हो रहे खतरों को उजागर कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमृत नगर और मिश्रा नगर में काफी खुला हुआ है जिसके कारण यहाँ अक्सर आवारा मवेशियों का जमघट लगा रहता है। ये बेसहारा पशु भोजन और पानी की तलाश में यहाँ.वहाँ घूमते रहते हैं। बुधवार की दोपहर भी नाले के समीप से कुछ मवेशी गुजर रहे थे तभी अचानक सामने से एक वाहन आ गया। वाहन को देखकर गाय का बछड़ा अचानक चमक गया और असंतुलित होकर सीधे नाले में जा गिरा। शुरुआत में बछड़े के नाले में गिरने की जानकारी किसी को नहीं थी। लेकिन कुछ ही देर में नाले के पास बड़ी संख्या में अन्य मवेशी जमा हो गए और अजीब हरकतें करने लगे। मवेशियों के इस असामान्य व्यवहार को देखकर आसपास के वार्डवासी मौके पर पहुंचे और नाले के भीतर झांककर देखा तो वहाँ एक गाय का बछड़ा असहाय स्थिति में नीचे गिरा हुआ था। बछड़े को संकट में देख वार्ड वासियों ने तुरंत तत्परता दिखाई आसपास के अन्य लोगों को भी इसकी सूचना दी गई लोग मदद के लिए जुट गए। नाले के भीतर स्थिति काफी विकट थी नाले में अत्यधिक झाड़ियां जंगली पेड़ और बेलें उगी हुई थीं। यदि बछड़े को किसी दूसरे रास्ते या नाले के बहाव की दिशा से निकालने का प्रयास किया जाता तो वह उन घनी झाड़ियों और बेलों के जाल में बुरी तरह फंस सकता था। परिस्थिति की गंभीरता को समझते हुए वार्ड वासियों ने सूझबूझ से काम लिया। उन्होंने नाले के ऊपर बनी पुलिया को ही रेस्क्यू का केंद्र बनाया। स्थानीय युवाओं और नागरिकों ने कड़ी मशक्कत से बछड़े को बिना कोई नुकसान पहुंचा पुलिया के ऊपर से सुरक्षित बाहर खींच लिया।

सिंचाई विभाग की उदासीनता-सरंडी में किसानों के लिए समस्या बनी कच्ची नहर

सावंगी तक पक्की सरंडी तक कच्ची छोड़ी नहर ज़रूरत के समय बूंद बूंद पानी को तरसते है किसान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सरंडी के किसान इन दिनों सिंचाई विभाग की लापरवाही और लचर व्यवस्था के कारण भारी आक्रोश में हैं। विभाग के द्वारा क्षेत्र में बनाई गई कच्ची नहर किसानों के लिए लाभ का जरिया बनने के बजाय जी का जंजाल बन चुकी है। आक्रोशित किसानों ने अब सिंचाई विभाग से इस बदहाल व्यवस्था में तत्काल सुधार कर उन्हें राहत पहुंचाने की मांग की है।

आधा अधूरा निर्माण बना परेशानी की जड़

प्राप्त जानकारी के अनुसार कटंगझरी तालाब से निकलने वाली एक मुख्य नहर सावंगी गांव होते हुए सीधे सरंडी तक पहुंचती है। सिंचाई विभाग ने सावंगी गांव तक तो पक्की नहर का निर्माण कर दिया है लेकिन उसके आगे सरंडी तक केवल एक कच्ची नहर खोदकर छोड़ दी गई है। इस आधे अधूरे और कच्चे निर्माण का खामियाजा सरंडी के किसानों को भुगतना पड़ रहा है। कच्ची और बदहाल नाली होने के कारण जब किसानों को फसलों के लिए पानी की सख्त जरूरत होती है तब नहर का पानी खेतों तक पहुंच ही नहीं पाता। नहर विभाग की इस लगातार उपेक्षा और पानी नही मिलने की समस्या से तंग आकर सरंडी के किसानों ने कई वर्ष पूर्व ही विभाग के साथ किए गए अपने सभी सिंचाई अनुबंध खत्म कर दिए थे। तब से लेकर आज तक यहां के किसान पूरी तरह भगवान भरोसे बारिश के पानी और अपने निजी जल स्रोतों के दम पर जैसे तैसे खेती कर रहे हैं। जब फसल को पानी की आवश्यकता होती है तो उन्हें भारी खर्च और मशक्कत करके इधर उधर से पानी की व्यवस्था करनी पड़ती है ,क्योंकि नहर में उस वक्त एक बूंद पानी नसीब नहीं होता। विडंबना देखिए कि जिस नहर में सिंचाई के समय सूखा पड़ा रहता है वही नहर बारिश के दिनों में किसानों के लिए मुसीबत खड़ी कर देती है। ग्रामीणों ने बताया कि जब अत्यधिक बारिश होती है और कटंगझरी तालाब का जलस्तर बढ़ता है तो तालाब का ओवरफ्लो पानी इस कच्ची नहर के जरिए सीधे किसानों के खेतों में या सड़कों पर लोगों के लिए आवागमन की बड़ी समस्या पैदा कर देता है। उन्होंने सावंगी से सरंडी तक की इस नहर को पक्का करने और सुचारू रूप से पानी की सप्लाई शुरू करने के लिए कई बार विभाग के चक्कर काटे और आवेदन दिए। लेकिन आज तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने इस गंभीर समस्या पर ध्यान देना उचित नहीं समझा। अधिकारियों की इस अनदेखी के कारण ग्रामीणों में शासन प्रशासन के खिलाफगहरा असंतोष व्याप्त है।

कच्ची नहर को देखते हुये किसानों ने अनुबंध खत्म कर दिए- जीतू पटले

ग्रामीण जीतू पटले ने बताया की इधर बहुत सारी खेती होती है जिसके मध्य से यह कच्ची नहर विभाग ने खोद कर रखी है। परंतु यह जगह.जगह से टूट गई है तो वही इसमें नहर का पानी होता है जलस्तर बढ़ने और सावंगी का पानी से सीधा आता है। परंतु वहां रास्ते में कीचड़ बना देता है कई लोगों को समस्या होती है व्यर्थ पानी बहता है। जरूरत के समय पूरी नहर सूखी पड़ी रहती है इसी को देखकर कई वर्ष पहले सभी किसानों ने अनुबंध खत्म कर दिए थे। तब से किसान बारिश या अपने साधन के भरोसे खेती लगा रहे ऐसे में पानी की समस्या तो हर किसी को बनी रहती है। सिंचाई विभाग में जब पक्की नहर बनाई तो सरंडी तक पूरी नहर बनाकर देना था।

नहर को पक्का बना दिया जाता है तो किसानों को लाभ होगा अन्यथा नही- राजेश गौतम

सरपंच प्रतिनिधि राजेश गौतम ने बताया की नहर की स्थिति सावंगी तक ठीक है कटंगझरी के तालाब से पानी आता है इधर कच्ची खुदाई है। रेलवे क्रॉसिंग के पास एक गड्ढा है वहां से बारिश का पानी जाता है जो बच्चों के लिए स्कूल जाने में परेशानी पैदा करता है तो वही सिंचाई वाले पक्का कर तो वहां से सीधा पानी बाहर जाता है। किसानों को इस पानी का कोई फायदा नहीं मिलता है यदि यह नहर पक्का बना दिया जाता तो किसानों को लाभ होता परंतु अभी तो जरूरत पर पानी नहीं मिलता है। बारिश में यह भरकर आता है विभाग एक तो किसानों को लाभ पहुंचा कर अनुबंध करें या इस पानी को मोड दें ताकि किसान को तकलीफ ना हो क्योंकि इससे समस्या बहुत है।

खेत में काम करने के दौरान किसान को सांप ने काटा सिविल अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही खेतों में हलचल बढ़ गई है लेकिन इसके साथ ही सर्पदंश के मामले भी सामने आने लगे हैं। जनपद पंचायत वारासिवनी के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सांवगी में बुधवार को एक ऐसी ही घटना सामने आई जहाँ खेत में काम कर रहे एक ५० वर्षीय किसान को जहरीले सांप ने डस लिया। पीड़ित को आनन.फ ानन में सिविल अस्पताल वारासिवनी में भर्ती कराया गया है जहाँ डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सांवगी निवासी रमेश पिता पूरनलाल राणा उम्र ५० वर्ष बुधवार को अपने खेत में कृषि कार्य के लिए गए हुए थे। वर्तमान में मानसूनी सीजन और खरीफ फ सलों की बुआई का समय नजदीक होने के कारण किसान खेतों की साफ सफ ाई और मेड़ों को दुरुस्त करने के काम में जुटे हुए हैं। रमेश राणा भी अपने खेत में जमा झाड़ झंखाड़ और कांटे हटाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान सूखी झाड़ियों में छिपे एक अत्यधिक जहरीले सांप ने अचानक उन पर हमला कर दिया और पैर में काट लिया। सांप के काटने के बाद किसान रमेश राणा किसी तरह हिम्मत जुटाकर अपने घर पहुँचे और परिजनों को घटना की आप बीती सुनाई। सर्पदंश की बात सुनते ही परिवार ने बिना समय गंवाए मुस्तैदी दिखाई और उन्हें तुरंत वारासिवनी के सिविल अस्पताल लेकर पहुँचे। जहां डॉक्टर की निगरानी में उनका उपचार जारी है।

फार्म हाउस में संदिग्ध पानी पीने से ३ बकरियों की दर्दनाक मौत, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम सिकन्दा में एक बेहद संवेदनशील और संदेहास्पद मामला सामने आया है। जहां एक फार्म हाउस के भीतर रखा संदिग्ध पानी पीने से एक मजदूर की तीन बकरियों की तड़प.तड़प कर मौत हो गई। घटना के बाद पीडित पशुपालक ने थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई है। जिसके आधार पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सिकन्दा वार्ड नंबर १ निवासी संजय उयके उम्र ३८ वर्ष जो पेशे से मजदूरी का काम करते हैं उनके पास ५ नग बकरियां हैं। सोमवार की सुबह लगभग १० बजे वे अपनी बकरियों को चराने के लिए गांव के पास ही स्थित महेंद्र के खेत की तरफ गए हुए थे। बकरियां चरते चरते पास ही स्थित मण्डलेकर के फार्म हाउस के अंदर दाखिल हो गईं और वहां लगे पौधों की पत्तियां खाने लगीं। जब संजय उयके अपनी बकरियों को फार्म हाउस से बाहर निकालने के लिए अंदर गए तभी अचानक उनकी ३ बकरियां जमीन पर गिर गईं और बुरी तरह तड़पने लगीं। देखते ही देखते कुछ ही देर में तीनों बकरियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पीड़ित संजय उयके ने पुलिस को बताया कि बकरियों के तड़पने के दौरान जब उन्होंने फार्म हाउस के भीतर नजर दौड़ाई तो वहां दो बाल्टियों में पानी रखा हुआ दिखाई दिया। जब वे उस पानी के करीब पहुंचे तो उसमें से एक बेहद अजीब और तेज गंध आ रही थी। पीड़ित ने आशंका जताई है कि बकरियों ने बाल्टी में रखा वही संदिग्ध पानी पी लिया था जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई। बाल्टी में रखे पानी में कोई जहरीला पदार्थ या कीटनाशक घुला होने का संदेह व्यक्त किया जा रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित पशुपालक तुरंत वारासिवनी थाना पहुंचा और मामले की लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई। वारासिवनी थाना पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर मृत मवेशी कायम कर मामले को पूरी तरह से जांच में ले लिया है।

शहीद गुरु अर्जुन देव जी का बलिदान

2026 में गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी दिवस 18 जून को मनाया जा रहा है। यह हर साल सिख कैलेंडर के तीसरे महीने जेठ की चौथी तारीख को मनाया जाता है। इस दिन का सिख समुदाय के लिए बहुत महत्व है।अप्रैल 1563 में रामदास और माता भानी के घर जन्मे, गुरु अर्जुन देव जी 18 साल की उम्र में पांचवें सिख गुरु थे। रु अर्जुन देव जी का जन्म अप्रैल 1563 में भारत के गोइंदवाल में हुआ था। उनके पिता गुरु रामदास और माता भानी थीं। उनके नाना और परदादा गुरु अमरदास और गुरु रामदास थे। अपने पिता की मौत के बाद, वे 1581 में 18 साल की उम्र में दस सिख गुरुओं में से पांचवें गुरु बने।मुगलों द्वारा उनकी असमय मौत के बाद, उनके बेटे 1606 में छठे गुरु बने। उनके बेटे के उत्तराधिकार को लेकर बहुत विवाद हुआ। उनके सबसे छोटे बेटे अर्जन को उत्तराधिकारी चुनने से सिखों में कई विवाद और फूट पड़ गई। पृथी चंद ने गुरु अर्जन का कड़ा विरोध किया और एक गुट बना लिया। गुरु अर्जन के अनुयायियों ने मीनास बनाया - जो अलग हुए गुट के साथ एक गठबंधन था।उन्हें 1604 में अमृतसर में स्वर्ण मंदिर या हरमंदिर साहिब बनाने की उनकी पहल के लिए जाना जाता है। उन्होंने एक गुरुद्वारे में चार दरवाज़े भी डिज़ाइन किए और कहा कि उनका विश्वास सभी जातियों के लोगों के लिए है। अगस्त 1604 में, उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब को इकट्ठा किया, जिसमें सभी पिछले गुरुओं की लिखी बातें एक किताब में हैं। उन्होंने गुरु राम दास के शुरू किए गए मसंद सिस्टम को फॉलो किया, जिसमें कहा गया था कि सिख अपनी इनकम का कम से कम दसवां हिस्सा सिख ऑर्गनाइज़ेशन 'दसवंद' को दान करें, जो गुरुद्वारों और लंगर बनाने के लिए पैसे देता था। 1606 में, उन्हें लाहौर किले में कैद कर लिया गया और मुगल बादशाह जहांगीर ने उन्हें टॉर्चर किया और मार डाला, जिन्होंने उन पर जुर्माना लगाया था और कुछ भजन मिटा दिए थे जो उन्हें गलत लगे थे। उन्होंने अमृतसर में गोल्डन टेंपल बनवाने और ऊगुरु ग्रंथ साहिबऊ को इकट्ठा करने की पहल की — यह एक ऐसी किताब थी जिसमें पिछले सभी गुरुओं की लिखी बातें थीं।उन्हें अपने समुदाय के लिए उनके कई योगदानों के लिए जाना जाता है। गुरु अर्जुन देव जी सिख समुदाय के पहले शहीद हैं। इस दिन को लोग अलग-अलग धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करके और गुरुद्वारे में मुफ्त भोजन देकर याद करते हैं। इस दिन, सिख समुदाय गुरु अर्जुन देव जी की याद और शिक्षाओं का बहुत सम्मान करता है।श्री गुरु अर्जन देव जी, सिख धर्म के पांचवें गुरु थे और उन्हें शहीदों के सरताज के रूप में जाना जाता है। मुगल बादशाह जहांगीर के आदेश पर 1606 में उन्होंने अपने धर्म और सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका जीवन और योगदानआदि ग्रंथ का संकलन- 1604 में, उन्होंने सिख धर्म के पवित्र ग्रंथ, आदि ग्रंथ (जो बाद में गुरु ग्रंथ साहिब बना) का संकलन पूरा किया। हरिमंदिर साहिब की स्थापना- उन्होंने अमृतसर में श्री हरिमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) की नींव रखी। मानवता के संदेश- उन्होंने सभी धर्मों के प्रति सम्मान और शांति का संदेश दिया। शहादत का कारण और घटनामुगल शासक जहांगीर उनके बढ़ते प्रभाव और उनकी शिक्षाओं से भयभीत था, जिस कारण उसने गुरु जी को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें इस्लाम धर्म स्वीकार करने और गुरु ग्रंथ साहिब से कुछ शब्द हटाने का दबाव बनाया गया, जिसे गुरु जी ने सिरे से नकार दिया।इसके बाद उन्हें असहनीय यातनाएं दी गईं। उन्हें भीषण गर्मी में तपते लोहे के तवे पर बैठाया गया और उनके शरीर पर जलती हुई रेत डाली गई, फिर भी वे अडिग रहे और ईश्वर का सिमरन करते रहे 30 मई 1606 को इन अमानवीय यातनाओं को सहते हुए उन्होंने रावी नदी के तट पर अपना बलिदान दे दिया।

जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट केवल एकनारा नहीं,बल्कि भारत के भविष्य का रणनीतिक मंत्र बनकर उभरा है

वैश्विक स्तरपर भारत आज एक ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है जहाँ उसकी सबसे बड़ी पूंजी- युवाशक्ति- के पास न केवल संख्या का बल है,बल्कि बौद्धिक क्षमता,नवाचार की ऊर्जा और वैश्विक नेतृत्व का आत्मविश्वास भी है।इक्कीसवीं सदी का भारत अब केवल संभावनाओं का देश नहीं,बल्कि परिणाम देने वाला राष्ट्र बन चुका है। ऐसे समय में जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट केवल एकनारा नहीं,बल्कि भारत के भविष्य का रणनीतिक मंत्र बनकर उभरा है। यह मंत्र भारतीय युवाओं के चरित्र, कार्यशैली और वैश्विक छवि को परिभाषित करने की क्षमता रखता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज पूरी दुनियाँ भारत के युवाओं की बौद्धिक क्षमता का लोहा मान रही हैअमेरिका यूरोप, एशिया और खाड़ी देशों की बड़ी राजनीतिक संस्थाओं, शासन प्रणालियों, वैश्विक कंपनियों और तकनीकी दिग्गजों में भारतीय मूल के युवा नेतृत्वकारी भूमिकाओं में हैं। सीईओ से लेकर नीति-निर्माता तक, स्टार्ट- अप संस्थापकों से लेकर शोध वैज्ञानिकों तक,भारतीय युवा वैश्विक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बन चुके हैं।यह स्थिति स्वत:नहीं आई,बल्किकठोर परिश्रम ज्ञान-संस्कृति और नैतिक मूल्यबोध का परिणाम है।अब आवश्यकता है कि इस बौद्धिक शक्ति को जीरो डिफेक्ट - जीरो इफेक्ट के सिद्धांत से जोड़ा जाए,ताकि भारत की कार्यसंस्कृति विश्व के लिए एक मानक बने। यही वह मार्ग है जो भारत पर लगाए जा रहे टैरिफ जैसे आर्थिक स्पीड ब्रेकर अस्त्रों को निष्प्रभावी कर सकता है।यदि भारत को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी है,तो शासकीय और निजी दोनों क्षेत्रों में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी को यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार राष्ट्र की सबसे बड़ी कमजोरी है।अल्पकालिक व्यक्तिगत सुख सुविधा या स्वार्थ के लिए लिया गया एक भी गलत निर्णय देश की दीर्घकालिक साख को चोट पहुँचाता है।जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट का वास्तविक अर्थ तभी साकार होगा जब कार्यप्रणाली में ईमानदारी,पारदर्शिता और जवाबदेही होगी।निजी हित को परे रखकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देना आज कोई आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि आर्थिक और नैतिक अनिवार्यता बन चुकी है।जब कर्मचारी, उद्यमी और अधिकारी अपने दायित्व को राष्ट्र-निर्माण से जोड़ेंगे,तभी भारत पुन: सोने की चिड़िया की संज्ञा को आधुनिक संदर्भ में सार्थक कर पाएगा न केवल त्रेता युग या सतयुग की कल्पना के रूप में,बल्कि इक्कीसवीं सदी की आर्थिक और तकनीकी वास्तविकता के रूप में भी भारत का हर नागरिक अपने जीवन को स्वर्ग से सुंदर बना सकते हैं।

साथियों बात अगर हम मेक इन इंडिया और जीरो डिफेक्ट -जीरो इफेक्ट का अभिन्न संबंध इसको समझने की करें तो मेक इन इंडिया तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसके केंद्र में जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट का दर्शन न हो। विनिर्माण, उत्पादन आपूर्ति श्रृंखला, सेवा क्षेत्र और पर्यावरण हर गतिविधि में युवाओं की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है।गुणवत्ता में कोई दोष न हो और पर्यावरण पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े यही आधुनिक विकास का वैश्विक मानदंड है।जब भारत में निर्मित वस्तुएँ और सेवाएँ गुणवत्ता, विश्वसनीयता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रतीक बनेंगी, तब मेड इन इंडिया केवल एक टैग नहीं, बल्कि भरोसे की मुहर बन जाएगा। दुनियाँ यह कहने लगे कि यदि कोई उत्पाद लेना है, तो भारत में निर्मित उत्पाद ही लेना चाहिए, क्योंकि वह सर्वोत्तम है, टिकाऊ है और नैतिक उत्पादन का सटीक उदाहरण है।

साथियों बात अगर हम विश्व गुरु की अवधारणा और विज़न 2047 इसको समझने की करें तो,यदि विश्व में यह धारणा स्थापित हो जाती है कि भारत की वस्तुएँ और सेवाएँ गुणवत्ता में बेजोड़ हैं,तो भारत का विश्व गुरु बनना कोई दूर का सपना नहीं रहेगा। विज़न 2047 जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा तब तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य तभी प्राप्त होगा,जब विकास केवल आंकड़ों में नहीं,बल्कि मानसिकता और मूल्यों में भी दिखाई दे।भारत की अर्थव्यवस्था का दसवें स्थान से चौथे स्थान तक पहुँचना यह संकेत देता है कि दिशा सही है। अब समय है कि युवा मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की कमान स्वयं संभालें। नेतृत्व केवल पद से नहीं, बल्कि दृष्टि, कौशल और चरित्र से आता है।

साथियों बात अगर हम टेक-आत्मनिर्भर भारत -अगली बड़ी छलांग इसको समझने की करें तो, आने वाले दशक का सबसे बड़ा फोकस टेक-आत्मनिर्भर भारत होना चाहिए।नवाचार अनुसंधान,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर,रक्षा तकनीक,हरित ऊर्जा,बायोटेक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर,इन सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता भारत की रणनीतिक सुरक्षा और आर्थिक मजबूती दोनों के लिए आवश्यक है।अब समय आ गया है कि भारत की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए और नए उत्पादों का विकास तेज़ी से किया जाए। ये उत्पाद केवल सस्ते नहीं, बल्कि श्रेष्ठ होने चाहिए,जीरो डिफेक्ट- जीरो इफेक्ट के सिद्धांत पर आधारित। भारत के युवाओं की प्रतिभा ही आत्मनिर्भर भारत के इस विज़न का नेतृत्व करेगी और विश्व को बताएगी कि नवाचार का नया केंद्र अब भारत है।

साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय हित,स्पष्ट इरादे और ईमानदार प्रयास इसको समझने की करें तो,भारत तेजी से दुनियाँ की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।लेकिन आर्थिक आकार तभी सार्थक होगा जब उसके पीछे राष्ट्रीय हित को समर्पित दृष्टिकोण होगा। चाहे हम राष्ट्र-राज्य की सेवा में हों या निजी क्षेत्र में हम सबको भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस अपनानी होगी।यदि हर नागरिक यह संकल्प ले कि वह एक रुपये का भी भ्रष्टाचार नहीं करेगा, तो विज़न 2047 की मंज़िल तक पहुँचने से भारत को कोई शक्ति नहीं रोक सकती। यह गति सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की भावना से आएगी। यह गति स्पष्ट इरादों और ईमानदार प्रयासों से जन्म लेगी।

साथियों बात अगर हम भारतीय प्रधानमंत्री का संदेशऔर युवाओं की भूमिका को समझने की करें तो पीएम द्वारा लाल किले से लेकर विभिन्न मंचों तक और 25 जनवरी 2026 के मन की बात कार्यक्रम में जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट पर दिया गया ज़ोर यह स्पष्ट करता है कि यह केवल औद्योगिक नीति नहीं,बल्कि राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का आह्वान है। युवाओं के लिए यह संदेश विशेष रूप से रेखांकित करने योग्य है, क्योंकि भविष्य का भारत उन्हीं के हाथों में है।आज जो अवसर, संसाधन और सुविधाएँ उपलब्ध हैं,संभव है भविष्य में वैसीपरिस्थितियाँ न रहें। इसलिए समय की मांग है कि निजी स्वार्थ छोड़कर राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाया जाए और मेक इन इंडिया को अभूतपूर्व प्रतिसाद दिया जाए।

साथियों बात अगर हम टैरिफ की दीवारें और भारतीय गुणवत्ता की ताकत इसको समझने की करें तो यदि भारत जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट के मंत्र पर ईमानदारी से चलता है तो कोई भी देश,चाहे वह अमेरिका ही क्यों न हो 100,500 या 1000 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए,भारतीय उत्पादों की वैश्विक मांग को रोक नहीं सकता।जब गुणवत्ता निर्विवाद होगी,तो टैरिफ की दीवारें स्वयंकमजोर पड़ जाएँगी दुनियाँ तब भारतीय उत्पादों को इसलिए खरीदेगी क्योंकि वे श्रेष्ठ हैं, टिकाऊ हैं और भरोसेमंद हैं। भारत में निर्मित वस्तुओं का ऐसा सिक्का जमेगा कि टैरिफ का बंधन भी उसे रोक नहीं पाएगा। यही स्थिति भारत के विकास और विज़न 2047 की यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मंत्र के सहयोगसे मिशन तक पहुंचने की यात्रा हम आसानी से पूरी कर सकते हैंजीरो डिफेक्ट- जीरो इफेक्ट आज एक मंत्र नहीं, बल्कि मिशन बन चुका है।यह मिशन भारतीय युवाओं की सोच, कार्य और नेतृत्व को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का आह्वान करता है।यदि भारत का हर युवा इसे अपने जीवन और कार्यशैली का हिस्सा बना ले, तो न केवल भारत आत्मनिर्भर बनेगा,बल्कि दुनियाँ के लिए एक नैतिक,टिकाऊ और विश्वसनीय विकास मॉडल भी प्रस्तुत करेगा।विज़न 2047 कोई सपना नहीं, बल्कि एक साकार होने योग्य लक्ष्य है, बशर्ते हम आज सही संकल्प लें, सही दिशा चुनें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। यही भारत की शक्ति है, यही भारत का भविष्य हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

अमेरिका-ईरान समझौते का वैश्विक व्यवस्था और भारत पर प्रभाव

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध विराम और शांति समझौता वैश्विक अर्थव्यवस्था, कूटनीति और मध्य-पूर्व की भू-राजनीति को गहराई से प्रभावित करेगी। होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल और गैस की निर्बाध आपूर्ति बहाल होने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल गिरावट आएगी, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। समुद्री मार्ग के खुलने से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सप्लाई चेन की बाधाएं दूर होंगी, जिससे एशियाई और यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं को आर्थिक स्थिरता मिलेगी। भारत, चीन और जापान जैसे बड़े तेल आयातक देशों को राजकोषीय घाटा कम करने और अपनी मुद्रा को मजबूत करने में मदद मिलेगी। भारत अपनी जरूरत का 80 फिसदी से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। युद्ध विराम से अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें नीचे आएंगी, जिससे भारत का आयात बिल कम होगा और राजकोषीय घाटा नियंत्रित रहेगा। भारत का अधिकांश तेल और एलपीजी होर्मुज़ जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। युद्ध विराम से इस समुद्री मार्ग पर हमलों का खतरा खत्म हो जाएगा, जिससे भारत को बिना किसी रुकावट के ईंधन की आपूर्ति होती रहेगी। फारस की खाड़ी में तनाव कम होने से जहाजों का बीमा प्रीमियम घटेगा। इससे भारतीय तेल कंपनियों की लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी और देश में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखने में मदद मिलेगी। यदि इस युद्ध विराम के बाद भविष्य में ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध पूरी तरह हटते हैं, तो भारत दोबारा ईरान से सस्ते और रियायती दरों पर कच्चे तेल का आयात शुरू कर सकता है, जो भारत के लिए एक बड़ा रणनीतिक फायदा होगा। 26 अप्रैल 2026 को भारत के लिए अमेरिकी प्रतिबंधों के समाप्त होने के बाद से चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट गहरे संकट में था। इस नए युद्ध विराम समझौते से भारत के लिए नई उम्मीदें जगी है। प्रतिबंधों की अवधि खत्म होने के बाद भारत ने वहां से अपने कुछ कर्मचारी हटा लिए थे और अपने निवेश को सुरक्षित करने के लिए वेट एंड वॉच की नीति अपनाई थी। युद्ध विराम के बाद भारत इस रणनीतिक बंदरगाह पर कार्गो संचालन को फिर से पूरी तरह शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। चाबहार बंदरगाह पाकिस्तान को बाईपास करके अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंचने का भारत को सीधा रास्ता देता है। शांति समझौते के कारण समुद्री मार्गों पर तनाव खत्म होने से भारत का यह महत्वाकांक्षी व्यापारिक कॉरिडोर एक बार फिर सुरक्षित और सक्रिय हो जाएगा। भारत को मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुंचने के लिए पाकिस्तान के जमीनी रास्ते की जरूरत नहीं रहेगी। मुंबई या कंडला बंदरगाह से सामान सीधे ओमान की खाड़ी के रास्ते ईरान के चाबहार बंदरगाह पहुंचेगा, जिससे दूरी और समय दोनों में भारी बचत होगी। चाबहार बंदरगाह को इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर से जोड़ा जा रहा है। इसके जरिए भारतीय सामान ईरान के रेलवे नेटवर्क का उपयोग करके कैस्पियन सागर और वहां से सीधे रूस व यूरोप तक पहुंच सकेगा। यह मार्ग पारंपरिक स्वेज नहर मार्ग की तुलना में 30 फिसदी सस्ता और 40 प्रतिशत तेजी से पहुंचेगा। संघर्ष विराम से पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होगी, जिससे व्यापक युद्ध की आशंका टलेगी। लेबनान, यमन और इराक जैसे देशों में परोक्ष युद्धों के थमने की संभावनाएं बनेगी। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश इस युद्ध विराम का स्वागत किया है क्योंकि उनका ध्यान अपनी अर्थव्यवस्थाओं पर है, जिसके लिए क्षेत्रीय शांति अनिवार्य है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका- ईरान में जंग खत्म करने पर बनी सहमति का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि जंग से दुनिया भर में गंभीर आर्थिक परेशानी पैदा हुई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए इस युद्ध विराम का पुरजोर स्वागत किया है और इसे मध्य-पूर्व में एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध को टालने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण कदम बताया है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने मांग की है कि इस शांति काल का उपयोग संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में बिना किसी बाधा के मानवीय सहायता, भोजन और चिकित्सा आपूर्ति पहुंचाने के लिए किया जाना चाहिए।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सभी क्षेत्रीय देशों से संयम बरतने और अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का सम्मान करने की अपील की है ताकि वैश्विक व्यापारिक जहाज सुरक्षित आ -जा सकें।संयुक्त राष्ट्र ने दोनों पक्षों से आग्रह किया है कि वे इस अस्थाई युद्ध विराम का उपयोग एक दीर्घकालिक और स्थायी राजनयिक समाधान खोजने के लिए करें।आगामी 19 जून को 60 दिनों के अस्थायी युद्ध विराम को एक स्थायी अंतरराष्ट्रीय संधि में बदलने के लिए स्विट्जरलैंड में एक उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें अमेरिका और यूरोपीय संघ का मुख्य उद्देश्य ईरान के यूरेनियम संवर्धन को परमाणु हथियार बनाने के स्तर से बहुत नीचे लाना है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के निरीक्षकों को ईरान के सभी परमाणु केंद्रों तक बिना किसी बाधा के सीधी पहुंच देने पर बात होगी। वार्ता का एक बड़ा हिस्सा इस बात पर केंद्रित होगा कि ईरान लेबनान में हिज्बुल्लाह, यमन में हुती विद्रोहियों और इराक एवं सीरिया के सशस्त्र समूहों को वित्तीय और सैन्य सहायता देना पूरी तरह बंद करें। इसके बदले में ही इज़राइल की सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित की जाएगी।अमेरिका ईरान के लंबी दूरी के मिसाइल विकास और ड्रोन तकनीक के निर्यात पर कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाने की मांग करेगा, जिसका इस्तेमाल हालिया संघर्षों में हुआ था। यदि ईरान ऊपर दी गई शर्तों को चरणबद्ध तरीके से मानता है, तो अमेरिका ईरान के तेल और बैंकिंग क्षेत्रों पर लगे कड़े आर्थिक प्रतिबंधों को हमेशा के लिए हटाने का एक टाइमलाइन जारी करेगा।वार्ता की शुरुआत में ही अमेरिका ईरान करीब 1.25 लाख करोड़ की संपत्ति को डीफ्रीज करेगा। साथ ही, खाड़ी देशों के सहयोग से ईरान के पुनर्निर्माण के लिए प्रस्तावित 300 अरब डॉलर के फंड को औपचारिक रूप दिया जाएगा।जबकि 28 फरवरी से अब तक ईरान के युद्ध में अमेरिका करीब 10 लाख करोड़ रुपये खर्च कर चुका है।

दूसरी ओर ईरान और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए संघर्ष में ईरान एक बेहद प्रभावी और कूटनीतिक रूप से मजबूत ताकत के रूप में उभरा है। जबकि पारंपरिक युद्ध में अमेरिका के पास अपार सैन्य और तकनीकी श्रेष्ठता है, फिर भी ईरान ने कई रणनीतिक मोर्चों पर सफलता हासिल की है।भारी हथियारों या विमान वाहकों पर निर्भर रहने के बजाय, ईरान ने उन्नत मिसाइलों और ड्रोनों का उपयोग करके अमेरिका और उसके सहयोगियों के बुनियादी ढांचे पर भारी लागत का दबाव डाला है। अमेरिका और इजराइल मिलकर ईरान पर हमला करने में शामिल रहे हैं। परन्तु अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए शांति समझौते को लेकर इजरायल का रवैया पूरी तरह से असहमत और आक्रामक है।इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर और वित्त मंत्री बेतलेल स्मोत्रिच ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यह शांति समझौता इजरायल को किसी भी तरह से नहीं बांधता है। उनके अनुसार, इज़रायल एक संप्रभु राष्ट्र है और वह अमेरिका के इस समझौते के आगे नहीं झुकेगा।इजरायली नेताओं का मानना है कि इस डील से ईरान को अरबों डॉलर का फायदा होगा और उसका परमाणु ढांचा जस का तस रह जाएगा। इसलिए, इजरायल ने चेतावनी दी है कि यदि उसे अपनी सुरक्षा खतरे में लगी, तो वह ईरान पर पूरी ताकत के साथ हमला करने के लिए स्वतंत्र है।सकारात्मक घटनाक्रम के बावजूद, बेरूत में ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह के साथ इजराइल की चल रही सैन्य शत्रुता के कारण अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे समझौते के खतरे में पड़ने की आशंका है। विगत रविवार को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल से आग्रह किया कि वह समझौते को न बिगाड़े, जब इजराइल की सेना ने हिज्बुल्लाह पर हमले किए थे। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जवाब देते हुए कहा, इज़राइल अपनी धरती पर गोलीबारी बर्दाश्त नहीं करेगा। अत: अमेरिका और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम केवल दो देशों के बीच तनाव कम होने की घटना नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति संतुलन, ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था को पुनर्परिभाषित करने वाला महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक मोड़ साबित हो सकता है। इस पूरी प्रक्रिया की सफलता कई चुनौतियों पर निर्भर करेगी। विशेष रूप से इजरायल का आक्रामक रुख इस शांति प्रक्रिया को कभी भी अस्थिर कर सकता है।इसलिए केवल युद्धविराम पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि सभी पक्षों को पारस्परिक विश्वास, कूटनीतिक धैर्य और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के आधार पर दीर्घकालिक समाधान विकसित करना होगा।यदि ऐसा संभव हो सका, तो यह समझौता केवल एक युद्ध को रोकने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि 21वीं सदी में सहयोग, संवाद और साझा सुरक्षा पर आधारित नई वैश्विक व्यवस्था की नींव रखने वाला ऐतिहासिक पड़ाव बन सकता है।

-राज कुमार सिन्हा

चिन्ताजनक है महंगी होती दवाइयां, महंगा होता इलाज

-ललित गर्ग

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने के स्वप्न के साथ आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना बार-बार दोहराई जा रही है। बड़े-बड़े बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां और आर्थिक विकास के दावों के बीच एक प्रश्न बार-बार सामने खड़ा हो जाता है-क्या ऐसा भारत वास्तव में विकसित कहलाएगा, जहां एक सामान्य नागरिक बीमारी के कारण कर्ज में डूबने को विवश हो जाए? जहां इलाज और दवाइयों की बढ़ती कीमतें जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय करने लगें? जहां स्वास्थ्य सेवा अधिकार नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य का विषय बन जाए? ऐसे समय में जब महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है, नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एन.पी.पी.ए.) द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं और टीकों की कीमतों में भारी वृद्धि की अनुमति देना गंभीर चिंता का विषय है। कैंसर की कुछ दवाओं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के आवश्यक टीकों की कीमतों में लगभग पचास प्रतिशत तक वृद्धि की स्वीकृति ने लाखों परिवारों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। यह निर्णय केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय संवेदना और जनकल्याणकारी शासन की अवधारणा से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने इलाज का खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं। बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाती, वह आर्थिक संकट में भी बदल जाती है। एक समय था जब कहा जाता था कि व्यक्ति अपनी बेटी की शादी के कारण कर्ज में डूबता है, लेकिन आज की स्थिति यह है कि किसी गंभीर बीमारी का इलाज पूरा परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद कर सकता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग या अन्य जटिल बीमारियों का उपचार लाखों रुपये की मांग करता है। ऐसे में यदि जीवनरक्षक दवाइयों की कीमतें भी लगातार बढ़ती रहें तो गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा लगभग असंभव हो जाएगी। एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कीमत बढ़ाने के पीछे उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार में संभावित कमी का तर्क दिया है। उनका कहना है कि यदि दवा कंपनियां लागत भी नहीं निकाल पाएंगी तो वे उत्पादन बंद कर सकती हैं, जिससे मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। यह तर्क अपनी जगह सही हो सकता है। किसी भी उद्योग को जीवित रहने के लिए उचित लाभ आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जीवनरक्षक दवाओं को सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की तरह देखा जा सकता है? क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में लाभ कमाने की सीमा और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया जाना चाहिए?

स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं। दुर्भाग्य से भारत में इन दोनों क्षेत्रों में व्यवसायीकरण का प्रभाव लगातार बढ़ता गया है। निजी अस्पतालों की बढ़ती फीस, महंगे परीक्षण, अनावश्यक जांचें, चिकित्सा उपकरणों का भारी खर्च और अब दवाइयों की बढ़ती कीमतें मिलकर आम नागरिक को असहाय बना रही हैं। चिकित्सा सेवा धीरे-धीरे सेवा के बजाय उद्योग में परिवर्तित होती दिखाई दे रही है। अस्पताल स्वास्थ्य केंद्र कम और कॉरपोरेट प्रतिष्ठान अधिक प्रतीत होने लगे हैं। रोगी अब मरीज नहीं, बल्कि ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी गहरा करती है। आज भी देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुख्यत: उन्हीं लोगों को उपलब्ध हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत है। गरीब व्यक्ति सरकारी अस्पतालों की लंबी कतारों, सीमित संसाधनों और अपर्याप्त सुविधाओं के भरोसे है। अमीर व्यक्ति अत्याधुनिक अस्पतालों और महंगे उपचारों का लाभ उठा सकता है। क्या यही सामाजिक न्याय है? क्या यही वह भारत है जिसकी कल्पना स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू हुई हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजना ने लाखों लोगों को राहत भी प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों की स्थापना ने सस्ती दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास किया है। लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य क्षेत्र में व्याप्त व्यापक विसंगतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि दवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती रहें और निजी स्वास्थ्य सेवाएं अनियंत्रित होती जाएं, तो इन योजनाओं का प्रभाव सीमित हो जाएगा। वास्तविक चुनौती यह है कि स्वास्थ्य को बाजार की शक्तियों के हवाले छोड़ने के बजाय उसे जनकल्याण के केंद्र में रखा जाए। सरकार का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर विशेष नियंत्रण होना चाहिए। सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। दवा खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार विशेष सहायता और सब्सिडी भी दे सकती है, ताकि लागत बढ़ने का पूरा बोझ मरीजों पर न पड़े। इसके साथ ही स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का दायरा और व्यापक होना चाहिए। अनेक गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार ऐसे हैं जो किसी भी बीमा सुरक्षा से वंचित हैं। गंभीर बीमारी की स्थिति में वे अपनी जीवनभर की जमा पूंजी गंवा देते हैं। स्वास्थ्य बीमा केवल अस्पताल में भर्ती होने तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यक दवाओं और दीर्घकालिक उपचार को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। यह भी आवश्यक है कि सरकार समय-समय पर दवा कंपनियों की लागत संरचना और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्र समीक्षा कराए। यदि वास्तव में लागत बढ़ी है तो उसका प्रमाण सार्वजनिक होना चाहिए। पारदर्शिता से जनता का विश्वास भी बढ़ेगा और अनावश्यक मूल्यवृद्धि पर भी रोक लगेगी। स्वास्थ्य नीति का मूल उद्देश्य कंपनियों के लाभ और नागरिकों के अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करना होना चाहिए। वर्ष 2047 का विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, तेज रफ्तार सड़कों और बढ़ती जीडीपी से नहीं बनेगा। उसका वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर होगा कि वहां का सबसे गरीब नागरिक कितना सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ है। यदि एक किसान, मजदूर, कर्मचारी या निम्न आय वर्ग का व्यक्ति बीमारी के समय सम्मानपूर्वक इलाज प्राप्त नहीं कर सकता, तो विकास के दावे अधूरे रह जाएंगे। आज आवश्यकता केवल दवाइयों की कीमतों पर बहस करने की नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की समग्र समीक्षा करने की है। यह स्वीकार करना होगा कि स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं, बल्कि मौलिक मानवीय अधिकार है। जिस राष्ट्र में नागरिकों को स्वस्थ जीवन का अवसर नहीं मिलता, वहां विकास की चमक भी फीकी पड़ जाती है। समय आ गया है कि सरकार, नीति-निर्माता, चिकित्सा जगत और समाज मिलकर यह सुनिश्चित करें कि स्वास्थ्य सेवा लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का सशक्त उपकरण बने। अन्यथा विकसित भारत का सपना केवल आंकड़ों में चमकेगा, जबकि आम आदमी बीमारी, कर्ज और असहायता के अंधकार में संघर्ष करता रहेगा। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ते भारत के सामने यही सबसे बड़ी नैतिक और मानवीय चुनौती है, जिसका समाधान आज ही तलाशना होगा।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। माँग ठंडी पड़ने से बुधवार को सूखे मेवों में बाजार नरमी के नज़र आये। खाद्य तेलों में भाव कमजोर रहे। तिलहनों में तेजी मंदी का अभाव रहा। दलहनों में चना 6000-6100 रू. प्रति क्विंटल पर ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सूखे मेवों में पूछपरख ठंडी है, जिसके चलते भावों में नरमी का रूख है। शक्कर व खोपरा गोला में बाजार बने रहे। तिलहनों में तेजी मंदी का अभाव रहा। उधर, दलहनी जिंसों में चना 6000-6100 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर ही नज़र आया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4270, खोपरा गोला 390-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-750, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बादान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2300-2350, (200) 2400-2450, (250) 2700-2750

तेल- सींगदाना 1560-1580, मुम्बई 1500, राजकोट तेलिया 2470, सोया साल्वेंट 1390-1395, सोया रिफाइंड 1440-1450, कपास्या 1470, धूलिया 1465, कड़ी 1465,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1525, मुम्बई पाम 1465, मुम्बई सोया 1470,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7800-8000, रायडा 6800-7000, सोयाबीन 6800-6850, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6100, एवरेज 6000-6050, विशाल 5900-6000, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7200-7350, मूंग पुराना बोल्ड 7600-7800, मीडियम 7400-7700, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8500-8800, एवरेज 8200-8300, हल्की 7700-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीर्डि?यम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को विदेशी बाजारों में बनी सुस्ती से स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 247200, चाँदी (99) 247000, टंच 246500, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 148800,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 4 पैसे बढ़कर 94.52 पर बंद हुआ जबकि पिछले सत्र में 94.56 पर बंद हुआ था। सुबह रुपया डॉलर के मुकाबले 94.46 रुपय के स्तर पर खुला। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतों में कमी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुकूल परिस्थितियों से भारतीय रुपये में मजबूती देखने को मिली है। वहीं गत दिवस अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में हल्की तेजी दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 5 पैसे मजबूत होकर 94.53 के स्तर पर पहुंच गया। इस मजबूती के पीछे दो मुख्य कारक जिम्मेदार रहे। पहला, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट, जिससे आयात बिल कम होने की उम्मीद जगी। दूसरा, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव में कमी आना, जिससे वैश्विक बाजार में स्थिरता का माहौल बना।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच भी खरीददारी हावी रहने से आयी है। पश्चिम एशिया में हालात बेहतर होने के साथ ही कच्चे तेल की कीमत में गिरावट से भी बाजार धारण मजबूत हुई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब 347.14 अंक उछलकर 77,155.62 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी तकरीबन 96.55 अंक बढ़कर 24,085.70 अंक पर बंद हुआ। आज बाजार में सभी ओर खरीदारी हावी रही। सेंसेक्स के 30 में से 21 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। ट्रेंट में 7 फीसदी से ज्यादा तेजी आई। इसके अलावा बीईएल, टाटा स्टील, टाइटन, सन फार्मा, भारती एयरटेल, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयर भी उछले। वहीं दूसरी ओर, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एशियन पेंट्स के

शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। छोटे और मझोले शेयरों में भी रही रौनक। वहीं ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप में 0.52 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.79 फीसदी तेजी आई। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी ऑटो और निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी बैंक, निफ्टी आईटी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में सबसे ज्यादा तेजी रही। इसी बीच, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक के फैसले से पहले निवेशकों ने काफी सतर्क रुख अपनाया।फेडरल ओपन मार्केट कमेटी द्वारा ब्याज दरों को 3.5 से 3.75 प्रतिशत पर यथावत रखने की उम्मीद है।निवेशक वैश्विक विकास दर और महंगाई पर केंद्रीय बैंक की टिप्पणी का इंतजार कर रहे हैं। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स करीब 269.16 अंक बढ़त के साथ 77,077.64 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 76.55 अंक तकरीबन 0.32 फीसदी उछलकर 24,064.55 पर पहुंच गया।

भारत-अमेरिका व्यापार नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत और अमेरिका अपने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए लगातार उच्च-स्तरीय व्यापार वार्ता में संलग्न हैं। इन वार्ताओं का उद्देश्य एक व्यापक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देना और आपसी व्यापार से संबंधित विभिन्न मुद्दों को हल करना है, ताकि दोनों देशों के लिए आर्थिक सहयोग को बढ़ावा मिल सके। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कार्यालय के अधिकारी नियमित रूप से भारत का दौरा करते हैं और भारतीय वाणिज्य मंत्री तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करते हैं। इन बैठकों का मुख्य ध्यान एक फ्रेमवर्क समझौते को अंतिम रूप देने और एक बड़े भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर चर्चा को आगे बढ़ाने पर होता है। दोनों पक्ष वस्तु व्यापार, गैर-शुल्क उपायों, सीमा शुल्क एवं व्यापार सुविधा, और आर्थिक सुरक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हैं। वार्ता के दौरान एक प्रमुख मुद्दा यूएस ट्रेड एक्ट के सेक्शन 301 के तहत भारत के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच है। इस जांच के तहत अमेरिकी सरकार ने भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है, जिसे भारत एक कानूनी मुद्दा मानता है जिसका व्यापार पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। भारत इस संबंध में अमेरिकी पक्ष से स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है। पूर्व में दोनों देशों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार से जुड़े अंतरिम समझौते के प्रारूप पर सहमति व्यक्त की थी। इसके तहत कुछ शुल्कों को हटाने या कम करने पर भी विचार किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापारिक बाधाओं को कम करना था। ये निरंतर वार्ताएं भारत और अमेरिका के बीच एक मजबूत और स्थिर व्यापारिक साझेदारी स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं।

खाड़ी में तनाव कम हुआ, आपकी जेब को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। एजेंसी। जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध जैसी स्थिति ने खाड़ी देशों में तनाव बढ़ाया था, तब इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर पड़ा था। कच्चे तेल, गैस और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के चलते पेट्रोल-डीजल से लेकर दूध और हवाई टिकट तक सब कुछ महंगा हो गया था। लेकिन अब जैसे-जैसे यह भू-राजनीतिक संकट खत्म हो रहा है, भारत में महंगाई पर लगाम लगने और कई आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं के दाम घटने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि खाड़ी में शांति का सबसे बड़ा फायदा ऊर्जा क्षेत्र को मिलेगा। भारत अपनी 60 फीसदी एलपीजी और 50 फीसदी प्राकृतिक गैस (एलएनजी) इन्हीं देशों से आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रोपेन-ब्यूटेन और स्पॉट एलएनजी की कीमतें गिरने से घरेलू एलपीजी सिलेंडर 70 से 100 रुपये तक और सीएनजी-पीएनजी 4 से 6 रुपये प्रति किलो तक सस्ते हो सकते हैं। हालांकि, एलपीजी पर सरकार सब्सिडी का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाती है या नहीं, यह देखना होगा। इसके अलावा हवाई सफर भी सस्ता होगा। कच्चे तेल की कीमतें सामान्य होने से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) 10-12 फीसदी सस्ता होगा, जिससे एयरलाइंस कंपनियां हवाई किराए में 8-10 फीसदी की कटौती कर सकती हैं। आपकी रसोई में पहुंचने वाले विदेशी खजूर और अंजीर जैसे ड्राई फ्रूट्स भी 25 से 30 फीसदी तक सस्ते होंगे, क्योंकि समुद्री नाकेबंदी खत्म होने से इनकी सप्लाई सामान्य होगी। कृषि क्षेत्र में रासायनिक उर्वरक (यूरिया, फॉस्फेटिक खाद) के आयात पर लगने वाली लागत 12-15 फीसदी तक कम होगी, जिससे किसानों को राहत मिलेगी। उद्योगों के लिए प्लास्टिक दाना, स्क्रैप मेटल, इंडस्ट्रियल सल्फर और पेंट्स बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल भी सस्ता हो जाएगा। युद्ध के दौरान समुद्री जहाजों का भाड़ा और वॉर रिस्क इंश्योरेंस प्रीमियम 300 फीसदी तक बढ़ गया था, जो अब 30 फीसदी कम होने का अनुमान है। इससे इन उत्पादों की इनपुट लागत घटेगी और वे उपभोक्ताओं के लिए सस्ते हो जाएंगे।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन भागदौड़ और व्यस्तता से भरा रह सकता है, मानो एक साथ कई काम आपका इंतजार कर रहे हों। लेकिन हर काम को जरूरी समझकर खुद पर बोझ डालने की जरूरत नहीं है। समझदारी इसी में होगी कि आप जरूरी कामों को प्राथमिकता दें। संतान की ओर से कोई खुशखबरी दिल को सुकून देगी और चेहरे पर मुस्कान ले आएगी। लंबे समय से मन में छिपी कोई इच्छा आज पूरी हो सकती है, जिससे भीतर एक अलग संतोष महसूस होगा।

वृषभ- आज आलस्य को किनारे रखकर पूरे जोश के साथ आगे बढ़ने का दिन है। जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और कोई नई बड़ी जिम्मेदारी शुरुआत में थोड़ी घबराहट दे सकती है, लेकिन सहयोगियों का साथ आपका हौसला बढ़ाएगा। बोलते समय शब्दों पर नियंत्रण रखें, क्योंकि छोटी-सी बात भी विवाद खड़ा कर सकती है। परिवार में किसी मुद्दे को लेकर बहस होने की संभावना है, लेकिन धैर्य और समझदारी से स्थिति संभल जाएगी।

मिथुन- आज नए काम की शुरुआत के लिए समय काफी अनुकूल है। यदि लंबे समय से कोई नया कदम उठाने की सोच रहे थे, तो अब आगे बढ़ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ चल रही गलतफहमियां बातचीत से दूर होंगी और रिश्ते में फिर से मिठास लौटेगी। दूर रहने वाले किसी खास व्यक्ति की याद आपको भावुक कर सकती है। वाहन से जुड़ी छोटी परेशानी अचानक खर्च बढ़ा सकती है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं होगी।

कर्क- आज आपका मन दूसरों की मदद करने और सेवा भाव में लगा रहेगा। जरूरतमंदों की सहायता करके आपको आत्मिक शांति मिलेगी। संतान के साथ अच्छा समय बिताने या कहीं घूमने जाने का मौका मिल सकता है, जिससे रिश्तों में और अपनापन आएगा। पुराना लेन-देन जो लंबे समय से परेशानी दे रहा था, अब सुलझ सकता है। कामों में धैर्य और संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

सिंह- आज का दिन अच्छे परिणाम लेकर आएगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में किसी से हल्की बहस होने की संभावना है, इसलिए शांत रहना जरूरी होगा। संतान से किया गया कोई वादा पूरा करना पड़ सकता है और पिता की ओर से नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। घर में पूजा-पाठ या धार्मिक आयोजन से माहौल सकारात्मक और उत्साहपूर्ण रहेगा।

कन्या- आज खुशखबरियां आपके दिन को खास बना सकती हैं। व्यवसाय में किए गए बदलाव अच्छे परिणाम देंगे और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देंगे। बॉस के साथ चल रही दूरी खत्म होगी और संबंध पहले से बेहतर बनेंगे। घर की सजावट या नई चीजों की खरीदारी का मन बनेगा, जिससे घर का माहौल और खूबसूरत लगेगा। रुका हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना भी है।

तुला- आज हर कदम बहुत सोच-समझकर उठाने की जरूरत होगी। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपके लिए सफलता का रास्ता खोल सकती है। बिना मांगे सलाह देने से बचें और अपने आसपास के लोगों पर नजर बनाए रखें। यदि यात्रा पर जाएं, तो अपने जरूरी और कीमती सामान का खास ध्यान रखें।

वृश्चिक- आज आप सफलता और प्रगति की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाते नजर आएंगे। परिवार के बड़े सदस्यों की भावनाओं का सम्मान करना रिश्तों को और मजबूत बनाएगा। घर में संपत्ति या बंटवारे को लेकर चर्चा हो सकती है, इसलिए धैर्य और समझदारी से काम लें। मन में चल रही कोई चिंता आपको बेचैन कर सकती है।

धनु- आज का दिन समझदारी से फैसले लेने का है। बच्चों के साथ समय बिताने से मन खुश रहेगा और घर का माहौल भी हल्का-फुल्का बना रहेगा। काम को लेकर जो चिंता चल रही थी, वह अब धीरे-धीरे खत्म होती नजर आएगी। घर में मेहमानों का आना-जाना रौनक बढ़ा सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। आपकी कोई बड़ी इच्छा पूरी हो सकती है और सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं।

मकर- आज का दिन सुखद और लाभदायक साबित हो सकता है। परिवार में किसी नए मेहमान के आने से खुशियों का माहौल रहेगा। शेयर मार्केट या निवेश से अच्छा लाभ मिलने की संभावना है और आपके कामों की तारीफ आपको नई पहचान दिला सकती है। निवेश करते समय दूसरों की बातों में आकर फैसला न लें। साझेदारी में किए गए काम उम्मीद से बेहतर परिणाम देंगे। दोस्तों के साथ बिताया गया समय मन को हल्का और खुश कर देगा।

कुंभ- आज आप ऊर्जा और उत्साह से भरपूर रहेंगे। किसी सामाजिक या राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिससे आपकी छवि मजबूत होगी और सम्मान भी बढ़ेगा। माताजी से किया गया कोई वादा पूरा करने का प्रयास करेंगे। संतान अपने करियर या नौकरी को लेकर आपसे सलाह मांग सकती है।

मीन- आज का दिन खुशी, सुकून और हल्के-फुल्के पलों से भरा रहेगा। परिवार के साथ बैठकर पुराने मतभेद खत्म करने में सफलता मिलेगी। मन में किसी के लिए ईर्ष्या या नकारात्मकता न रखें, क्योंकि आपकी सकारात्मक सोच ही आपको आगे बढ़ाएगी। घूमने-फिरने या अपने शौक पूरे करने का मौका मिल सकता है। सरकारी योजनाओं से लाभ मिलने के संकेत हैं।

शब्दजाल - 8293

शब्द जाल में धर्मेंद्र की 10 फिल्मों शब्द ढूंढिए, शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	ट
रा	वि	ली	प्रे	व	जी	स	द	ज	कां	ड़
चु	म	ल	बा	दी	छ	स	आ	ब	ख़	क
इं	नौ	ब	न	या	वा	स	ध	ल	श	क
डि	आ	ति	ल	ल	या	न	क्रो	धी	झ	च
या	ल	द	र	रा	झ	ली	ती	ण	घ	र
द	ब	र्निं	ग	ट्रे	न	वै	स	बा	व	स
क	ए	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क
रा	म	ब	ल	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	त	ऐ	म	प	द
क	ड	ल	प	या	क	र्त	व्य	ब	त	म

चुनौती, नसीब, द बर्निंग ट्रेन, क्रोधी, चरस, राम बलराम, अली बाबा चालीस चोर, गजब, कर्तव्य, कयामत

शब्दजाल - 8292 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 7237

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेंद्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूं दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ ओ' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अँखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सोहा और गोहा' में धर्मेंद्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'बूढ़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तेरे में बंधू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राखी की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बाँसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राकेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-३
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुज़रा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

फिल्म वर्ग पहेली - 7236

शब्द पहेली - 8761

बाएँ से दाएँ

1. रमण योग्य-4
4. साल, वर्ष-3
6. बांया-2
7. राय, वोट-2
9. तकरार, कहासुनी-4
11. अंधकार, अंधेरा-3
12. सरल, आसान-3
13. चील, ईगल-2
14. देवदास की प्रेमिका-2
15. सूली, क्रूस-3
17. कारण-3
19. मन को हरने वाला-4
21. कार्य, काज-2
23. बाण, तीर-2
24. दबाना, कुचलना-3
25. हाथी चलाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. परंपरा, रीति-रिवाज-4
2. संस्कृत में 'मेरा'-2
3. भरोसा, विश्वास-3
4. दीदी, भगिनी-3
5. समान, एक जैसा-2
8. अंधेरा, अंधकार-3
9. बोरिया बिस्तर-4
10. रिहा-2
12. तालाब, जलाशय-4
15. तमीज, शिष्टता-3
16. मछली, एक राशि-2
18. ज्वरताप-4
19. चिंतन, विचार-3
20. रनिवास (उर्दू-3)
22. नशा, अभिमान-2
23. पार्थिव देह, लाश-2

शब्द पहेली -8760 का हल

दैनिक पंचांग

18 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

गुरुवार 2026 वर्ष का 169 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि चतुर्थी 18.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 11.33 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 17.36 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.15 बजे तदन्तर विष्टि 18.59 बजे को समाप्त।

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभ-श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सबसे बड़ी सेवा

अबू उसमान हैरी नामक के एक संत थे. खुरासान में रहते थे. दूर-दूर तक उनका नाम था. लोग बड़ी श्रद्धा से उनके पास आते थे और उनके सात्विक जीवन और उपदेशों से लाभ उठाते थे. एक बार एक आदमी हज करने के विचार से घर से निकला. रास्ते में अबू उसमान हैरी की जगह पड़ती थी. उसने सोचा कि थोड़ा रुककर संत के दर्शन करता चलूं. यह सोचकर वह उनके निवास पर पहुंचा और उनको सलाम किया, लेकिन संत ने उसके सलाम का जवाब नहीं दिया. इस बात से वह आदमी बड़ा दु:खी हुआ. वह कितनी श्रद्धा से उनके पास आया था और उन्होंने उसका अभिवादन भी स्वीकार नहीं किया. यह क्या हुआ? वह सोच में पड़ा हैरान हो रहा था कि संत ने कहा, "मां को नाराज करके हज करना अच्छा नहीं." अब उसे ध्यान आया कि उसकी मां को उसकी जरूरत थी और वह उसे रोकती रही थी. जब वह नहीं माना तो वह नाराज भी हो उठी थी. उसकी नाराजगी की चिन्ता न करके वह घर से चल पड़ा था. संत की बात सुनकर वह उल्टे पैरों लौट गया और जबतक उसकी मां जीवित रही, उनकी सेवा करता रहा. मां का देहान्त हो जाने के बाद जब वह उन संत के पास पहुंचा, तो उन्होंने बड़े प्यार और आत्मीयता से उसका स्वागत किया और उसे अपना आशीर्वाद दिया.

सूडोकु नवताल- 7546

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7545 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सागौन वृक्षो की कटाई कर तस्करी करने के मामले में वन विभाग ने तीन लोगों के विरुद्ध की कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी वन क्षेत्र अनेको वन संपदाओ से घिरा हुआ क्षेत्र है अनेको लकड़ियों की प्रजाति भी लांजी वन क्षेत्र में पाई जाती है। वहीं इन्ही वन क्षेत्रो से अनेको बार यह खबरे आई है कि वन क्षेत्रो में बड़ी मात्रा में सागौन वृक्ष की कटाई कर तस्करी की जाती है। संबंधित वन विभाग के द्वारा कार्यवाही भी की जाती है बावजूद इसके सागौन की तस्करी करने वालों के हौसले इतने बुलंद होते है कि वे रात के अंधेरे में ग्रामो में पंहुचकर सागौन वृक्षो की कटाई कर उपयोग में लाये जाते है। ऐसा ही एक मामला लांजी जनपद अन्तर्गत ग्राम पंचायत फोफसा के बोरी वन क्षेत्र से सामने आया है। जहां 15 एवं 16 जून कि दरम्यानी रात्रि में कुछ युवाओं के द्वारा अवैध रूप से सागौन के वृक्ष के कटाई कर उसे ले जाया जा रहा था लेकिन स्थानीय जागरूक ग्रामीणो ने इन युवाओं को रंगे हाथो धर दबोचा तथा संपूर्ण जानकारी वन विभाग को दी गई। वन अमले की टीम को पंहुचने मे कुछ देरी होने के चलते सागौन ले जाने वाले युवाओं को उनके साथियों ने आकर छूडा कर ले गये लेकिन इस दौरान ग्रामीण जनों ने दो युवाओं की तस्वीरें और विडीओ मोबाईल मे कैद कर लिया गया था। इस संपूर्ण मामले को वन विभाग के द्वारा अपने संज्ञान मे लेते हुये वन अधिनियम के तहत जांच प्रारंभ कर दी गई है तथा दो युवाओं की पहचान भी वन विभाग के द्वारा की गई है। जिन पर प्रकरण पंजीबद्ध कर अग्रिम विवेचना वन विभाग कर रही है। वहीं सागौन के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार लगभग 3 पेड़ काटे गये है जिनकी लागत या कीमत 1 से 1.50 लाख तक हो सकती है। वहीं इस प्रकरण में एसडीओ राकेश अड ?ने ने कहा कि मामले में तीन संदेहियो से पूछताछ की जा रही है। इस मामले में कुछ लोगो के बयान भी सामने आये जिनमें स्वयं को वनसमिति का सदस्य बताने वाले ग्रामीण सुखदास नगपुरे बताते है कि यहां से पहले अवैध रूप से इमारती लकड़ियों की कटाई कर उनका परिवहन किया जा चुका है, बीती रात भी लकड़ी तस्करों की यही योजना थी लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें मिलकर पकड़ा था उनके साथी उन्हें छूड़ा ले गए। हमने संपूर्ण जानकारी वन विभाग को दे दी गई है। वहीं परिक्षेत्र सहायक ने बताया कि बीती रात्रि में सूचना प्राप्त होते ही मौके पर गये थे, जहां सागौन के वृक्ष कटे हुये मिले है वरिष्ठ अधिकारियों को प्रकरण अवगत कराया जाकर उपवन मण्डलाधिकारी लांजी राकेश अड़कने, वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार के मार्गदर्शन एवं निर्देशन मे कार्यवाही की गई है। ग्रामीणों से प्राप्त फोटो एवं विडीओ के आधार पर जो व्यक्ति दिख रहे वह विशाल खोब्रागड़े लांजी, राजा उर्फ कपिल रामटेकर लांजी, मोनू भण्डारकर लांजी के विरुद्ध वन अपराध पंजीबद्ध किया गया है। वन अपराध क्रमांक 16158/18 दिनांक 17 जून 2026 को पंजीबद्ध किया गया है। इसके साथ वन क्षेत्र का भ्रमण भी किया गया है तथा संपूर्ण विवेचना की जा रही है।

आदिवासी गोंड समाज की होनहार बेटी सुशीला वरकड़े को सहायक प्राध्यापक (भूगोल) बनने पर दी बधाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नगर पालिका अंतर्गत वार्ड क्रमांक-1 बकरामुंडी निवासी आदिवासी गोंड समाज की प्रतिभाशाली बेटी सुशीला वरकड़े का चयन सहायक प्राध्यापक (भूगोल) पद पर होने से पूरे लांजी क्षेत्र एवं आदिवासी गोंड समाज में हर्ष और गौरव का वातावरण है। सुशीला वरकड़े, बकरामुंडी निवासी झनकलाल वरकड़े एवं चैती बाई वरकड़े की सुपुत्री हैं। उन्होंने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के बल पर भूगोल विषय में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। अब सहायक प्राध्यापक पद पर चयनित होकर उन्होंने क्षेत्र और समाज का नाम रोशन किया है। सुशीला ने अपनी प्रतिभा, अथक परिश्रम, लगन और शिक्षा के प्रति समर्पण के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ-साथ उन्होंने सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। उनकी यह सफलता आदिवासी समाज की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। उन्होंने अपनी संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए शिक्षा जगत में नई पहचान स्थापित की है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ संकल्प, सही मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। सुशीला वरकड़े की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर गोंडवाना विकास समिति लांजी के अध्यक्ष धनीराम इनवाती, उपाध्यक्ष मोतीराम उईके, ऋषिकेश घोड़मारे, श्रवणलाल उईके, संरक्षक मुन्नालाल मलगाम, मानिकलाल वरकड़े, सचिव अशोक मर्सकोले, समाजसेवी मेहतरलाल मडावी, राधेलाल पंद्रे, राजेश वरकड़े, तिवारी मडावी, शुभम वाकडे, अजय नेवारे, लोकेश मलगाम, सुखदास मर्सकोले, नगर परिषद पार्षद संजय सैय्याम तथा चन्द्रदीप रामटेके संचालक दीप ऑप्टिकल्स लांजी एवं अध्यक्ष समता सैनिक दल लांजी सहित समाज के गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। नव निर्माण फाउंडेशन के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भी सुशीला वरकड़े की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की है। इस अवसर पर चन्द्रदीप रामटेके, संचालक दीप ऑप्टिकल्स लांजी, अध्यक्ष समता सैनिक दल लांजी एवं नव निर्माण फाउंडेशन ने कहा कि सुशीला वरकड़े की सफलता क्षेत्र की युवा पीढ़ी, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने सुशीला को सहायक प्राध्यापक (भूगोल) पद पर चयनित होने पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सुशीला वरकड़े का चयन सहायक प्राध्यापक (भूगोल) पद पर होने पर किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नगर पालिका अंतर्गत वार्ड क्रमांक-1 बकरामुंडी निवासी आदिवासी गोंड समाज की प्रतिभाशाली बेटी सुशीला वरकड़े का चयन सहायक प्राध्यापक (भूगोल) पद पर होने से पूरे लांजी क्षेत्र एवं आदिवासी गोंड समाज में हर्ष और गौरव का वातावरण है। सुशीला वरकड़े, बकरामुंडी निवासी झनकलाल वरकड़े एवं चैती बाई वरकड़े की सुपुत्री हैं। उन्होंने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के बल पर भूगोल विषय में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। अब सहायक प्राध्यापक पद पर चयनित होकर उन्होंने क्षेत्र और समाज का नाम रोशन किया है। उनकी यह सफलता

आदिवासी समाज की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। उन्होंने अपनी संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए शिक्षा जगत में नई पहचान स्थापित की है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ संकल्प, सही मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। सुशीला वरकड़े की इस उपलब्धि पर गोंडवाना विकास समिति लांजी के अध्यक्ष धनीराम इनवाती, उपाध्यक्ष मोतीराम उईके, ऋषिकेश घोरमारे, श्रवणलाल उईके, संरक्षक मुन्नालाल मलगाम, मानिकलाल वरकड़े, सचिव अशोक मर्सकोले, समाजसेवी मेहतरलाल मडावी, राधेलाल पंद्रे, राजेश वरकड़े, तिवारी मडावी, शुभम वाकडे, अजय नेवारे, लोकेश मलगाम, सुखदास मर्सकोले, नगर परिषद पार्षद संजय सैय्याम, सहित अन्य सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओ के पदाधिकारियों के द्वारा सुशीला वरकड़े का सम्मान किया गया है।

जम्मू माली मरार समाज ने मेधावी छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। जम्मू माली मरार समाज लांजी द्वारा गत वर्षानुसार इस वर्ष भी महात्मा ज्योतिबा फुले भवन, चिचटोला लांजी में सम्मान समारोह का आयोजन कर प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए जोरदार सम्मान किया गया। समाज के इन नन्हे-नन्हे सितारों ने अपनी मेहनत और लगन से पूरे समाज का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश वाकले ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में यशवंतराव बड़मे उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में रामप्रसाद चोरवाड़े (सेवानिवृत्त), शेषराम चोरवाड़े और जानकी बाई वाकले ने शिरकत की। समाज के अध्यक्ष भारत भाऊ बड़मे, कोषाध्यक्ष ताराचंद चोरवाड़े, सचिव लखनलाल वाकले और जिला प्रतिनिधि सीताराम बड़मे ने पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

इन छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

कक्षा 12वीं में बानी संतोष वाकले ने 83 प्रतिशत, कक्षा 11वीं में अंशिका अजय चोरवाड़े ने 83 प्रतिशत अंक, कक्षा 10वीं में ज्योति दुलीचंद चोरवाड़े ने 95 प्रतिशत, कक्षा 9वीं में दिगंबर शोभन गोदुले ने 81 प्रतिशत,कक्षा 8वीं में कशिश भगीरथ बड़मे ने 79 प्रतिशत, कक्षा 7वीं में मिष्ठी रामकुमार बड़मे ने 84 प्रतिशत, कक्षा 6वीं में विहिका कैलाश गोदुले ने 87 प्रतिशत, कक्षा 5वीं में पूजा संजय बड़मे ने किया कमाल, हासिल किए 97 प्रतिशत, कक्षा 4वीं में तन्मय मचलेस चोरवाड़े ने 89 प्रतिशत, कक्षा 3री में दीक्षा सुशील चोरवाड़े ने 99.83 प्रतिशत, कक्षा 2री में तन्वी रामेश्वर चोरवाड़े ने 99.75 प्रतिशत, कक्षा 1ली में हिमांशी राजेश वंजारी 99.91 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष रमेश वाकले के द्वारा कक्षा 12 में बानी संतोष वाकले के द्वारा 83 प्रतिशत अंक हासिल कर समाज को गौरवान्वित करने पर नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। समारोह में महेश बड़मे, मचलेश चोरवाड़े, सुशील चोरवाड़े, देवेंद गोदुले, नीरज बड़मे, राकेश बड़मे, कुमारी मनीषा बड़मे (शिक्षिका), कुमारी दीक्षा बड़मे, श्रीमती शीतल गोदुले, श्रीमती मनीषा महेश बड़मे और कुमारी पूनम बड़मे (आंगनबाड़ी कार्यकर्ता) सहित समाज के गणमान्य सदस्यों की भारी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन रमेश वाकले के मंगलमयी आशीर्वचन और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। जम्मू माली मरार समाज लांजी शिक्षा के क्षेत्र में लगातार ऐसे कार्यक्रमों के जरिए नई पीढ़ी को प्रेरित कर रहा है। समाज के ये मेधावी बच्चे भविष्य के उज्ज्वल सितारे साबित होंगे, ऐसी उम्मीद जताई।

पनिका समाज की राष्ट्रीय बैठक सम्पन्न,आरक्षण के मुद्दे पर हुई गहन चर्चा

राष्ट्रीय बैठक में 5 राज्य से पहुंचे सामाजिक बन्धुओ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर तहसील मुख्यालय के कबीर आश्रम में बुधवार 17 जून को पनिका समाज की राष्ट्रीय बैठक समाजसेवी बिहारीदास मुरचुले के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र के अलावा मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से सामाजिक पदाधिकारी शामिल हुए।बताया गया कि पनिका समाज आरक्षण के मुद्दे पर एक ठोस कानूनी और राजनीतिक रणनीति बना रहा है। वक्ताओं ने कहा कि समाज की मुख्य मांग पनिका जाति को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से हटाकर पुन: अनुसूचित जनजाति (एसटी) की श्रेणी में शामिल करना हैं। समाज के प्रतिनिधियों की ओर से बनाई जा रही मुख्य रणनीतियों में,समाज का दावा है कि 1971 से पूर्व पनिका जाति अविभाजित मध्य प्रदेश में अनुसूचित जनजाति का हिस्सा था। जिसे बिना पूर्व सुनवाई के हटाकर ओबीसी वर्ग में शामिल कर दिया है। उन्होंने संविधान के (अनुसूचित जनजातियाँ) आदेश, 1950 में दिनांक 08.12.1971 को संशोधन कर पनिका, पनका, पंख एवं पान जाति पर अधिरोपित क्षेत्रीय बंधन को तत्काल प्रभाव से विलोपित कर, संपूर्ण भारत के समस्त राज्यों में वर्ष 1971 से पूर्व की स्थिति अनुसार अनुसूचित जनजाति की सूची में सम्मिलित किए जाने की मांग पर जोर दिया।वक्ताओं ने बताया कि तथ्यात्मक पृष्ठभूमि- यह कि संविधान (अनुसूचित जनजातियाँ) आदेश, 1950 के तहत दिनांक 08.12.1971 से पूर्व पनिका, पनका, पंख एवं पान जाति देश के सभी प्रदेशों में अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में अधिसूचित थी। जो पनिका समाज का मौलिक अधिकारों का हनन- करते हुए दिनांक 08.12.1971 को तत्कालीन केंद्र

सरकार द्वारा अध्यादेशध्संशोधन के माध्यम से पनिका जाति पर क्षेत्रीय बंधन अधिरोपित कर दिया गया।परिणाम स्वरूप मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड एवं महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में एक ही जाति के लोगों को कृत्रिम रूप से दो वर्गों में विभाजित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि एक ही माता-पिता की संतानों को दो पृथक वर्गों-अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग में रखना भारत के संविधान के अनुच्छेद 14- विधि के समक्ष समता, अनुच्छेद 15(1)-धर्म, मूलवंश, जाति के आधार पर विभेद का प्रतिषेध एवं अनुच्छेद 16-लोक नियोजन में अवसर की समता का स्पष्ट उल्लंघन है। साथ ही उन्होंने कहा कि 04.02.2004 को प्रस्ताव पारित कर तत्कालीन मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती द्वारा 3. राज्य सरकारों की अनुशंसारूप) मध्यप्रदेश मंत्रि-परिषद द्वारा दिनांक 17.02.2004 को शासकीय अनुशंसा पत्र भारत सरकार को प्रेषित किया और छत्तीसगढ़ शासन द्वारा तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के माध्यम से दिनांक 11.02.2021 को अर्ध-शासकीय अनुशंसा पत्र प्रधानमंत्री को प्रेषित किया जा चुका है।साथ ही न्यायिक आदेश की अवहेलना यह कि उक्त विभेदकारी वर्गीकरण से व्यथित होकर माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर के समक्ष वर्ष 2006-07 में एक जनहित याचिका संस्थित की गई थी। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 30/10/2009 को आदेश पारित कर केंद्र सरकार को निर्देशित किया गया था कि छः माह के भीतर पनिका जाति को संपूर्ण मध्यप्रदेश में वर्ष 1971 से पूर्व की स्थिति में बहाल किया जाए। खेद है कि आज दिनांक तक न तो राज्य सरकारों की अनुशंसाओं पर कार्यवाही हुई है, न ही माननीय न्यायालय के आदेश का अनुपालन किया गया है।बताया गया कि संवैधानिक प्रावधान- यह कि अनुच्छेद 342 (2) के अंतर्गत संसद को विधि द्वारा किसी जनजाति को सूची में सम्मिलित करने या उससे अपवर्जित करने की शक्ति प्राप्त है। राज्य सरकारों की अनुशंसा एवं न्यायिक आदेश के पश्चात भी 53 वर्षों से लंबित प्रकरण का निराकरण न होना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है।

क्षेत्र में है निर्णायक मतदाता

समाजसेवी बिहारीदास मुरचुले ने कहा कि क्षेत्र में पनिका समाज की एक बड़ी आबादी मध्य प्रदेश के कई जिलों में निवास करती है और कई विधानसभा क्षेत्रों में यह निर्णायक मतदाता भी है। सरकार पनिका समाज की मांग पर विचार नहीं कर रही है, लेकिन अब पनिका समाज चुप नहीं बैठेगा। समाज अपनी मांग को लेकर लगातार लड़ाई रहता रहेगा। यह लड़ाई वैसे तो प्रत्येक प्रदेश में जारी है, लेकिन अब केंद्र तक आवाज बुलंद करने के लिए सभी प्रदेश में निवास करने वाले पनिका समाज के लोगों को एकजुट होने का समय आ गया है। एकजुटता से ताकत बढ़ती है और सभी को मिलकर समाज के लिए लड़ाई लड़नी पड़ेगी, तभी सफलता मिलेगी।

मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

बैठक के बाद आरक्षण की मांग को लेकर बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता को राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। जिसमे 08.12.1971 के संशोधन द्वारा पनिका, पनका, पंख एवं पान जाति पर अधिरोपित क्षेत्रीय बंधन को तत्काल प्रभाव से विलोपित करने,पनिका जाति को संपूर्ण भारत के समस्त राज्यों एवं जिलों में दिनांक 08.12.1971 से पूर्व की स्थिति अनुसार अनुसूचित जनजाति की सूची में सम्मिलित करने हेतु संसद में आवश्यक संशोधन विधेयक प्रस्तुत करने, व जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक अंतरिम राहत के रूप में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड एवं महाराष्ट्र सहित समस्त प्रदेशों में पनिका जाति के व्यक्तियों को अनुसूचित जनजाति के प्रमाण-पत्र जारी करने हेतु संबंधित राज्य सरकारों को निर्देश जारी किए जाने की मांग की मांग की है।उन्होंने ज्ञापन में सरकार पर विश्वास जताते हुए कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि आप संविधान के संरक्षक होने के नाते हमारे 53 वर्षों से लंबित मौलिक अधिकारों की रक्षा हेतु त्वरित एवं न्यायोचित कार्यवाही करने की कृपा करेंगे।इस दौरान भारी संख्या में अनेकों राज्य से पनिका समाज के स्वजातीय बन्धु उपस्थित रहे।

गायत्री शक्तिपीठ लांजी में 21 जून को मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के बस स्टैंड स्थित गायत्री शक्तिपीठ लांजी में आगामी 21 जून 2026, रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रात: 7:00 बजे से 8:00 बजे तक आयोजित होगा। गायत्री शक्तिपीठ लांजी के परिव्राजक विनोद तिड़के ने जानकारी देते हुए बताया कि गायत्री परिवार ट्रस्ट द्वारा नगर एवं क्षेत्र के सभी भाई-बहनों को कार्यक्रम में सहभागी बनने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि जो लोग अपने घरों में नियमित रूप से योग करते हैं, वे भी इस अवसर पर शक्तिपीठ पहुंचकर सामूहिक योगाभ्यास में भाग लें और अपनी दिनचर्या में योग को और अधिक सशक्त रूप से शामिल करें। कार्यक्रम के दौरान योगाभ्यास का प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन योग प्रशिक्षक श्रीमती प्रसन्ना जैतवार द्वारा दिया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि योग दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और सकारात्मक जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।गायत्री शक्तिपीठ लांजी के व्यवस्थापक श्यामलाल पांडे, योग प्रशिक्षक व ट्रस्टी पूरनलाल जैतवार द्वारा योग करवाया जायेगा। नगर एवं आसपास के क्षेत्र के नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

एक साल बाद भी कर्मचारियों को नहीं मिली राहत

- हाईकोर्ट में लंबित मामले के कारण प्रमोशन प्रक्रिया ठप - एक साल में 10 हजार कर्मचारी बिना पदोन्नति हुए रिटायर

भोपाल। 17 जून 2025 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 को मंजूरी देकर नौ वर्षों से रुकी पदोन्नतियों का रास्ता खोलने का प्रयास किया था। सरकार ने सभी विभागों को 30 जून 2025 तक विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठकें आयोजित करने के निर्देश भी दिए थे। लेकिन नए नियमों को चुनौती देते हुए सामान्य वर्ग के कुछ कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। सुनवाई के दौरान मामला लगातार टलता रहा। 17 फरवरी 2026 को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया गया, लेकिन इसी बीच तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा की सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति हो गई। अब नई पीठ के गठन और पुनः सुनवाई के बाद ही फैसला आ सकेगा।

प्रदेश में पदोन्नति से जुड़ा विवाद वर्ष 2016 से न्यायालयों में लंबित है। सुप्रीम कोर्ट में मामला विचाराधीन होने के कारण

नियमित पदोन्नतियों पर रोक लगी हुई है। कर्मचारियों को उम्मीद थी कि नए नियमों से रास्ता निकलेगा, लेकिन कानूनी अड़चनों ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। जानकारी के अनुसार पिछले एक वर्ष में 10 हजार से अधिक कर्मचारी बिना पदोन्नति पाए ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं। कई विभागों में अधिकारियों और कर्मचारियों को केवल उच्च पदों का प्रभार देकर काम चलाया जा रहा है।

भर्ती प्रक्रिया पर भी पड़ा असर

पदोन्नतियां नहीं होने से रिक्त पदों की श्रृंखला नहीं बन पा रही है, जिससे नई भर्तियां भी प्रभावित हो रही हैं। राज्य सरकार ने वर्ष 2028 तक ढाई लाख पदों पर भर्ती का लक्ष्य निर्धारित किया है। अब तक लगभग 78 हजार पदों पर नियुक्तियां हो चुकी हैं, लेकिन कई पद अब भी अटके हुए हैं। 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण से जुड़े विवाद के कारण 13 प्रतिशत पदों पर भर्ती प्रक्रिया पहले से रुकी हुई है। इससे करीब 13 से 14 हजार नियुक्तियां प्रभावित हुई हैं। वर्तमान में भर्ती प्रक्रिया मुख्य रूप से नवसृजित पदों पर ही चल रही है, जिनमें स्वास्थ्य और ऊर्जा विभाग के पद प्रमुख हैं।

नए पदोन्नति नियमों की प्रमुख बातें

सरकार ने जो नए पदोन्नति नियम बनाए हैं उसके अनुसार एससी के लिए 16 प्रतिशत और एसटी के लिए 20 प्रतिशत पद आरक्षित रहेंगे। पहले आरक्षित वर्ग के पद भरे जाएंगे, उसके बाद अनारक्षित पदों पर सभी पात्र उम्मीदवारों को अवसर मिलेगा। आरक्षित वर्ग का पात्र उम्मीदवार नहीं मिलने पर संबंधित पद रिक्त रहेंगे। क्लास-1 अधिकारियों की पदोन्नति मेरिट-कम-सीनियरिटी के आधार पर होगी। क्लास-2 और उससे नीचे के पदों पर सीनियरिटी-कम-मेरिट का सिद्धांत लागू होगा। प्रत्येक वर्ष सितंबर से नवंबर के बीच डीपीसी बैठकें आयोजित की जाएंगी। पात्रता का निर्धारण 31 दिसंबर तक की सेवा स्थिति के आधार पर होगा।

कर्मचारियों में बढ़ रही नाराजगी

करीब एक दशक से पदोन्नति नहीं मिलने और लगातार न्यायिक प्रक्रिया लंबी खिंचने से कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि समय पर फैसला नहीं आने से सेवा लाभ, वेतनमान और कैरियर प्रगति प्रभावित हो रही है। अब सभी की नजरें हाईकोर्ट के आगामी निर्णय पर टिकी हैं, जिससे प्रदेश के लाखों कर्मचारियों और हजारों रिक्त पदों का भविष्य जुड़ा हुआ है।

नटराजन के मुद्दे पर पुतला दहन नहीं करने वाले 22 जिलाध्यक्षों को नोटिस, 3 दिन में मांगा जवाब

भोपाल। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के बाद कांग्रेस और उसके सहयोगी संगठनों में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। जिसके बाद अब जिला अध्यक्षों को नोटिस दिए जा रहे है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर 16 जून को प्रदेशभर में जिला स्तर पर पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। हालांकि कई जिलों में कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाने पर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) मध्यप्रदेश ने संबंधित जिलाध्यक्षों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है।

भाजपा मीडिया प्रभारी ने कसा तंज

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने नोटिस पर तंज करते हुए कहा ह कि आंदोलन नहीं हुआ तो नोटिस जारी करना पड़ा! यह सिर्फ नोटिस नहीं, बल्कि कांग्रेस की स्वीकारोक्ति है कि उसके कार्यकर्ता और युवा अब नेतृत्व के आह्वान पर सड़क पर उतरने को तैयार नहीं हैं।राज्यसभा चुनाव में हार के बाद की नौटंकी से खुद कांग्रेस का कार्यकर्ता सहमत नहीं है। हालात ऐसे हैं कि 22 जिलों के इस्तु जिला अध्यक्षों से पूछा जा रहा है, आखिर आंदोलन क्यों नहीं किया? जिस पार्टी को अपने कार्यकर्ताओं को आंदोलन के लिए नोटिस देना पड़े, वह जनता का विश्वास कैसे जीतेगी? कांग्रेस का संकट विपक्ष में होने का नहीं, अपने ही कार्यकर्ताओं का भरोसा खोने का है।

सडक़ हादसों में मप्र के युवा सबसे ज्यादा शिकार

प्रदेश में रोज औसतन 283 सडक़ दुर्घटनाएं, 61 प्रतिशत पीड़ित 16 से 30 वर्ष आयु वर्ग के

भोपाल। मध्य प्रदेश में सडक़ हादसे लगातार गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। तेज रफ्तार, यातायात नियमों की अनदेखी और लापरवाही के कारण हर दिन सैकड़ों लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। 108 आपातकालीन एंबुलेंस सेवा की ताजा रिपोर्ट ने सडक़ सुरक्षा को लेकर चिंताजनक तस्वीर सामने रखी है। रिपोर्ट के अनुसार मई 2025 से मई 2026 के बीच प्रदेश में 1 लाख 3 हजार 294 लोग सडक़ दुर्घटनाओं में घायल हुए, जिन्हें एंबुलेंस सेवा के माध्यम से चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई।

आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में प्रतिदिन औसतन 283 सडक़ दुर्घटना पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाया गया। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि हादसों का सबसे बड़ा शिकार युवा वर्ग बन रहा है। कुल घायलों में 61 प्रतिशत की उम्र 16 से 30 वर्ष के बीच है।

युवा सबसे अधिक प्रभावित

रिपोर्ट बताती है कि सडक़ दुर्घटनाओं में घायल होने वालों में युवाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। उम्रवार आंकड़ों के अनुसार

16 से 30 वर्ष - 61 प्रतिशत
31 से 45 वर्ष - 24 प्रतिशत
46 से 60 वर्ष - 9 प्रतिशत
अन्य आयु वर्ग - 6 प्रतिशत

विशेषज्ञों का मानना है कि तेज रफ्तार, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करना, मोबाइल फोन का इस्तेमाल तथा यातायात नियमों की अनदेखी युवाओं में दुर्घटनाओं की प्रमुख वजह हैं।

गोल्डन ऑवर में पहुंच रही एंबुलेंस

108 एंबुलेंस सेवा के सीनियर मैनेजर तरुण सिंह परिहार ने बताया कि उनकी टीम हर आपात स्थिति में गोल्डन ऑवर के भीतर पहुंचकर मरीजों की जान बचाने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कॉल किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने का अवसर होती है और टीम का प्रयास रहता है कि न्यूनतम समय में घटनास्थल पर पहुंचकर मरीज को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

निजी वाहन नहीं, 108 सेवा का करें उपयोग

परिहार ने लोगों से अपील की कि किसी भी सडक़ दुर्घटना या स्वास्थ्य आपात स्थिति में निजी वाहन से मरीज को ले जाने के बजाय 108 एंबुलेंस सेवा का उपयोग करें। एंबुलेंस में जीवन रक्षक उपकरण और प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ उपलब्ध रहता है, जो अस्पताल पहुंचने से पहले ही प्राथमिक उपचार शुरू कर देता है।

प्रदेश में लगातार बढ़ रहे सडक़ हादसे यह संकेत दे रहे हैं कि सडक़ सुरक्षा को लेकर जागरूकता और सख्ती दोनों की आवश्यकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सडक़ पर कुछ सेकंड की लापरवाही किसी परिवार की जिंदगी बदल सकती है। ऐसे में सुरक्षित ड्राइविंग, निर्धारित गति सीमा का पालन और यातायात नियमों का अनुपालन ही दुर्घटनाओं को कम करने का सबसे प्रभावी उपाय है। रिपोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि रफ्तार की होड़ में सबसे बड़ी कीमत युवाओं को चुकानी पड़ रही है। ऐसे में जरूरी है कि लोग मंजिल तक जल्दी पहुंचने से ज्यादा सुरक्षित पहुंचने को प्राथमिकता दें।

तेंदूपत्ता संग्रह की राशि पर आदिवासियों का हक

गरीबों के बोनस की राशि पर डाका न डाले सरकार- अजय सिंह

भोपाल । पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने तेंदूपत्ता संग्राहकों के लाभांश की राशि को वन विभाग द्वारा निर्माण कार्यों में खर्च करने के प्रयासों का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप करने और अनुचित आवंटन पर रोक लगाने की माँग की है।

अजय सिंह ने कहा कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) ने अभयारण्यों में तालाब बनाने के लिए लघु वनोपज संघ से लगभग 20 करोड़ रुपये मांगे है। यह नियमों और लाभांश के मूल सिद्धांतों का खुला उल्लंघन है।

अजय सिंह ने कहा कि लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा अर्जित शुद्ध लाभ का उपयोग वैधानिक रूप से केवल वनोपज संग्राहकों के सामाजिक कल्याण, वनों के पुनरुत्पादन और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ही किया जा सकता है। नियमानुसार इस लाभांश का 75 प्रतिशत हिस्सा सीधे आदिवासियों को बोनस के रूप में वितरित होना चाहिए। शेष राशि ग्रामीण समुदायों के कल्याण, वनों के पुनरुत्पादन और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उपयोग की जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संरक्षित क्षेत्रों में तालाब निर्माण जैसे कार्यों के लिए कैम्पा फंड, वन्यजीव बजट और कई अन्य केंद्रीय योजनाएं पहले से ही संचालित हैं7 इन योजनाओं की राशि का उपयोग करने के बजाय, प्रदेश के सबसे गरीब जनजातीय और ग्रामीण समुदायों के खून-पसीने की कमाई को अन्य मदों में डायवर्ट करना पूरी तरह से अनैतिक और अवैध है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वे इस संवेदनशील मामले में खुद संज्ञान लें। उन्होंने वन विभाग द्वारा माँगी गई राशि के हस्तांतरण को निरस्त करने की माँग की है7 इसके साथ ही मुख्यमंत्री से यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि तेंदूपत्ता लाभांश का एक-एक पैसा केवल और केवल वनाश्रित आदिवासियों और संग्राहकों के हितलाभ पर ही सीधे खर्च किया जाए।

लोकतंत्र में कोई संस्था जवाबदेही से ऊपर नहीं

दिग्विजय सिंह ने आर.एस.एस पर प्रियंक खड़गे के सवालों का किया समर्थन

भोपाल । कर्नाटक सरकार में गृह मंत्री प्रियंक खड़गे द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस) की कानूनी स्थिति, वित्तीय पारदर्शिता और सार्वजनिक जवाबदेही को लेकर सरसंघचालक मोहन भागवत को लिखे गए पत्र में पूछे गए सवालों का समर्थन किया है।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पंजीयन, वित्तीय स्त्रोतों, आय-व्यय, कर अनुपालन तथा संगठनात्मक जवाबदेही के संबंध में उन्होंने 22 अक्टूबर 2021 को तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को विस्तृत पत्र लिखकर जांच एवं पारदर्शिता की मांग की थी। इस पत्र में उन्होंने प्रश्न उठाया था कि जब देश की अन्य संस्थाओं, ट्रस्टों, समितियों, स्वयंसेवी संगठनों तथा राजनीतिक दलों पर वित्तीय पारदर्शिता और कानूनी अनुपालन के नियम लागू होते हैं, तो करोड़ों रुपये के लेन-देन और विशाल संगठनात्मक संरचना वाले ऋस्स् पर वही मानक क्यों लागू नहीं होने चाहिए।

सिंह ने 5 वर्ष पूर्व प्रेषित पत्र में नागपुर के आर.टी.आई कार्यकर्ता मोहनीश जबलपुरे के हवाले से कहा था कि कोविड के दौरान आर.एस.एस ने 7 करोड़ से अधिक खाने के पैकेट और एक करोड़ राशन के थैले वितरित किए थे। यह करोड़ों रुपए किस मद से खर्च किया गया था, इस पत्र का आज तक कोई जवाब नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि इसके पश्चात 12 नवंबर 2025 को उन्होंने स्वयं सरसंघचालक मोहन भागवत को पत्र लिखकर उनके उस वक्तव्य पर आपत्ति दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने आर.एस.एस के अपंजीकृत होने की तुलना हिंदू धर्म से की थी। सिंह ने अपने पत्र में स्पष्ट किया था कि सनातन धर्म और आर.एस.एस की तुलना करना उचित नहीं है तथा किसी भी संगठन को हिंदू धर्म का पर्याय नहीं माना जा सकता। उन्होंने संघ की कानूनी स्थिति, वित्तीय स्त्रोतों, आय-व्यय, कर दायित्वों और संगठनात्मक जवाबदेही से जुड़े अनेक प्रश्न भी उठाए थे। इस पत्र के बाद भी श्री मोहन भागवत ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया था ।

परिवहन प्राधिकरण पुनर्गठन पर हाईकोर्ट का स्टे- सरकार ने स्वीकारी कानूनी चूक

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने राज्य परिवहन प्राधिकरण (एसटीए) के पुनर्गठन पर अंतरिम रोक लगा दी है। इस महत्वपूर्ण फैसले से राज्य सरकार की एक बड़ी प्रशासनिक प्रक्रिया कानूनी विवाद में फंस गई है। खास बात यह है कि सुनवाई के दौरान राज्य शासन ने खुद स्वीकार किया कि इस पूरी प्रक्रिया में कानूनी खामियां हैं, जिन्हें दूर करने के लिए सरकार ने हाईकोर्ट से तीन माह का समय मांगा है। ग्वालियर खंडपीठ ने मामले में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मनीष सिंह से भी जवाब-तलब किया है।

एसटीए प्रदेश में बस परमिट जारी करने, रूट आवंटन और परिवहन नीति से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले लेता है, जिससे इस पर रोक लगने का दूरगामी असर हो सकता है। हरिशंकर सिंह पटेल सहित अन्य याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में मामला उठाया था, जिसमें हाल ही में जारी पुनर्गठन संबंधी अधिसूचना को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं के वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि राज्य शासन ने मोटर वाहन अधिनियम के विपरीत परिवहन विभाग के सचिव को प्राधिकरण की संरचना में शामिल किया।

बंसल ग्रुप कंपनी के अकाउंटेंट ने की चार लाख की हेराफेरी

- कंपनी की जगह अपने एकांउट में ट्रांसफर कराई रकम

- धोखाधड़ी, अमानत में खयानत का मामला दर्ज

भोपाल। शहर की अशोका गार्डन थाना पुलिस ने बंसल ग्रुप ऑफ कंपनीज के जनरल मैनेजर की शिकायत पर कंपनी के अकाउंटेंट के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अमानत में खयानत की धाराओं में मामला कायम किया है। आरोप है की उसने कंपनी के खाते में रकम जमा न कर अपने खाते में चार लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए। पुलिस के मुताबिक गिरधर परिसर कोलार निवासी प्रेमेंद्र बहादुर पिता स्वर्गीय ज्ञानेंद्र बहादुर (63) बंसल ग्रुप ऑफ कंपनीज गोविंदपुरा में जनरल फाइनेंस मैनेजर हैं। अपनी शिकायत में उन्होनें बताया को चौकसे नगर में रहने वाला आबिद अहमद सिद्दीकी पिता इरशाद अली (44) बंसल ट्रेडिंग कंपनी में अकाउंटेंट के पद पर नौकरी करता है। कंपनी का औद्योगिक क्षेत्र बी-सेक्टर में गोदाम हैं। यहॉं के लेनदेन के साथ ही अन्य सारे कामों की जिम्मेदारी आबिद अहमद को सौंपी गई थी। बीते समय संस्था के लेनदेन का ऑडिट कराये जाने पर गंभीर अनियमितताएं सामने आई। ऑडिट में खुलासा हुआ की आबिद अहमद ने मार्च, 2026 में न्यू भारत मार्ट के नकद मिले 49,740 रुपए में से 49 हजार रुपए में बैंक में जमा करना दर्शाया था।

सैलरी चाहिए तो ई-अटेंडेंस जरुरी

स्कूल शिक्षा विभाग का सीधा फंडा, नहीं चलेगा कोई बहाना

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर सख्ती बढ़ाते हुए मासिक वेतन को ई-अटेंडेंस से जोड़ दिया है। अब हमारे शिक्षक ऐप पर दर्ज उपस्थिति के आधार पर ही वेतन भुगतान किया जाएगा। लेकिन इस व्यवस्था के लागू होने के साथ ही ई-अटेंडेंस प्रणाली की तकनीकी खामियां सामने आने लगी हैं। प्रदेश के कई शिक्षक और कर्मचारी स्कूल पहुंचने और फेस वेरिफिकेशन पूरा करने के बावजूद उपस्थिति दर्ज नहीं करा पा रहे हैं, जिससे उनके वेतन पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

शासकीय शिक्षक संगठन के प्रभारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल का कहना है कि ऐप वास्तविक लोकेशन को सही तरीके से नहीं पहचान रहा है। कई मामलों में कर्मचारी विद्यालय परिसर में मौजूद होने के बावजूद सिस्टम उन्हें स्कूल से सैकड़ों मीटर या कई किलोमीटर दूर बता रहा है। इसके कारण निर्धारित समय पर भी उपस्थिति दर्ज नहीं हो पा रही है।

स्कूल में थे, सिस्टम ने बताया 2165 मीटर दूर

उपेंद्र कौशल का कहना है कि हाल ही में सामने आए एक मामले में एक शिक्षक विद्यालय परिसर में मौजूद थे और फेस वेरिफिकेशन भी सफलतापूर्वक हो गया था। इसके बावजूद ऐप ने कर्मचारी को विद्यालय से करीब 2165 मीटर दूर बता दिया। नतीजा यह हुआ कि लगातार 2 दिनों तक उनकी ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं हो सकी। ऐसे मामलों ने सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक तरफ शिक्षक ई-अटेंडेंस एप की खामियों से परेशान हैं, वहीं लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब ई-अटेंडेंस के मिलान के बाद ही वेतन आहरण देयक तैयार किए जाएंगे। यदि किसी शिक्षक की ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं है और फिर भी उसका वेतन बिल पास किया जाता है तो संबोंधित संकुल प्राचार्य के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में तकनीकी त्रुटियों के कारण उपस्थिति दर्ज न होने वाले शिक्षकों में चिंता बढ़ गई है।

संगठनों ने उठाई वैकल्पिक व्यवस्था की मांग

शासकीय शिक्षक संगठन ने ई-अटेंडेंस प्रणाली में आ रही तकनीकी समस्याओं पर गंभीर चिंता जताई है। संगठन का कहना है कि तकनीकी खामियों का खामियाजा कर्मचारियों पर नहीं थोपा जाना चाहिए। संगठन ने मांग की है कि विद्यालयों की गलत लोकेशन मैपिंग को तत्काल सुधारा जाए और जब तक व्यवस्था पूरी तरह सुचारु नहीं हो जाती, तब तक वैकल्पिक उपस्थिति व्यवस्था लागू की जाए ताकि किसी भी शिक्षक या कर्मचारी का वेतन प्रभावित न हो।

29 आईएएस के तबादले, जेल, राजस्व और खनिज विभाग में अहम बदलाव

कर्मवीर शर्मा बने भोपाल के नए संभागायुक्त

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने बुधवार शाम 29 आईएएसअधिकारियों का तबादला कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने भोपाल और रीवा संभाग के आयुक्त बदल दिए हैं। भोपाल के कमिश्नर संजीव सिंह को खेल विभाग में सचिव बनाया गया है, जबकि कर्मवीर शर्मा भोपाल के नए संभागायुक्त होंगे। वहीं शैलेंद्र सिंह को रीवा संभाग का आयुक्त नियुक्त किया गया है। रीवा संभाग के आयुक्त बाबू सिंह जामोद को सचिव, नगरीय विकास एवं आवास विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

मुकेश चंद्र गुप्ता को प्रमुख सचिव, जेल विभाग बनाया गया है। साथ ही उन्हें राजस्व मंडल, ग्वालियर के सदस्य का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। डॉ. ई. रमेश कुमार को प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग के साथ राहत आयुक्त और पुनर्वास आयुक्त का दायित्व सौंपा गया है। विवेक कुमार पोरवाल को प्रमुख सचिव, खनिज साधन विभाग बनाया गया है। दीपक सिंह को आयुक्त-सह-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं नियुक्त किया गया है। अमित तोमर को ऊर्जा विकास निगम का प्रबंध संचालक और नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार मिला है। सतेन्द्र सिंह को पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण आयुक्त के साथ अनुसूचित जाति विकास आयुक्त और राज्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

स्वास्थ्य, शिक्षा और जनजातीय विभाग में नई जिम्मेदारियां

मनोज पुष्प को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण का संचालक और खाद्य एवं औषधि प्रशासन का नियंत्रक बनाया गया है। रोहित सिंह को मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम का प्रबंध संचालक और स्कूल शिक्षा विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अमर बहादुर सिंह को जनजातीय कार्य विभाग में अपर सचिव और भारती जाटव ओगरे को स्कूल शिक्षा विभाग में अपर सचिव नियुक्त किया गया है।

कई अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार

के.सी. गुप्ता को कृषि उत्पादन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अनिरुद्ध मुखर्जी को पर्यावरण विभाग, पर्यावरण आयुक्त और एप्को के महानिदेशक का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। गुलशन बामरा को अनुसूचित जाति कल्याण विभाग और सोनिया मीना को संस्थागत वित्त आयुक्त-सह-संचालक का अतिरिक्त प्रभार मिला है।

भाजपा में संगठन विस्तार की तैयारी तेज, इस महीने होंगी बड़ी नियुक्तियां

- प्रदेश कार्यसमिति लगभग फाइनल, ओरछा में होगी पहली बैठक, मोर्चा और प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्षों की सूची भी जल्द जारी

भोपाल। राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भाजपा अब संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में जुट गई है। पार्टी इस महीने संगठन विस्तार के तहत विभिन्न मोर्चों, प्रकोष्ठों और जिला इकाइयों में खाली पड़े पदों पर नियुक्तियां करने जा रही है। साथ ही प्रदेश कार्यसमिति के गठन की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार प्रदेश कार्यसमिति के अधिकांश नाम लगभग तय हो चुके हैं और इसकी घोषणा भी जल्द की जा सकती है। इसके साथ ही भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की पहली बैठक रामराजा सरकार की नगरी ओरछा में आयोजित करने की तैयारी है। बैठक की तारीख भी जल्द तय की जाएगी।

भाजपा संगठन कई बड़े जिलों में मोर्चा और प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्षों की नियुक्ति करने जा रहा है। आगामी नगरीय निकाय चुनावों को देखते हुए पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने की रणनीति पर काम कर रही है। युवा मोर्चा, महिला मोर्चा सहित अन्य मोर्चों के साथ 27 प्रकोष्ठों में भी नई नियुक्तियां की जाएंगी। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सभी मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों को समय पर नामों का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं, ताकि नए पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देकर संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय किया जा सके। भाजपा अगले वर्ष होने वाले नगरीय निकाय चुनावों की तैयारी अभी से शुरू कर चुकी है। संगठनात्मक नियुक्तियों के जरिए पार्टी चुनावी रणनीति को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय करने की दिशा में काम कर रही है।

बार-बार टलता रहा संगठन विस्तार

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक पहले भी प्रस्तावित थी, लेकिन पार्टी द्वारा विभिन्न अभियानों और संगठनात्मक कार्यक्रमों को प्राथमिकता दिए जाने के कारण इसका विस्तार लगातार टलता रहा। अब संगठनात्मक नियुक्तियों और कार्यसमिति गठन को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पार्टी नेताओं का मानना है कि नई टीम के गठन और कार्यसमिति की बैठक के बाद भाजपा का संगठनात्मक ढांचा और अधिक सक्रिय होगा, जिससे आगामी चुनावी चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी।

भारत ए ने अफगानिस्तान-ए को 101 रनों से हराया

दांबुला । भारत-ए ने टीम बुधवार को यहां हुए त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के पांचवें मैच में अफगानिस्तान-ए को 101 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम अंक तालिक में शीर्ष पर पहुंच गयी है।

आज सुबह अफगानिस्तान ए ने टॉस जीतकर भारत ए टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारत ए टीम ने निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 319 रन बनाए। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाजों वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्य की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 48 गेंदों में 75 रन जोड़े। वैभव 28 गेंदों में 2 छक्कों और 4 चौकों के साथ 38 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद प्रियांश ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ दूसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 40 रन बनाये। प्रियांश 42 गेंदों में 58 रन बनाकर आउट हुए । ऋतुराज 30 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। ।

भारतीय टीम ने 129 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो दिये थे। इसके बाद कप्तान तिलक वर्मा ने कुमार कुशाग्र के साथ चौथे विकेट के लिए 104 रन बनाये।तिलक ने 59 रन बनाये। वहीं कुशाग्र 58 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा, विपराज निगम ने 30 रन और निशांत संधू ने नाबाद 21 रन बनाये। अफगान ए टीम से फरीदून दाउदजाई, अब्दुल्ला अहमदजई और फरमानुल्लाह सफी ने 2-2 विकेट लिए जबकि जहीर खान को 1 विकेट मिला।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगान टीम 36.5 ओवरों में केवल 218 रन ही बना पायी। कप्तान इमरान मीर ने 32 रन बनाये। बहिर शाह ने फैजल शिनोजादा के साथ चौथे विकेट के लिए 87 रन बनाकर टीम को 157 के स्कोर तक पहुंचाया।फैजल 46 रन बनाकर आउट हुए, जबकि बहिर शाह ने 57 रन की पारी खेली। इनके अलावा, मोहम्मद इशाक ने 16 रन और फरमानुल्लाह सफी ने 17 रन बनाए। भारत की ओर से निशांत संधू ने 31 रन देकर 4 विकेट जबकि यश ठाकुर ने 2 विकेट लिए। इनके अलावा, अंशुल कंबोज, विपराज निगम, सूर्यांश शेडगे और अनुकूल रॉय को 1-1 विकेट मिला।

अंक तालिका में स्थिति

भारत ने 4 में से 2 मैच अपने नाम किए हैं। इस टीम का नेट रन रेट +0.797 है। वहीं, 3 मुकाबलों में 2 जीत के साथ श्रीलंका (+0.494 नेट रन रेट के साथ ही दूसरे स्थान पर है। अफगानिस्तान (-1.983 नेट रन रेट) 3 में से 2 मैच हारकर तीसरे स्थान पर मौजूद है। अब 19 जून को श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के बीच मैच होगा। इस मैच की विजेता टीम 21 जून को भारत के साथ खिताबी मुकाबले में खेलेगी।

फीफा विश्व कप 2026
एर्लिंग ने पहले ही मैच में दो गोल दागकर नॉर्वे को इराक के खिलाफ 4-1 से जीत दिलायी

बोस्टन। एर्लिंग हालैंड के शानदार प्रदर्शन से नॉर्वे ने फीफा विश्वप फुटबॉल के अपने पहले ही मुकाबले में इराक को 4-1 से हरा दिया। इस मैच में नॉर्वे की ओर से अपना पहला मैच खेल रहे एर्लिंग ने दो गोल दागकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्रुप आई के रोमांचक मुकाबले में नॉर्वे की टीम भारी पड़ी। उसने इराक को 4-1 के बड़े अंतर से हराया। यह मुकाबला इसलिए भी खास था, क्योंकि नॉर्वे और इराक दोनों को ही लंबे समय बाद विश्व विश्वकप में वापसी का अवसर मिला है। मैच की शुरुआत से ही नॉर्वे ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। मैच के 14वें मिनट में नॉर्वे को पहली सफलता मिली, जब डेविड मोलर वोल्फ के शानदार क्रॉस को एर्लिंग ने गोल में बदलकर नॉर्वे को 1-0 की बढ़त दिलाई। इराक ने जल्द ही वापसी की और 10 मिनट बाद ही आयमन हुसैन ने आमिर अल-अम्मारी के बेहतरीन क्रॉस पर शानदार हेडर मारकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। यह इस टूर्नामेंट में इराक का पहला गोल था। पर हाफ टाइम से ठीक पहले, एर्लिंग ने इराकी डिफेंडर जैद तहसीन और गोलकीपर जलाल हसन के बीच हुई गड़बड़ी का फायदा उठाते हुए अपना दूसरा गोल दागा और नॉर्वे को 2-1 की बढ़त दिला दी।

दूसरे हाफ में भी नॉर्वे हावी रही। सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान पर आए लियो ओस्टिगार्ड ने कॉर्नर किक पर जबरदस्त हेडर लगाकर स्कोर 3-1 कर दिया, जिससे इराक के लिए वापसी और कठिन हो गयी। इराक ने कई बार प्रयास किए, लेकिन नॉर्वे की मजबूत रक्षापंक्ति को भेदने वह विफल रही। मैच के अंतिम क्षणों में इराकी खिलाड़ी हुसैन ने एक आत्मघाती गोल दागकर नॉर्वे की जीत का अंतर और बढ़ा दिया। इससे नार्वे ने मैच 4-1 से जीत लिया।

फीफा विश्वकप के पहले ही मैच में एमबाप्पे ने दो गोल दागकर मेसी को पीछे छोड़ा
फ्रांस को सेनेगल के खिलाफ 2-0 से जीत दिलायी

सेन डियागो। फ्रांस के स्टार फॉरवर्ड काइलियन एमबाप्पे ने फीफा विश्कप फुटबॉल के अपने पहले ही मैच में दो गोल दागकर अपनी टीम को सेनेगल के खिलाफ 3-1 से शानदार जीत दिलाई। इसके साथ ही एमबाप्पे ने अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी को भी एक खास रिकॉर्ड में पीछे छोड़ दिया है।

एमबाप्पे अब फीफा विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने केवल 15 विश्व कप मुकाबलों में अब तक कुल 14 गोल किए हैं, जबकि मेसी के नाम 26 मैचों में 13 गोल थे। इससे एमबाप्पे की अविश्वसनीय गोल-स्कोरिंग क्षमता का अंदाजा होता है। इतना ही नहीं, इस उपलब्धि के साथ ही एमबाप्पे फीफा विश्व कप में फ्रांस के लिए सबसे ज्यादा गोल दागने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं, जो उनके देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। गौरतलब है कि विश्व कप में सबसे अधिक गोल करने का सर्वकालिक रिकॉर्ड जर्मनी के पूर्व दिग्गज मिरोस्लाव क्लोज के नाम दर्ज है, जिन्होंने 24 मुकाबलों में 16 गोल किए हैं। इस प्रतिष्ठित सूची में दूसरे स्थान पर ब्राजील के महान फुटबॉलर रोनाल्डो हैं, जिन्होंने 19 मैचों में 15 गोल किए थे। एमबाप्पे इन दोनों दिग्गजों से केवल कुछ ही गोल पीछे हैं और जिस तरह की फॉर्म उन्होंने सेनेगल के खिलाफ दिखाई है, उसे देखकर यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि अगर वह अपनी लय बरकरार रखते हैं, तो वह इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी का खिताब अपने नाम कर सकते हैं और फुटबॉल इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में लिखवा सकते हैं।

सेनेगल के खिलाफ हुए मुकाबले में एमबाप्पे ने 66वें मिनट में फ्रांस के लिए पहला गोल दागा। इसके बाद, मैच के अंतिम पलों में उन्होंने एक बार फिर गोल दागकर फ्रांस की जीत पर मुहर लगा दी। यह गोल फीफा विश्वकप में उनका कुल 14वां गोल था, जिसने उन्हें रिकॉर्ड बुक में एक नई ऊंचाई दी।

ऑस्ट्रेलिया की किसी भी टीम में मिल जाती विराट को जगह - ब्रैट ली

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो ऑस्ट्रेलिया की किसी भी महान टीम का हिस्सा बन सकते हैं। ब्रैट ली के अनुसार इस टीम में उसी खिलाड़ी को जगह मिल सकती है। जिसके केवल रनों के आंकड़े ही बेहतर नहीं हों बल्कि मानसिकता, अनुशासन और तीव्र प्रतिस्पर्धात्मकता भी उसमें होनी चाहिये। ली के अनुसार, इन कसौटियों पर केवल विराट ही सही बैठते हैं।इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि विराट में वह आक्रामकता, फिटनेस और मुकाबला करने की क्षमता है, जिस पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को हमेशा गर्व रहा हैं। उनके अनुसार, कोहली हमेशा सफल होने के लिए निरंतर प्रयास करते थे और खेल के प्रति उनका नजरिया कभी किसी भी चीज से समझौता नहीं करता था। यह वह अटल मानसिकता ही थी जिसने उन्हें एक दशक से अधिक समय तक हावी रहने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम में सहजता से जगह दिला दी होती।

पहले भी कई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने विराट की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक महान बल्लेबाज बताया था। ये विश्व क्रिकेट में उनके असाधारण कद को साबित करता है। कई प्रतिभाशाली क्रिकेटर उनसे पहले आए और उनके बाद भी आए, लेकिन अनुशासन, खेल के प्रति समर्पण और तीव्र इरादों के कारण विराट आज भी सभी से आगे खड़े हैं। उन्होंने अपने दमदार खेल के दम पर क्रिकेट जगत में एक अद्वितीय मुकाम हासिल किया है। आज भी, जब वे केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, तो भी जहां जाते हैं, प्रशंसकों का समूह उमड़ पड़ता है, जिसका नजारा आईपीएल जैसे मंचों पर भी बखूबी देखने को मिलता है।विराट कोहली सिर्फ एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि एक युग हैं, जिनकी खेल के प्रति दीवानगी और जुझारूपन उन्हें विश्व के महानतम खिलाड़ियों की श्रेणी में खड़ा करता है, और उन्हें उस ऑस्ट्रेलियाई टीम में भी फिट बैठाता है जिसकी गिनती सर्वकालिक महान टीमों में होती है।

साइवर-ब्रंट और हीदर के अच्छे प्रदर्शन से इंग्लैंड ने आयरलैंड को चार विकेट से हराया

लंदन । कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट के अच्छे प्रदर्शन से इंग्लैंड ने आईसीसी टी20 महिला विश्वकप मुकाबले में आयरलैंड को चार विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही इंग्लैंड ने इस टूर्नामेंट में अपनी दूसरा मुकाबला जीता। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 118 रन ही बना पायीं। इसके बाद जीत के लिए मिले 119 रनों के लक्ष्य को इंग्लैंड ने आसानी से हासिल कर लिया। मेजबान टीम की ओर से कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट के बीच अच्छीसाझेदारी हुई। साइवर-ब्रंट 48 रन बनाकर पुरानी चोट उबरने के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर पेवियन लौट गयीं। ऐसे में उनकी फिटनेस टीम के लिए चिन्ता का कारण बन गयी है।

119 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने शुरुआती तीन विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद, साइवर-ब्रंट और हीदर ने पारी को संभाला और 64 रन की साझेदारी बनाकर टीम को कठिनाई से उबारा। साइवर-ब्रंट ने 37 गेंदों में 48 रन बनाए पर 16वें ओवर में पुरानी पिंडली चोट फिर उभर आने के कारण उन्हें पेवेलियन लौटना पड़ा। इसके बाद हीदर नाइट ने (23 गेंदों पर 26 रन बनाये। चार्ली डीन और डेनिएल गिब्सन ने धैर्य से खेलते हुए पारी को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे 18वें ओवर में ही इंग्लैंड की टीम जीत गयी।

इससे पहले, टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड की शुरुआत खराब रही। एमी हंटर शुरुआत में ही आउट हो गयी। , आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस खाता खोले बिना ही आउट हो गयी। । आयरलैंड की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और 10वें ओवर तक ही उसने 57 रन पर अपने पांच विकेट खो दिये थे। अंत में लुईस लिटल ने 15 गेंदों में नाबाद 26 रन की बनाकर टीम को 20 ओवर में 9 विकेट पर 118 रनों तक पहुंचाया। इंग्लैंड की ओर से स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए, जबकि चार्ली डीन और डेनिएल गिब्सन ने दो-दो विकेट लिए। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड की टीम इुष्ट महिला ञ्20 विश्व कप 2026 में ग्रुप-बी में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज कर अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है।

साइवर-ब्रंट की फिटनेस को देखते हुए 20 जून को स्कॉटलैंड के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले में उनका खेलना फिलहाल तय नहीं माना जा रहा है। यदि वह अनुपलब्ध रहती हैं तो चार्ली डीन टीम की कप्तानी संभाल सकती हैं। इंग्लैंड टीम प्रबंधन निश्चित रूप से 24 जून को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले से पहले अपनी कप्तान को पूरी तरह फिट देखना चाहेगा।

स्टोक्स के बचाव में आये नाथन लियोन

सिडनी । नाइटक्लब विवाद को लेकर आलोचनाओं में घिरे इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स के बचाव में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन आये हैं। लियोन ने स्टोक्स की प्रशंसा करते हुए उन्हें क्रिकेट इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक बताया है और उम्मीद जताई है कि वे अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लेंगे।लियोन ने कहा कि उनके मन में इंग्लैंड के इस ऑलराउंडर के लिए बेहद सम्मान है। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ने दृढ़ता से कहा, मैं सच में उम्मीद करता हूं कि यह स्टोक्स के करियर का अंत नहीं है। मेरे मन में उनके लिए बेहद सम्मान है। मेरी नजर में वह क्रिकेट खेलने वाले सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। लियोन ने यह भी उम्मीद जताई कि स्टोक्स अगले साल होने वाली एशेज सीरीज में मैदान पर जरूर नजर आएंगे, क्योंकि उनकी मौजूदगी खेल के लिए बेहद अहम है। ऐसे समय में जब स्टोक्स नाइट क्लब विवाद में व्यक्तिगत जांच के दायरे में हैं, लियोन जैसे प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी का यह खुला समर्थन उन्हें मानसिक रूप से मजबूती प्रदान कर सकता है। एक ओर जहां लियोन ने स्टोक्स के भविष्य को लेकर अपनी चिंता और समर्थन व्यक्त किया, वहीं खुद वह भी अपने करियर के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर हैं। पिछले कुछ समय से हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे 38 वर्षीय ऑफ स्पिनर अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। यह सीरीज 13 अगस्त से डार्विन में शुरू होगी। लियोन ने साफ कर दिया है कि वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की बाकी सभी टेस्ट सीरीज खेलना चाहते हैं और उनका लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के लिए लंबे समय तक योगदान देना है।

रुट नहीं स्टीवर्ट के नाम है सबसे अधिक अंतराल के बाद कप्तानी संभालने का रिकार्ड

बर्मिंघम। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट करीब चार साल के अंतराल के बाद एक बार फिर टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। नियमित कप्तान बेन स्टोक्स को नाइटक्लब विवाद के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। रुट ने इससे पहले साल 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी बार टीम की कप्तानी की थी। इस प्रकार रुट को चार साल के अंतराल के बाद कप्तानी मिली है पर अगर सबसे अधिक अंतराल के बाद किसी की कप्तान के तौर पर वापसी हुई है तो ये रिकार्ड इंग्लैंड के ही पूर्व कप्तान एलेक स्टीवर्ट के नाम है। स्टीवर्ट ने साल 1993 में ग्राहम गूच के चोटिल होने पर दो टेस्ट मैचों में कप्तानी की थी। इसके बाद उन्हें 1998 तक इंतजार करना पड़ा, इस बीच उन्होंने 49 टेस्ट मैच बिना कप्तानी किए खेले। 1998 में उन्हें नियमित कप्तान बनाया गया था, इस तरह उन्होंने 49 टेस्ट मैचों के लंबे अंतराल के बाद कप्तानी में वापसी की। इस सूची में दूसरा सबसे लंबा गैप पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस के नाम है। वकार ने दिसंबर 1993 में एक टेस्ट में कप्तानी करने के बाद मई 2001 में फिर से टीम की बागडोर संभाली थी। इस दौरान उन्होंने 47 टेस्ट मैच खेले, जिनमें उन्होंने कप्तानी नहीं की थी। वह एशिया के पहले ऐसे कप्तान बने थे जिन्होंने दो अलग-अलग कार्यकाल में कप्तानी के बीच इतना लंबा अंतराल देखा।

खिलाड़ी जश्न मनायें पर तय सीमा के अंदर - मैकुलम

लंदन। नाइटक्लब विवाद को लेकर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा है कि खिलाड़ियों को सफलता के बाद जश्न मनाने का अधिकार है पर इस दौरान उन्हें ध्यान रखना चाहिये कि ये एक सीमा के अंदर हो। साथ ही कहा कि किसी भी हाल में व्यवहार खराब न हो। नाइटक्लब कांड में टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन फंसे हैं और इसी कारण दूसरे टेस्ट से भी बाहर कर दिये गये हैं। मैकुलम के अनुसार उनके खिलाड़ी अधिक जिम्मेदारी से फैसला लें और ऐसी कोई हरकत न करें जिससे माहौल खराब हो। मैकुलम ने माना है कि वह भी नाइटक्लब प्रकरण के लिए कुछ हद तक जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, वास्तव में, मैं कोच होने के कारण टीम का प्रभारी हूं और जो भी चीजें ठीक से काम नहीं करतीं, उसकी जिम्मेदारी मैं लेता हूं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे खिलाड़ियों के लिए हर व्यक्तिगत फैसला नहीं ले सकते। मैकुलम ने अपनी भूमिका को परिभाषित करते हुए कहा, मेरा काम एक ऐसा वातावरण तैयार करना है, जो उन युवा खिलाड़ियों को सहारा दे सके जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर उच्च दबाव और कड़ी निगरानी का सामना कर रहे हैं। वे साल के बारह महीने घर से दूर रहते हैं और इसके साथ आने वाली सभी चुनौतियों का सामना करते हैं। वे चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी जश्न मनाएं, लेकिन उसकी एक सीमा अवश्य हो। साथ ही कहा कि खिलाड़ियों को इस बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए कि कितना जश्न मनाना ठीक है उन्होंने अत्यधिक जश्न को खतरनाक बताया।

39 साल की उम्र में मेसी ने हैट्रिक लगाकर अर्जेंटीना को दिलायी 3-0 से जीत

कैनसस सिटी । मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने फीफा विश्वकप फुटबॉल में अल्जीरिया के खिलाफ शानदार हैट्रिक लगाकर अपनी टीम को 3-0 से बड़ी जीत दिलायी है। 39 की उम्र में लगायी इस हैट्रिक से मेसी ने ये साबित कर दिया कि बढ़ती उम्र के बाद भी उनके प्रदर्शन पर असर नहीं पड़ा है। मेसी के इस असाधारण प्रदर्शन के कारण ही अर्जेंटीना ने आसानी से अल्जीरिया को 3-0 से हरा दिया। मेसी के इस प्रदर्शन को देखकर फुटबॉल विश्लेषकों और प्रशंसकों ने हैरानी जतायी है। साथ ही पूछा है कि क्या बढ़ती उम्र का भी मेसी पर कोई प्रभाव नहीं हो रहा है। वहीं एक आंकलनकर्ता ने कहा कि विश्व कप में हैट्रिक लगाना अपने आप में बड़ी बात है पर जब आप लगभग 39 वर्ष के हों और तब ऐसा कारनामा करें, तो यह पूरी तरह से अविश्वसनीय लगता है। मेसी ने एक बार फिर दिखा दिया है कि उम्र केवल एक संख्या है, इससे उनके खेल की गुणवत्ता पर प्रभाव नहीं हुआ है। मेसी ने बढ़ती उम्र में उनपर पड़ रहे विपरीत प्रभाव की बातों को आधारहीन बनाया है। साथ ही दिखाया है कि उनके खेल में अभी भी वही पुरानी धार और जीतने की भूख है, ये उन्हें उन्हें सर्वकालिक महान खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर रखती है।

मेसी ने तीनों गोल अलग-अलग अंदाज में दागे, जो उनके बहुमुखी प्रतिभा को दिखाता हैं। मैच का पहला गोल उन्होंने एक करारे करारे प्रहार से दिया। दूसरा गोल मेसी ने बेहद कुशलता से बॉक्स के भीतर पहुंचकर दागा, जो उनके बेहतरीन पोजीशनिंग सेंस और गेंद को पढ़ने की अद्भुत क्षमता को दर्शाता है जबकि तीसरा गोल सबसे बेहतर रहा। वह तो उनके विंटेज बार्सिलोना के सुनहरे दिनों की याद दिलाने वाला था।

इस शानदार 3-0 की जीत के साथ अर्जेंटीना ने टूर्नामेंट में अपना प्रभाव कायम रखा है और यह संदेश दिया है कि वे अपने खिताब की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वहीं, लियोनेल मेस्सी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह सर्वकालिक महान खिलाड़ी किस कारण से माने जाते हैं।

कार्यालय जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/1481/सा.लि./ज.प./2026

लालबर्रा,दिनांक 15-06-2026

निलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि भूमि कोपे की ठेका बोली कालम नं. 6 में अंकित दिनांक को कॉलम नं. 7 में दर्शित स्थान किया जाता हैयेगी। जनपद पंचायत लालबर्रा की कृषि भूमि का निलामी कृषि कार्य हेतु कालम न. 5 में वर्णित अवधि के लिए ठेके पर दिया जाना है।

अतः इच्छुक व्यक्ति निश्चित समय पर निश्चित स्थान में उपस्थित होकर निलामी में बोली बोलकर सम्मिलित हो सकते है। पूर्व बकायादार बकाया राशि जमा करने पर ही बोली बोल सकता हैं।

क्र.	कृषि भूमि का स्थान	खसरा	रकबा	अवधि जिसके लिए निलाम किया जाना है	निलाम तिथि का समय	निलाम करने का स्थान	न्यूनतम लीज राशि (अपसेट प्राईज)
01	कृषि भूमि कोपे	305/1, 306, 307/1, 324/1	11.15 एकड़	2026-27 2027-28 2028-29	23.06.2026 मंगलवार समय 01:00 बजे से	जनपद् पंचायत लालबर्रा	73112 तीन वर्ष

निलाम शर्ते

(क) किसी व्यक्ति को तब तक बोली लगाने की अनुज्ञा नहीं दी जावेगी, तब तक कि उसने पट्टे की प्ररक्षित किमत का दस प्रतिशत् अग्रिम धन (7300.00 रूपये) के रूप में निलामी संचालन करने वाले अधिकारी के पास जमा न करा दिया हो।

(ख) अधिकतम बोली, संबंधित पंचायत द्वारा पुष्टि किये जाने के अध्यधीन रहते हुए स्वीकार की जावेगी। परंतु कम बोली, कलेक्टर या उसके प्राधिकृत किसी भी अधिकारी की मंजूरी से स्वीकृत की जा सकेगी।

(ग) वह व्यक्ति जिसकी बोली स्वीकार की जाए, उसकी बोली स्वीकार होने के तुरंत पश्चात् निलामी, मुल्य का 25 प्रतिशत् जमा करेगा, यदि वह इस नियम में अपेक्षित किये गये अनुसार निलामी मुल्य का 25 प्रतिशत जमा करने में असमर्थ रहता है, तो उसके द्वारा जमा किया गया अग्रिम धन संबंधित जनपद पंचायत के पक्ष में समापह्त हो जाएगा तथा निलामी रद्द समझी जायेगी।

(घ) अतिशेष रकम का भुगतान ऐसी मासिक या त्रैमासिक किश्तों में जैसा कि संबंधित पंचायतों द्वारा विनिश्चित् किया जाए, प्रत्येक माह के य तिमाही के प्रारंभ होने के 5 दिनों के भीतर किया जाएगा तथा बोली की पुष्टि उसे अधिसूचित की जाने की तारीख से 30 दिन के भीतर पट्टा विलेख निष्पादित किया जाएगा, यदि वह उपर विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर पट्टा विलेख निष्पादित करने में असमर्थ रहता है, तो उसके द्वारा जमा की गई 25 प्रतिशत राशि संबंधित जनपद पंचायत के पक्ष में समापह्त हो जाएगी तथा निलामी रद्द समझी जाएगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत लालबर्रा
जिला बालाघाट(म.प्र.)

निर्माणाधीन घोटी पूल का पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने किया निरीक्षण

घोटी पूल बनाकर क्षेत्र के विकास के दरवाजे को खोलने का कार्य किया -प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश से महाराष्ट्र राज्य को जोडने वाले बैनंगगा नदी पर जिले के सबसे बडे निर्माणाधीन घोटी धापेवाडा पुल का पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने निरीक्षण कर कनेक्टिवीटी सड़क मार्ग की तकनीकी दिक्कत को दूर करने का प्रयास किया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के प्रयासो से म.प्र शासन से पहले जिले के सबसे बडे घोटी पूल के लिये ४० करोड़ की राशि स्वीकृत हुयी थी। पश्चात पुल को जोडने की दिशा में ग्रामीण सड़क से जिला सड़क में मद परिवर्तन कराकर डोंगरमाली से घोटी साढे पांच मीटर सड़क का निर्माण कार्य भी तीव्र गति से शुरू करा दिया गया है। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल,लोक निर्माण विभाग के एसडीओ सिद्धार्थ जैन, पूल विभाग के उपयंत्री राकेश कुमरे, नरेन्द्र ठकरेले सरपंच,डॉ दशरथ कावडे,सुरेश दमाहे,शिवकुमार बडगे,शांतिलाल सुलाखे, दिनेश लिल्हारे,इंद्रकुमार खजरे, शंकर कावरे,श्रवण खरे, उमेश देवाहे, डोमन नगपुरे, टेकराम उपवंशी,युवराज कावरे,देवी ठकरेले, महेन्द्र उके,युगेश कावडे मौजूद रहे। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की सबसे बडे पुल के लिये म.प्र.शासन से ४० करोड़ की राशि से स्वीकृत के पश्चात हमने ग्रामीण सड़क का जिला सड़क में मद परिवर्तन कराकर १४ करोड़ की अतिरिक्त राशि से साढे मीटर चौडी सडक डोंगरमाली से घोटी पूल तक निर्माण कार्य शुरू करा दिया है। पूल का कार्य तीव्र गति से शुरू है जिसे जून २०२७ तक पूर्ण होने की उम्मीद है। इस पुल पर आवागमन शुरू हो जाने के बाद म.प्र. और महाराष्ट्र राज्य के बीच व्यापारिक, मेडिकल सहित अन्य सुविधायें जंहा बढेगी। वहीं किसानो, विद्यार्थीयो, सब्जी व दूध विक्रेताओं को भी सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही सभी विषयो में अनेको सुविधाओ के बढने से विकास के नये आयाम भी सामने आने लगेंगे। पूल से सड़क की कनेक्टिवीटी की दिक्कत पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की घोटी एक बडी पंचायत है। जिसकी जनसंख्या ६ हजार से अधिक है और कनेक्टिवीटी सड़क की चौडाई साढे पांच मीटर और नाली होने से ग्राम के बीच से यह सडक निकलने से ग्रामीणो के मकान आने से दिक्कत सामने आयी है। जिसके समाधान के लिये आज अनेको विभाग के अधिकारीयों के साथ निरिक्षण किया गया है। श्री जायसवाल ने कहा कि हमारी सोच है की सड़क की चौडाई कही से कम ना हो। साथ ही ग्राम से सड़क जाने के कारण ग्रामीणो के मकानो में किसी भी प्रकार की आंच भी नही आये। इसलिये घोटी पूल तक बायपास मार्ग का समाधान भी आज घोटी के सरपंच और स्थानीय ग्रामीणो ने निरीक्षण टीम के समक्ष रखा है। हम जल्द विभागो के अधिकारीयों के साथ पुरे विषय की समीक्षा कर उचित समाधान निकालने का प्रयास करेंगें। श्री जायसवाल ने बताया की हमे इस विषय में भी गंभीरता से सोचना है की क्या पुरानी बसाहट वाले घोटी ग्राम के बीच से पूल तक मनमानी ट्रेफिक निकालना उचित होंगा। घोटी किनारे का ग्राम है जिस तरह घर के पीछे दरवाजा या खिडकी नही होने से घूंटन होती है। उसी तरह हमने घोटी पूल बनाकर क्षेत्र के विकास के दरवाजे को खोलने का कार्य किया है।

अब मणिपुर के पारंपरिक खेल तांग था का प्रशिक्षण लेंगे जिले के खिलाड़ी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश तांग था एसोसिएशन के मुख्य सचिव शिवेंद्र सिंह परमार द्वारा बालाघाट जिला तांग था , एसोसिएशन के अध्यक्ष पद हेतु किरण भाई त्रिवेदी, उपाध्यक्ष अनिल धुवारे तथा सचिव संतोष पारधी का नाम मनोनीत किया गया संस्था सचिव संतोष पारधी द्वारा 26 जून को भोपाल में आयोजित होने वाली रेफरी जज ट्रेनिंग सेमिनार के लिए बालाघाट जिले से प्रशिक्षक शुभम मनेश्वर, साक्षी खैरकर,अनिल सावंनकर लव पटेल नगपुरे ,प्रज्ञात वासनिक ममता घोगंड़े साक्षी का नाम भेजा गया जो कि मध्य प्रदेश तांग था एसोसिएशन द्वारा आयोजित रेफरी ,जज ट्रेनिंग सेमिनार में प्रशिक्षण लेकर मध्य प्रदेश के स्टेट रेफरी के रूप में प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए सहयोग लिया जाएगा ट्रेनिंग सेमिनार के बाद मध्य प्रदेश तांग था मार्शल आर्ट के सचिव शिवेंद्र सिंह परमार द्वारा सभी जिले के सचिव प्रशिक्षक को निर्देशित किया गया कि जिला स्तर में खिलाडियों को प्रशिक्षित किया जाए तथा राज्य स्तर पर अधिक से अधिक जिले के खिलाडियों को शामिल किया जाए तांग था मार्शल आर्ट मणिपुर का पारंपरिक खेल है यह खेल स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त है प्रतिवर्ष इसकी प्रतियोगिता का आयोजन मध्य प्रदेश के अन्य जिलों में किया जाता है तथा यह खेल महाविद्यालय एवं खेलो इंडिया, यूथ गेम्स में भी शामिल है भारतीय ओलंपिक संघ से मान्यता प्राप्त यह खेल बालाघाट जिले के खिलाडियों को जिला राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर तक की प्रतियोगिता में सहभागी होंगे।मध्य प्रदेश संचनालय खेल एवं कल्याण विभाग द्वारा आरोह 2026 के अंतर्गत मंडला जिले में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में इसका प्रशिक्षण दिया गया तथा जबलपुर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2025 में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था इस खेल में प्रतिभागी खिलाडियों को राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाडियों को 10,000 तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर 8000 तीसरा स्थान प्राप्त करने पर 6000 की राशि खेल एवं कल्याण विभाग द्वारा प्रदान की जाएगी यह खेल जिले के लिए एक नई मार्शल आर्ट कला है जो तलवार तथा भला, ढाल के माध्यम से खेली जाती है। यह खेल सभी वर्ग के खिलाड़ी खेल सकते हैं मणिपुर के इस पारंपरिक खेल को खिलाडियों को कोई हानी ना हो इस उद्देश्य से ऑल इंडिया तांग था मार्शल आर्ट फेडरेशन द्वारा खेल को सरल बनाने के उद्देश्य तलवाल में बदलाव कर खिलाडियों की सुरक्षा की दृष्टि रखते हुए लकड़ी की तलवार का इस्तेमाल किया जाता है जिसके ऊपर रबड़ की लेयर चढ़ी होती है तथा ढाल लेदर की बनी होती है जिले में नए मार्शल आर्ट खेल की संस्था संचालित करने एवं तांग था मार्शल आर्ट की अथॉरिटी मिलने पर कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन संघ के उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया सह सचिव चंद्रकांत पीपलेवार कोषाध्यक्ष सरिता केवल सोनेकर सदस्य राजेंद्र बक्षे अमर सिंह ठाकुर तथा बालाघाट खेल एवं कल्याण विभाग जिला खेल अधिकारी राहुल बरेसा, विभागीय अधिकारी कर्मचारी योगेंद्र पटले, केदार ठाकरे, धीरज डोंगरे,दीपक अवचट दिव्या सौलंखे सभी युवा समन्वयक द्वारा बहुत-बहुत शुभकामनाएं प्रदान की गई।

जिले में 09 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चालू वर्षा सत्र के दौरान बालाघाट जिले में 1 जून से 17 जून 2026 तक 09 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 15 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी । जिले की औसत सामान्य वर्षा 1447 मिलीमीटर है। चालू वर्ष में 01 से 17 जून 2026 तक सबसे अधिक 22 मिलीमीटर वर्षा बैहर तहसील में और सबसे कम शून्य मिलीमीटर वर्षा किरनापुर तहसील में रिकॉर्ड की गई है। जबकि इसी अवधि में बालाघाट तहसील में 14 मिलीमीटर, वारासिवनी में 09 मिलीमीटर, लांजी में 03 मिलीमीटर, कटंगी में 11 मिलीमीटर, खैरलांजी में 03 मिलीमीटर, लालबर्रा में 07 मिलीमीटर, बिरसा में 01 मिलीमीटर और परसवाड़ा तहसील में 09 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है।

सोलर पम्प लगाने के नाम पर कई किसानो से की गई ठगी, किसानों ने कलेक्ट्रेट में सौपा ज्ञापन

कहा-हजारों रूपये लेने के बाद नहीं लगा सोलर सिस्टम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कभी उच्च क्वालिटी की सस्ती खाद ,तो कभी एवन कम्पनी का बीज, तो कभी सस्ती, टिकाऊ व आकर्षक कीटनाशक दवाई के नाम पर किसानों को ठगने का फैशन अब पुराना हो चुका है। अब लोग सरकारी योजनाओं के तहत किसानों के खेतों में सोलर पंप लगाने के नाम पर भी उन्हें ठगने का काम कर रहे हैं। यह बात हम नहीं कह रहे बल्कि यह बात अब किसान खुलकर बता रहे हैं।दरअसल बालाघाट जिले के किसानों को सरकारी योजना के तहत सोलर पंप लगाने के नाम पर ठगने का एक मामला सामने आया है। जहां बिजली की बचत और खेत में सोलर पंप लगाने के नाम पर कई किसानों से हजारों रुपए वसूलने के बाद भी आज तक उनके खेतो में सोलर पंप नही लगाए गए है।जिससे किसान अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे है। जिस पर अपना एतराज जताते हुए किसानों ने कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपते हुए संबंधित लोगों पर कार्यवाही करने, योजना के तहत उनके खेतों में सोलर पंप लगाने और क्षतिग्रस्त हुई नहरो की तत्काल मरम्मत किए जाने की मांग की है। जहां सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने जल्द से जल्द उनकी मांग को पूरी किए जाने की गुहार लगाते हुए मांग पूरी न होने पर उन्होंने समस्त किसानों के साथ मिलकर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

8 माह पूर्व, एक कम्पनी ने ली थी पैसे, आज तक नही लगा सोलर पंप

बालाघाट जिले मे अन्नदाता किसान कई मामले मे ठगे जा रहे है तो वंही क्षतिग्रस्त नहरो की वजह से किसान फसलों के प्रभावित होने से खासे नाराज है किसानो का कहना है की उनसे हजारों रूपये लेने के कई महीनों बाद भी सोलर पम्प का सिस्टम नहीं लगाया गया ऐसे न जाने कितने किसान है जो ठगे गए है ऐसे मे सोलर सिस्टम लगाने की योजना पर भी सवाल उठने लगे है जिसको लेकर वारासिवनी क्षेत्र के भांडी पिपरिया गांव के एकदर्जन किसानो ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में ज्ञापन में माध्यम से शिकायत की है। शिकायत मे किसानो ने बताया की खेतो की सिंचाई के लिए सोलर पम्प लगाने के लिए इलाके के बहुत से किसानो से लगभग 8 माह पूर्व किलोवाट के हिसाब से एक कंपनी के द्वारा 10 हजार रूपये से लेकर 40 हजार रूपये तक लिए गए महीनों बीत जाने के बाद भी आज तक उनके खेतो मे सोलर पम्प सिस्टम नहीं लगाए गए है ऐसे मे किसानो के बीच आक्रोश पनप रहा है।

टूटू नहर की नही हो रही मरम्मत,फसल कैसे पकाएंगे

वही क्षेत्र के पीड़ित किसानो ने बताया की उनके इलाके मे सिंचाई के लिए बनाई गई नहरे जगह जगह से टूट गई है पानी खेतो मे जाने के बजाय व्यर्थ ही बहता है।जगह जगह से क्षतिग्रस्त नहरो को बनाने की मांग करने के बाद भी नहरे नहीं सुधारी गई है।एक तो वे सोलर पम्प नहीं लगने से ठगे गए है तो वंही दूसरी ओर जगह जगह से टूटी हुई क्षतिग्रस्त नहरो की वजह से सैकड़ो किसानो के सामने सिंचाई को लेकर मारामारी होती है। सिंचाई के आभाव मे किसानो की फसल का हर साल नुकसान हो रहा है।ऐसे मे किसानो के बीच आक्रोश पनप रहा है। किसानों ने उनके खेत में सोलर पंप जल्द से जल्द लगवाने और जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हुई नहरों की मरम्मत कर उनके खेतों तक पानी पहुंचाने की मांग की है। वही मांग पूरी न होने पर आंदोलन किए जाने की भी किसानों द्वारा चेतावनी दी गई है।

तो भूख हड़ताल चक्काजाम कर करेंगे आंदोलन- किसानगण

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान मप्र ढीमर मछुआ समाज संगठन सचिव बेनीराम मेश्राम, ग्राम पिपरिया हुड़कीटोला निवासी किसान श्रवण कुमार मेश्राम और किसान भुवनलाल पटले ने संयुक्त रूप से बताया की ढूटी बांध से उनके क्षेत्र में एक नहर आती है,उससे पिपरिया एनकाटोला, हुड़कीटोला सहित अन्य गांवों को छोटी नहर के माध्यम से पानी सप्लाई किया जाता है। लेकिन वहां नहर 3-4 जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है जिसके चलते किसानों के खेतों तक पानी पहुंचना मुश्किल हो जाता है।हर साल सिंचाई विभाग द्वारा थूक पालिस करके नहर की मरम्मत कराते है जो हर साल फूट जाती है।उस नहर से किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता हमारी मांग है छोटी नहर की वैकल्पिक की जगह, एक बार अच्छे से स्थाई मरम्मत कर दी जाए, ताकि नहर बार-बार न टूटे और किसानों के खेतों तक पानी आसानी से पहुच जाए। उन्होंने आगे बताया कि गांव में करीब 8 से 10 ऐसे किसान है।जिनसे किसी कंपनी के एजेंट ने प्रधानमंत्री कृषक मित्र योजना के अंतर्गत सोलर पंप लगाने के लिए सितंबर 2025 में 5 किलोवाट सोलर पंप लगाने के लिए 25 से 30,हजार रु की राशि ली गई है, इसके अलावा कम किलोवाट के लिए कम राशि भी वसूली है। लेकिन आज तक हमारे खेतों में सोलर पंप नहीं लगा है, जबकि जिले में ऐसे कई किसान है जिनसे सोलर पंप लगाने के नाम पर हजारों रु वसूलकर ठगी की गई है। हमारी मांग है कि जल्द से जल्द हम किसानों के खेतों में योजना के तहत सोलर पंप लगाया जाए ,यदि यह दोनों मांगे जल्द से जल्द पूरी नहीं की जाती तो समस्त किसानों द्वारा चक्काजाम भूख हड़ताल कर आंदोलन किया जाएगा।

राष्ट्रपति मुर्मू का पांच दिवसीय मध्यप्रदेश प्रवास आज से; इंदौर आकर बैतूल और ओंकारेश्वर जाएंगी

इंदौर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आज गुरुवार (18 जून) से मध्यप्रदेश के पांच दिवसीय गरिमामयी प्रवास पर आ रही हैं। इस दौरान वे मालवा, निमाड़, महाकौशल और चंबल अंचल के विभिन्न जिलों में आयोजित सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगी। तय कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति सुबह 9:25 बजे देश की राजधानी दिल्ली से विशेष वायुयान द्वारा इंदौर के देवी अहिल्याबाई होल्कर विमानतल पर पहुंचेंगी, जहां प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल व जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उनकी अगवानी करेंगे।

बैतूल में कार्यक्रम, शाम को ओंकारेश्वर में करेंगी आरती

इंदौर एयरपोर्ट पर आगमन के तुरंत बाद राष्ट्रपति सुबह 9:35 बजे हेलिकॉप्टर द्वारा बैतूल के लिए उड़ान भरेंगी। वे सुबह 11:10 बजे बैतूल में ब्रह्माकुमारीज संस्थान के एक विशेष कार्यक्रम में शामिल होंगी। बैतूल के कार्यक्रम के बाद वे दोपहर 1:40 बजे भगवान शिव की पवित्र नगरी ओंकारेश्वर पहुंचेंगी। राष्ट्रपति शाम 6:20 बजे द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक भगवान ओंकारेश्वर के दरबार में हाजिरी लगाएंगी और विशेष पूजा-अर्चना के साथ संध्या आरती में शामिल होंगी। उनका रात्रि विश्राम ओंकारेश्वर के एनएचडीसी गेस्ट हाउस में होगा। अगले दिन, 19 जून को सुबह वे ओंकारेश्वर में अंतर्राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया दिवस के कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद इंदौर होकर पश्चिम बंगाल के लिए रवाना होंगी।

प्रवास के दूसरे चरण में राष्ट्रपति 20 जून की शाम जबलपुर पहुंचेंगी। संस्कारधानी जबलपुर में वे 21 जून को प्रातः 7:20 बजे आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य समारोह में शामिल होंगी। इसके पश्चात, सुबह 11:40 बजे वे रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान करेंगी।

जबलपुर के कार्यक्रमों को पूर्ण कर राष्ट्रपति 21 जून की दोपहर ग्वालियर होते हुए श्योपुर जिले के प्रसिद्ध कूनो नेशनल पार्क पहुंचेंगी। वन्यजीव प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुके कूनो नेशनल पार्क में वे रात्रि विश्राम करेंगी और अगले दिन 22 जून को तड़के सुबह 6:30 बजे पार्क का भ्रमण कर चीतों व अन्य वन्यजीवों को निहारेंगी। कूनो भ्रमण के बाद वे ग्वालियर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

सुरक्षा के अभेद्य प्रबंध, इंदौर में नो-फ्लाई ज़ोन

राष्ट्रपति के पांच दिवसीय दौरे को लेकर प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इंदौर, खंडवा (ओंकारेश्वर), जबलपुर और श्योपुर (कूनो) में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। इंदौर एयरपोर्ट और हेलीपैड के आसपास नो फ्लाई ज़ोन घोषित किया गया है, वहीं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था की कमान सौंपी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा...

मानसून सत्र में विधानसभा में आएगा यूसीसी का विधेयक

भोपाल। मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार आगामी मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता प्रस्ताव लाने की पूरी तैयारी में है। खुद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस बात की पुष्टि करते हुए बड़ा बयान दिया है। सीएम ने कहा कि इसी मानसून सत्र में यूसीसी का प्रस्ताव विधानसभा में लाया जा रहा है और महाकाल चाहेंगे तो इसी सत्र में यह प्रस्ताव पारित भी हो जाएगा। उत्तराखंड और गुजरात के बाद अब मध्य प्रदेश भी इस कानून को लागू करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। बता दें कि मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता की व्यवहारिकता जांचने और इसका मसौदा तैयार करने के लिए सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। मध्य प्रदेश सरकार के विधि और विधायी कार्य विभाग द्वारा इस 6 सदस्यीय हाई-लेवल कमेटी का गठन इसी वर्ष 27 अप्रैल को किया गया था।

नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई,वीर महाराणा प्रताप की जयंती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बुधवार को जिले भर में वीर महाराणा प्रताप की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई, जिसके तहत जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जयंती विशेष का मुख्य समारोह नगर मुख्यालय में धूमधाम से आयोजित किया गया। जिसके तहत जहां एक ओर कक्षा दसवीं कक्षा 12वीं के मेधावी छात्र-छात्राओं को विभिन्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, तो वहीं दूसरी ओर समाज के वरिष्ठजनों को सम्मानित कर, नगर में एक भव्य रैली निकाली गई।इसके अलावा दिनभर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी जिला राजपूत क्षत्रिय सभा जिला बालाघाट द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती व सामाजिक मिलन समारोह 17 जून को धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम स्थानीय श्री महाराणा प्रताप राजपूत समाज भवन गोकुल धाम नगर वार्ड नंबर 24 मोतीनगर में आयोजित किया गया। इस दौरान श्री राणा हनुमान सिंह फाउंडेशन के द्वारा 10 वीं व 12 वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में 90 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के छात्र-छात्राओं को पारितोषित देकर सम्मान किया गया। वहीं समाज के वरिष्ठजनों का भी शॉल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर शाम को शहर में भव्य वाहन रैली भी निकाली गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केबिनेट मंत्री व भूमि दानदाता गौरीशंकर बिसेन, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, नपाध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, जनपद पंचायत किरनापुर अध्यक्ष कल्याणसिंह राणा, कार्यक्रम अध्यक्ष जिला राजपूत क्षत्रिय सभा अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा सहित काफी संख्या में जिले भर के स्वजातीयजन उपस्थित रहे।

रैली के रूप में महाराणा प्रताप चौक पहुंचकर किया माल्यार्पण

वीर महाराणा प्रताप जी की जयंती के अवसर पर शहर में भव्य वाहन रैली निकाली गई। रैली महाराणा प्रताप राजपूत समाज भवन से प्रारंभ होकर मोतीनगर सहस्त्रबाहु चौक होते हुए आम्बेडकर चौक, कालीपुतली चौक, महावीर चौक होते हुए इतवारी बाजार महाराणा प्रताप चौक पहुंची। जहां महाराणा प्रतापसिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी जयघोष की गई। तत्पश्चात रैली हनुमान चौक से गोंदिया रोड आम्बेडकर चौक होते हुए वापस कार्यक्रम स्थल पहुंची। जहां भोजन वितरण के बाद कार्यक्रम समापन किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में जिला राजपूत क्षत्रिय सभा के जिला महामंत्री सुरजीतसिंह ठाकुर, सचिव यशवंतसिंह बैस, संगठन मंत्री मुकेशसिंह चौहान, कोषाध्यक्ष संजयसिंह चंदेल, जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती मधुदेवी राठौर, अजयसिंह ठाकुर, मनीष ठाकुर, जितेन्द्र इक्षसह राजपूत सहित अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला राजपूत क्षत्रिय सभा अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने बताया कि हर वर्ष संगठन द्वारा वीर पराक्रमी महाराणा प्रतापसिंह की जयंती व सामाजिक मिलन समारोह का आयोजन किया जाता है।महाराणा प्रताप राजपूत समाज व पूरे देश के गौरव थे। जिन्होंने मुगलों से लड़ते हुए अपना पूरा जीवन भारत माता की सेवा में लगाया। उनके वीर पराक्रम को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।जयंती अवसर पर सामाजिक एकजुटता व मेल मिलाप की मंशा से सामाजिक मिलन समारोह भी आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि राजपूत समाज का भवन भी बनकर तैयार हो गया है। जिसका नवम्बर माह में दीपावली के बाद में लोकार्पण किया जाएगा। इसमें विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र तोमर व प्रभारी मंत्री राव उदय प्रतापसिंह सहित अन्य अतिथियों को आमंत्रित किया जाएगा।

बालाघाट
गुरूवार 18 जून 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल और गांव कनेक्शन की खबरें
पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

नगर के डॉक्टर कॉलोनी में सनसनी

एक युवक ने अपने जन्मदिन के दिन ही फांसी लगाकर की आत्महत्या

प्रेमिका ने ही देखी युवक को पंखे में फांसी पर लटके हुए

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर के डॉक्टर कॉलोनी में उसे समय सनसनी फैल गई जब किराए से रह रहे एक युवक ने अपने कमरे के सीलिंग फैन में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 17 जून को सुबह इस युवक को उसी की प्रेमिका ने फांसी पर लटके हुए देखी और नीचे उतार कर जिला अस्पताल लाई। जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिए। मृतक तामेंद्र पिता शेख लाल पटले 30 वर्ष ग्राम बबरिया टोला थाना लालबर्रा निवासी है। 17 जून को ही इस युवक का जन्मदिन था और उसी दिन इस युवक ने अपनी इकलीला समाप्त कर ली। इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

कॉलेज के दिनों से युवती से चल रहा था प्रेम संबंध - करने वाले थे दोनों शादी

प्राप्त जानकारी के अनुसार सन 2019 में जब तामेंद्र पीजी कॉलेज बालाघाट में पढ़ता था। तब उसकी एक युवती से जान पहचान हो गई थी। दोनों कॉलेज में साथ में ही पढ़ते थे और दोनों की यह जान पहचान, प्रेम संबंध में बदल गई । प्रेम संबंध के चलते दोनों पिछले 1 वर्ष से शादी करने सोच रहे थे। 29 जुलाई 2025 को इस युवती का पुलिस में चयन हुआ था और वह ट्रेनिंग करने के लिए इंदौर पी टी एस चली गई थी। इस दौरान तामेंद्र बालाघाट नगर के डॉक्टर कॉलोनी में किराए से रहकर इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। 1 वर्ष ट्रेनिंग के दौरान इस युवती की तामेंद्र से फोन पर बातचीत होते रहती थी। 11 जून 2026 को यह युवती ट्रेनिंग करने के बाद अपने घर आई थी। 16 जून को तामेंद्र ने इस युवती को मैसेज किया कि तुम पुलिस की नौकरी मत करना मुझे पुलिस की नौकरी पसंद नहीं है तो युवती ने उसे मैसेज किया की वह मण्डला जाकर पुलिस की नौकरी ज्वाइन करेगी। और उसने यह भी बोली थी कि उसे 17 जून को जॉइनिंग लेने के लिए मंडला जाना है।। 16 जून शाम 6:00 बजे इस युवती की तामेंद्र से फोन पर बातचीत हुई थी और बोली थी कि मैं मण्डला जाऊंगी तब तामेंद्र ने उसे मिलने के लिए कमरा बुलाया था । युवती ने उसे बोली की कल 17 जून को तुम्हारा जन्मदिन है। जन्मदिन में मिलने के लिए आऊंगी। उसके बाद इस युवती ने तामेंद्र को फोन की किंतु उसने में फोन नहीं उठाया। बहुत सारे मैसेज भी की थी। 17 जून को सुबह तामेंद्र की दीदी अनुशाया बिसेन का इस युवती को फोन पर मैसेज आया कि तामेंद्र से बात हुई क्या। तब इस युवती ने बोली कि कल शाम से कोई बात नहीं हुई है।

युवती जन्मदिन पर मिलने पहुंची- दिखा पंखे में पर लटका हुआ

सुबह 6:00 बजे यह युवती तामेंद्र से मिलने उसके कमरे पहुंची देखी,कमरे के दोनों दरवाजे खुले हुये थे। लाइट चालू थी कमरे के अंदर पंखे में काले कलर का इलेक्ट्रिक वायर से तामेंद्र लटके हुए था। तब इस युवती ने मकान मालकिन को आवाज देकर बुलाई। उसके बाद तामेंद्र के गले में कसा वायर का फंदा तुरंत खोली और नीचे लिटाकर चेहरे में पानी छिड़की। इस समय मकान मालकिन आई। इसी के साथ ही पास पड़ोस के लोग के अलावा तामेंद्र की मामा बहन मौसम, मासूम आ गए थे। एंबुलेंस को फोन करके बुलाये। किसी ने 112 को फोन किया 1 घंटे बाद डायल 112 आई जिससे तामेंद्र को जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे। डॉक्टर के द्वारा चेक करने पर तामेंद्र को मृत घोषित कर दिए। जिला अस्पताल पुलिस ने तामेंद्र का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। तामेंद्र पटले ने अपने जन्मदिन के दिन किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की स्पष्ट नहीं हो पाया हैं इस मामले की आगे जांच कोतवाली पुलिस द्वारा की जा रही है।बताया गया है कि तामेंद्र के पिता शेख लाल पटले खेती किसानी करते हैं। जिसके परिवार में पत्नी, दो बेटे और दो बेटी है ।दोनों बेटी और एक बेटे की शादी हो चुकी है तामेंद्र परिवार में छोटा था जिसकी शादी नहीं हो पाई थी और वह बूढी बालाघाट में किराए से रहकर प्राइवेट इलेक्ट्रिशियन का काम करता था।

4 महीने में पैसा डबल करने का झांसा

49 लोगों से 47.50 लाख की ठगी करने वाले दो भाईयों को 7-7 साल की सजा-9-9 लाख रुपये अर्थदंड

बड्स एक्ट की विशेष अदालत का बड़ा फैसला, निवेशकों को मिली राहत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चार महीने में रकम दोगुनी करने का सपना दिखाकर 49 लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले दो आरोपियों को द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश एवं बड्स एक्ट-2019 ने कड़ी सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश दीपनारायण सिंह ने आरोपी सौरभ हलकरे और विकास हलकरे को दोषी ठहराते हुए 7-7 वर्ष के सश्रम कारावास सहित कुल 9-9 लाख रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। दोनों भाई लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कंजई निवासी है। अभियोजन के अनुसार आरोपी वर्ष 2022 से मई 2023 तक बालाघाट के गायखुरी रोड स्थित सरदार पटेल कॉलेज के पास कार्यालय संचालित कर रहे थे। यहां लोगों को मात्र चार महीने में रकम दोगुनी करने का लालच दिया जाता था। निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए आरोपियों द्वारा डबल राशि के चेक भी दिए जाते थे और कहा जाता था कि मैच्योरिटी पूरी होने पर रकम वापस मिल जाएगी।आरोपियों के झांसे में आकर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के कुल 49 लोगों ने लगभग 47 लाख 50 हजार रुपये निवेश कर दिए। किसी ने बेटी की शादी के लिए जमा पूंजी लगाई थी तो किसी ने बच्चों की पढ़ाई, खेती किसानी और मकान निर्माण के लिए बचत की रकम निवेश की थी। लेकिन समय पूरा होने के बाद भी निवेशकों को न पैसा मिला और न ही दोगुनी राशि।जब निवेशकों ने रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी। कई बार कार्यालय के चक्कर लगाने के बावजूद लोगों को केवल आश्वासन ही मिलता रहा। अंततः पीड़ितों ने थाना कोतवाली बालाघाट में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अपराध क्रमांक 198/2023 के तहत धारा 420, 120 बी 34 भादवि एवं अविनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम 2019 की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पर्याप्त साक्ष्य मिले जिसके आधार पर न्यायालय में चालान पेश किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष ने दस्तावेजी साक्ष्य, गवाहों के बयान एवं अन्य प्रमाण प्रस्तुत किए। विशेष लोक अभियोजक एवं सहायक संचालक अभियोजन कपिल कुमार डहेरिया ने प्रभावी पैरवी करते हुए आरोपियों के खिलाफ मजबूत पक्ष रखा।न्यायालय ने दोनों आरोपियों को अविनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम 2019 की धारा 21(3) के तहत 7-7 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 7-7 लाख रुपये अर्थदंड, धारा 420 भादवि के तहत 5-5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1-1 लाख रुपये अर्थदंड तथा धारा 120-बी के तहत 5-5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1-1 लाख रुपये अर्थदंड से दंडित किया है।न्यायालय के इस फैसले को निवेशकों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। साथ ही यह फैसला उन लोगों के लिए भी सख्त संदेश है।जो डबल मनी और जल्दी मुनाफा देने जैसी फर्जी योजनाओं के जरिए लोगों की मेहनत की कमाई हड़पने का प्रयास करते हैं। प्रशासन ने भी नागरिकों से अपील की है कि किसी भी निवेश योजना में पैसा लगाने से पहले उसकी वैधता और विश्वसनीयता की पूरी जांच अवश्य करें।

आधार कार्ड बनवाने घर से निकली महिला 8 दिन बाद भी लापता- पुलिस ने शुरू की तलाश

खैरलांजी थाना क्षेत्र के सिवनघाट गांव का मामला, पति ने दर्ज कराई गुमशुदगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिवनघाट से आधार कार्ड बनवाने के लिए घर से निकली एक महिला आठ दिन बाद भी वापस नहीं लौटी। महिला के अचानक लापता होने से परिजनों में चिंता का माहौल बना हुआ है। पति की शिकायत पर खैरलांजी पुलिस ने गुम इंसान कायम कर महिला लापता महिला भुमेश्वरी पति कन्हैया निनावे 26 वर्ष की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कन्हैयालाल निनावे मिस्त्री का काम करते हैं। दोनों की शादी वर्ष 2019 में हुई थी तथा उनकी एक 6 वर्षीय पुत्री भी है। परिवार में पति-पत्नी, बच्ची के अलावा कन्हैया के माता-पिता भी साथ रहते हैं।बताया गया कि 8 जून की सुबह करीब 9:30 बजे भुमेश्वरी अपने पति से यह कहकर घर से निकली थी कि वह आधार कार्ड बनवाने वारासिवनी जा रही है और शाम तक वापस लौट आएगी। इसके बाद पति कन्हैया अपने काम पर चले गए थे। शाम करीब 5:30 बजे जब वह घर लौटे तो पत्नी घर पर नहीं मिली। उन्होंने अपनी मां से पूछताछ की, लेकिन तब तक भुमेश्वरी वापस नहीं आई थी। रात करीब 8 बजे तक भी जब यह महिला घर नहीं लौटी तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। पति ने तत्काल भुमेश्वरी के मायके ग्राम सालेटका में फोन कर जानकारी ली। लेकिन वहां भी उसके पहुंचने की पुष्टि नहीं हुई। इसके बाद रिश्तेदारों और परिचितों के यहां भी तलाश की गई। किंतु महिला का कोई सुराग नहीं मिला। बताया कि भुमेश्वरी अपने पति कन्हैया का मोबाइल और सिम उपयोग करती थी। हालांकि वह सिम कार्ड घर पर ही छोड़ गई, जबकि मोबाइल अपने साथ लेकर निकली थी। लगातार तलाश के बावजूद कोई जानकारी नहीं मिलने पर पति कन्हैया निनावे ने 17 जून को खैरलांजी थाने पहुंचकर पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।खैरलांजी पुलिस ने गुम इंसान क्रमांक 32/26 कायम कर महिला की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार भुमेश्वरी का कद लगभग 5 फीट, रंग गोरा तथा चेहरा लंबा है। घर से निकलते समय वह गुलाबी रंग की टी-शर्ट और ब्लैक जींस पहने हुए थी। पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि यदि किसी को उक्त महिला के संबंध में कोई जानकारी मिलती है तो तत्काल नजदीकी पुलिस थाना या खैरलांजी पुलिस को सूचित करें। फिलहाल पुलिस विभिन्न संभावित स्थानों पर महिला की तलाश में जुटी हुई है।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट